@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
गुरूवार, 26 मार्च 2026

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 140 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

'पेट्रोल-डीजल की देश में कोई कमी नहीं'

• एलपीजी ऑनलाइन बुकिंग 92 फीसदी तक पहुंची : पेट्रोलियम मंत्रालय

एजेंसी

नई दिल्ली। दुनिया भर में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस को लेकर मची हाहाकार के बीच भारत सरकार ने विश्वास दिलाया है कि देश में पेट्रोल-डीजल की कोई कमी नहीं है और कच्चे तेल से लेकर प्राकृतिक गैस तक पर्याप्त मात्रा में है। पश्चिम एशिया में हाल के घटनाक्रमों पर अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में बुधवार को इसकी जानकारी दी गई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने शांति बहाली को लेकर भारत के प्रयासों की चर्चा की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम एशिया की स्थिति को लेकर अमेरिका के राष्ट्रपति

डोनाल्ड ट्रंप और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से बातचीत की। भारत ने तनाव कम करने, शांति बहाली और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को सुरक्षित व खुला रखने पर जोर दिया। दोनों वार्ताओं में समुद्री मार्गों की सुरक्षा और क्षेत्रीय शांति और ऊर्जा सुरक्षा पर समन्वय पर बल दिया गया, जिसमें भारत-श्रीलंका सहयोग भी शामिल है। भारत ईरान सहित क्षेत्रीय साझेदारों के संपर्क में है और अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित कर रहा है। वहीं, विदेश मंत्री एस. जयशंकर की ईरानी राजदूत से मुलाकात हुई। कई भारतीय नागरिक आर्मेनिया और अजरबैजान मार्गों के जरिए लौटे हैं, जिसके लिए ईरान को धन्यवाद दिया। पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के सचिव राजेश सिन्हा ने जानकारी दी कि वर्तमान में 20 भारतीय जहाज पर्शियन गल्फ क्षेत्र में हैं, जिनमें 500 से ज्यादा भारतीय नाविक मौजूद हैं। उन्होंने बताया, 'पिछले 24 घंटों में किसी भी भारतीय जहाज या नाविक से संबंधित कोई घटना रिपोर्ट नहीं हुई है। 20 भारतीय जहाज वर्तमान में पर्शियन गल्फ क्षेत्र में संचालित हो रहे हैं, और इन जहाजों पर 540 भारतीय नाविक मौजूद हैं, और सभी सुरक्षित हैं। संबंधित एजेंसियां और शिपिंग अधिकारी लगातार संपर्क में हैं और स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।'

होटलों एवं रेस्तरां में 'एलपीजी शुल्क' वसूलने पर केंद्र ने लगाई रोक, कहा-उल्लंघन पर होगी सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर गैस संकट के बाद, देश में होटलों एवं रेस्तरां में ग्राहकों से 'एलपीजी शुल्क' वसूलने पर केंद्र सरकार ने सख्त एडवाइजरी जारी की है और इसे अनुचित व्यापार प्रथा करार देते हुए तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। उपभोक?ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की ओर से जारी किए गए बयान में कहा गया कि केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता बिलों में 'एलपीजी शुल्क', 'गैस सरचार्ज' और 'ईंधन लागत वसूली' जैसे अतिरिक्त शुल्क लगाने वाले होटलों और रेस्तरांओं का कड़ा संज्ञान लिया है, और इस प्रथा को उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत एक अनुचित व्यापार व्यवहार करार दिया है। बयान में कहा गया कि सेवा शुल्क पर मौजूदा दिशानिर्देशों से बचने के लिए ऐसे शुल्क डिफॉल्ट रूप से लगाए जा रहे हैं, सीसीपीए ने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 की धारा 10 के तहत जारी की नयी एडवाइजरी में निर्देश दिया गया है कि ऐसा कोई भी शुल्क स्वचालित रूप से नहीं वसूला जाएगा, और चेतावनी दी है कि उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जा सकती है। सरकार ने बताया कि राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन (एनसीएच) पर प्राप्त शिकायतों और मीडिया रिपोर्टों के आधार पर सीसीपीए ने पाया है कि कुछ होटल और रेस्तरां मेनू में प्रदर्शित भोजन और पेय पदार्थों की कीमत और लागू करों के ऊपर, उपभोक्ता बिल में डिफॉल्ट रूप से ऐसे शुल्क लगा रहे हैं।

मध्य पूर्व से भारत आने वाली उड़ानों की संख्या में लगातार हो रहा सुधार- केंद्र

• 'सऊदी अरब और ओमान से भारत के लिए उड़ानें जारी हैं।

एजेंसी

नई दिल्ली। मध्य पूर्व से भारत आने वाली उड़ानों की संख्या में लगातार सुधार हो रहा है। यूएई से लगातार नॉन-शेड्यूल उड़ानों को ऑपरेट किया जा रहा है और अलग-अलग एयरपोर्ट्स से 80 के करीब उड़ानें बुधवार को भारत आने की उम्मीद है। यह जानकारी विदेशी मंत्रालय द्वारा दी गई। बयान में कहा गया, 'सऊदी अरब और ओमान से भारत के लिए उड़ानें जारी हैं। कतर का हवाई क्षेत्र भी आंशिक रूप से खुला होने के कारण, कतर एयरवेज द्वारा बुधवार को भारत के लिए लगभग नौ नॉन-शेड्यूल कमर्शियल उड़ानें संचालित किए जाने की उम्मीद है।' कुवैत और बहरीन के हवाई क्षेत्र अभी भी बंद हैं। सऊदी अरब से जजीरा एयरवेज और गल्फ एयर जैसी एयरलाइंस द्वारा स्पेशल नॉन-शेड्यूल उड़ानें संचालित की जा रही हैं, जिससे भारतीय नागरिकों को भारत आने में सुविधा हो रही है।बयान में कहा गया है कि ईरान में फंसे भारतीय नागरिकों को आर्मेनिया और अजरबैजान के रास्ते भारत आने में सहायता दी जा रही है। भारतीय दूतावास की सहायता से 717 छात्रों और 326 भार तीय नागरिकों सहित 1,043 लोग ईरान से बाहर निकल चुके हैं। इजरायल में फंसे भारतीय नागरिकों को जॉर्डन के रास्ते भारत आने की सुविधा दी जा रही है। कुवैत, बहरीन और इराक में लगे प्रतिबंधों को देखते हुए, भारतीय नागरिकों को सऊदी अरब के रास्ते आवाजाही की सुविधा जारी है।

रामनवमी पर पूरे दिन खुलेगा श्रीराम जन्मभूमि मंदिर, श्रद्धालु कर सकेंगे दर्शन

• दोपहर 12 बजे भगवान राम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगाः श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र

अयोध्या। रामनवमी के अवसर पर रामनगरी अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि मंदिर 27 मार्च को पूरे दिन श्रद्धालुओं के लिए खुला रहेगा। सुबह 6:30 बजे से अनुष्ठान शुरू होकर 11:00 बजे तक चलेंगे। इस दिन कपाट बंद नहीं किए जाएंगे, ताकि अधिक से अधिक श्रद्धालु रामलला के दर्शन कर सकें। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य डॉ. अनिल मिश्र ने बताया कि दोपहर 12 बजे भगवान राम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दौरान सूर्य की किरणों से रामलला के मस्तक पर 'सूर्य तिलक' का दिव्य दृश्य दिखाई देगा। पूरे आयोजन का लाइव प्रसारण एलईडी स्क्रीन के जरिए किया जाएगा, जिससे देश-विदेश के लोग भी दर्शन कर सकें। भगवान रामलला को लगभग छह क्विंटल पंजीरी व 56 भोग का विशेष भोग अर्पित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मंदिर परिसर में लगातार बधाई गान का आयोजन होगा और राम परिवार के दरबार में भी विशेष कार्यक्रम होंगे। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए दर्शन मार्ग पर मैट, छाया और अन्य व्यवस्थाएं की जाएंगी, साथ ही फूल बंगला झांकी आकर्षण का केंद्र रहेगी। शाम को मंदिर का शिखर भव्य फसाड लाइटिंग से जगमगा उठेगा, जिससे पूरा परिसर दिव्य आभा से भर जाएगा।

जल जीवन मिशन पर परामर्शदात्री समिति की बैठक, दिसंबर 2028 तक बढ़ा मिशन

• जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमनन्ना और राज भूषण चौधरी भी शामिल हुए

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल ने मंत्रालय की परामर्शदात्री समिति की बैठक में जल जीवन मिशन की प्रगति, प्रभाव और भविष्य की रूपरेखा पर चर्चा की। इस दौरान बैठक में मिशन की उपलब्धियों, ग्रामीण भारत में पेयजल सुरक्षा, जलजनित बीमारियों में कमी और बच्चों के स्वास्थ्य व शिक्षा पर पड़े सकारात्मक असर पर भी चर्चा हुई। मंत्रालय ने बताया कि बैठक में जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमनन्ना और राज भूषण चौधरी भी शामिल हुए। बैठक में जल जीवन मिशन को दिसंबर 2028 तक बढ़ाने और 8.69 लाख करोड़ रुपये के प्रावधान की जानकारी दी गई। सदस्यों को बताया गया कि मिशन अब केवल आधारभूत संरचना निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण सेवा वितरण पर केंद्रित है। मार्च 2026 तक 15.82 करोड़ ग्रामीण परिवारों को कार्यात्मक घरेलू नल कनेक्शन मिल चुके हैं, जो 2019 की तुलना में लगभग पांच गुना वृद्धि है। बैठक में डिजिटल डेटा शासन, ग्राम पंचायतों के माध्यम से सामुदायिक नेतृत्व, जल गुणवत्ता निगरानी, वित्तीय स्थिरता, जिला तकनीकी इकाइयों की स्थापना और 'जन भागीदारी' जैसे सुधार क्षेत्रों पर जोर दिया गया। मंत्रालय ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर की प्रक्रिया शुरू कर दी है, जिसमें 11 राज्य पहले ही शामिल हो चुके हैं।

तेलंगाना : कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टी. जीवन रेड्डी ने दिया इस्तीफा

हैदराबाद। तेलंगाना कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टी. जीवन रेड्डी ने आखिरकार कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा दे दिया। पार्टी नेताओं द्वारा मनाने के सभी प्रयास विफल रहे। उन्होंने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता के साथ-साथ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की सदस्यता भी छोड़ दी। रेड्डी ने एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लिखे पत्र में अपने इस्तीफे के पीछे के कारणों का विस्तार से उल्लेख किया है। उन्होंने कहा कि जगतियाल विधानसभा क्षेत्र में पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ हो रहे।

एकात्म मानव दर्शन आज भी प्रासंगिक : उपराष्ट्रपति

• यह सम्मेलन 25 से 27 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है

अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सम्मेलन का वर्चुअल उद्घाटन किया

एजेंसी

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय का 'एकात्म मानव दर्शन' आज भी अत्यंत प्रासंगिक है और वर्तमान वैश्विक चुनौतियों के बीच संतुलित और समन्वित जीवन का मार्ग दिखाता है। उपराष्ट्रपति ने बुधवार को कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय, मैसूरु में 'एकात्म मानव दर्शन - भारत का विश्वदृष्टिकोण' विषय पर आयोजित अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक सम्मेलन का वर्चुअल उद्घाटन किया। यह सम्मेलन 25 से 27 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है। उन्होंने इस सम्मेलन के आयोजन के लिए कर्नाटक स्टेट ओपन यूनिवर्सिटी, प्रज्ञा प्रवाह और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी रिसर्च फाउंडेशन की सराहना की।

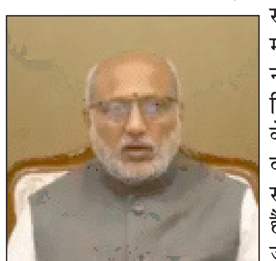

उपराष्ट्रपति ने कहा कि एकात्म मानव दर्शन व्यक्ति, समाज, प्रकृति और ब्रह्मांड के बीच गहरे संबंध पर आधारित है। आज के समय में जब दुनिया विभाजन, तनाव और अविश्वास जैसी समस्याओं से जूझ रही है, यह दर्शन धर्म, कर्तव्य और मूल्यों के माध्यम से समरसता का मार्ग प्रस्तुत करता है। वास्तविक विकास वही है जो शरीर, मन, बुद्धि और आत्मा के समग्र विकास के साथ-साथ प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखे। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में कर्तव्य और सेवा के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास' के मंत्र का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य समावेशी और सतत विकास पर आधारित है, जो 'वसुधैव कुटुंबकम' की भावना से जुड़ा है। तेजी से बढ़ती तकनीकी प्रगति के संदर्भ में उन्होंने कहा कि तकनीक का उपयोग मानव कल्याण के लिए होना चाहिए और इसे नैतिक मूल्यों द्वारा संचालित किया जाना आवश्यक है। उपराष्ट्रपति ने एकात्म मानव दर्शन के सिद्धांतों को नीति और व्यवहार में अपनाने का आह्वान किया, ताकि एक संतुलित और सामंजस्यपूर्ण विश्व का निर्माण किया जा सके। उन्होंने सम्मेलन की सफलता के लिए शुभकामनाएं भी दीं।

पाकिस्तान के बयान को भारत ने किया खारिज

• आतंकवाद पर घेरा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत ने प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन से जुड़े न्यायिक मामलों पर पाकिस्तान के बयान को सख्ती से खारिज किया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बुधवार को मीडिया के सवालों पर कहा कि भारत पाकिस्तान द्वारा जारी इस बयान को पूरी तरह अस्वीकार करता है, जिसमें एक प्रतिबंधित आतंकवादी संगठन और उसके सदस्यों का समर्थन किया गया है। उन्होंने कहा कि भारत के आंतरिक मामलों या न्यायिक प्रक्रियाओं पर टिप्पणी करने का पाकिस्तान को कोई अधिकार नहीं है। यह आश्चर्य की बात नहीं है कि एक ऐसा देश, जो लंबे समय से आतंकवाद को बढ़ावा देता रहा है, इस तरह का बयान दे रहा है, जो हिंसा और निर्दोष लोगों की हत्या को उचित ठहराता है। प्रवक्ता ने पाकिस्तान को नसीहत देते हुए कहा कि झूठ और भ्रामक बयानबाजी करने के बजाय उसे अपने यहां हो रहे गंभीर और व्यवस्थित मानवाधिकार उल्लंघनों पर आत्ममंथन करना चाहिए। उल्लेखनीय है कि दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत एक

मामले में कश्मीरी अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को आजीवन कारावास और उनकी दो सहयोगी फहमीदा सोफी और नाहिदा नसीम को 30-30 साल की कैद की सजा सुनाई थी। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर इस सजा पर कड़ी आपत्ति जताई थी।

सोनिया गांधी अस्पताल में भर्ती, हालत स्थिर

एजेंसी

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को मंगलवार रात पेट में इंफेक्शन की शिकायत के बाद दिल्ली के सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, फिलहाल उनकी हालत स्थिर है।

बुधवार को अस्पताल द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार, सोनिया गांधी को मंगलवार रात 10:22 बजे सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया। अस्पताल के चेयरमैन डॉ अजय स्वरूप ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि डॉक्टर उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।

डॉक्टरों द्वारा उनकी विस्तृत जांच की जा रही है, जिसमें पेट और यूरिनरी ट्रैक में संभावित संक्रमण की जांच भी शामिल है। इलाज के तहत उन्हें एंटीबायोटिक्स दी जा रही हैं। अस्पताल की एक विशेषज्ञ टीम उनकी निगरानी कर रही है और आवश्यक चिकित्सा देखभाल प्रदान की जा रही है।

पीएम मोदी से मिले राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा

'प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर प्रदेश के विकास एवं जन-कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में उनका बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किया।'

एजेंसी

नई दिल्ली। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बुधवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। इसकी जानकारी प्रधानमंत्री कार्यालय ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल के जरिए दी। प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।'' इस दौरान राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने पीएम मोदी ने मां दुर्गा की प्रतिमा भी भेंट की। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मोदी से मुलाकात कर प्रदेश के विकास एवं जन-कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में उनका बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किया। पीएम मोदी से मुलाकात के सीएम भजनलाल शर्मा ने सोशल मीडिया एक्स पोस्ट में लिखा, ''आज नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट कर राजस्थान के सर्वांगीण विकास एवं जन-कल्याणकारी योजनाओं के संबंध में उनका बहुमूल्य मार्गदर्शन प्राप्त किया। उनकी दूरदर्शी सोच और स्पष्ट दिशा-निर्देश हमें एक समृद्ध राजस्थान के निर्माण की राह दिखाते हैं।'' उन्होंने आगे लिखा, 'प्रधानमंत्री जी का राजस्थान

की जनता के प्रति अटूट स्नेह और उनका दूरदर्शी मार्गदर्शन ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति है, जिसके संबल से राजस्थान आज विकास के हर क्षेत्र में नई ऊंचाइयां छू रहा है, और इसी प्रेरणा से विकसित राजस्थान का संकल्प पूर्ण करते हुए प्रदेश का हर नागरिक उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होगा।

सभी मंत्री, विधायक, चेयरमैन, सरपंच, पंच, एम.सी., जिला प्रधान और पार्टी वालंटियर इस पहुंच अभियान में लेंगे हिस्सा: अमन अरोड़ा

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 25 मार्च। पंजाब में आम आदमी पार्टी (आप) के प्रधान अमन अरोड़ा ने बुधवार को भगवंत मान सरकार के चार साल पूरे होने के अवसर पर राज्य स्तरीय बड़े जन अभियान की घोषणा की। उन्होंने कहा कि 'आप' सरकार ने राज्य के प्रमुख क्षेत्रों की तस्वीर बदलते हुए पारदर्शी, जवाबदेह और जन-हितैषी शासन प्रदान किया है। 'आप' पंजाब अध्यक्ष ने बताया कि यह अभियान अगले 10 दिनों में 16,000 रैलियों, जनसभाओं और नुक्कड़ बैठकों के माध्यम से सरकार का रिपोर्ट कार्ड सीधे जनता तक पहुँचाएगा। बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए अमन अरोड़ा ने कहा कि कल से एक विशाल जन अभियान शुरू होगा, जिसके तहत अगले 10 दिनों में पूरे पंजाब में 16,000 रैलियाँ, जनसभाएँ और नुक्कड़ बैठकें आयोजित की जाएंगी। यह अभियान भगवंत मान सरकार के चार साल पूरे होने का प्रतीक है, जिसने अरविंद केजरीवाल के वैचारिक नेतृत्व में बेहतरीन, पारदर्शी और जवाबदेह शासन दिया है। उन्होंने आगे कहा कि इस अभियान में मंत्री, विधायक, चेयरमैन, सरपंच, पंच, एम.सी., जिला प्रधान और पार्टी वालंटियर शामिल होंगे, जो सरकार का रिपोर्ट कार्ड लेकर हर गाँव, गली और घर-घर तक पहुँचेंगे। अमन अरोड़ा ने कहा, हम अपना चार साल का रिपोर्ट कार्ड हर गाँव और हर घर तक लेकर जाएंगे। पार्टी की वैचारिक नींव के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा

कि पहले दिन से ही अरविंद केजरीवाल ने स्पष्ट कर दिया था कि हम राजनीति करने नहीं, बल्कि राजनीति बदलने आए हैं। उनकी राजनीति दो सिद्धांतों पर आधारित है—ईमानदार राजनीति और काम के जरिए विकास। आज पंजाब का बच्चा-बच्चा मानता है कि इन चार सालों में हुआ काम पिछले 70 सालों की उपलब्धियों से कहीं अधिक है। उपलब्धियों का विवरण देते हुए अमन अरोड़ा ने बताया कि पंजाब के हर परिवार को अब 10 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर मिल रहा है, जो देश में एक अनोखी योजना है। स्कूल और अस्पताल पूरी तरह बदल चुके हैं। 881 आम आदमी क्लीनिक पहले ही चल रहे हैं और आने वाले दिनों में 100 से अधिक और क्लीनिक खोले जाएंगे, जिससे कुल संख्या 1000 हो जाएगी। खेलों के बुनियादी ढांचे के बारे में उन्होंने कहा कि 3,000 खेल स्टेडियम बनाए जा चुके हैं और 6,000 से अधिक निर्माणाधीन हैं। पाँच साल का कार्यकाल पूरा होने तक हर गाँव में खेल स्टेडियम होगा, ताकि बच्चे, युवा और बुजुर्ग शारीरिक रूप से सक्रिय रहें और नशे से दूर रहें। वित्तीय चुनौतियों के बावजूद विकास कार्यों का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, केंद्र द्वारा ग्रामीण विकास फंड (आरडीएफ) के 8,300 करोड़ रुपये से अधिक रोकने के बावजूद, पंजाब 40,000 किलोमीटर से अधिक सड़कों का निर्माण कर रहा है। सड़क सुरक्षा बल (एसएसएफ) विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त सेवा के रूप में उभरा है। **शेष पृष्ठ 3 पर**

सरकार ने शुरू किया प्रिज्म-एसजी पोर्टल

• रेलवे और सड़क निर्माण की प्रक्रियाएं होंगी डिजिटल व समयबद्ध

• नवप्रवर्तित पोर्टल इन चुनौतियों को दूर करेगा और सड़क विभागों, भारतीय रेल, ठेकेदारों, निर्माणकर्ताओं और निरीक्षण एजेंसियों को एकीकृत डिजिटल मंच पर लाएगा। इस पहल से अनुमोदन और निरीक्षण की समयसीमा लगभग 12 महीने से घटकर 3 से 4 महीने रह जाएगी। इससे परियोजनाओं की दक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ेगी तथा आरओबी और रेलवे पुलों का समयबद्ध निर्माण सुनिश्चित होगा।

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने देश में रेलवे और परिवहन की बुनियादी ढांचा विकास में दक्षता, पारदर्शिता और अंतर-एजेंसी समन्वय को बढ़ाने के लिए प्रिज्म-एसजी पोर्टल (रेल-रोड निरीक्षण एवं चरण प्रबंधन - स्टील गर्डर्स के लिए पोर्टल) शुरू किया है। इस पोर्टल से रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) निर्माण से संबंधित अनुमोदन और निरीक्षण प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाने के साथ समयबद्ध तरीके से पूरी होंगी। पोर्टल का उद्घाटन बुधवार को यहां केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी और रेल, सूचना

एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संयुक्त रूप से किया।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि प्रिज्म-एसजी पोर्टल से गुणवत्ता आश्वासन योजना, वेल्डिंग प्रक्रिया विनिर्देशन शीट और स्टील गर्डर्स के निर्माण चरण निरीक्षण जैसी प्रक्रियाएं अब पूरी तरह ऑनलाइन होंगी। इसमें दस्तावेजों का प्रस्तुतिकरण, जांच, प्रश्नों का समाधान, अनुमोदन, निरीक्षण का समय निर्धारण, रिपोर्ट, तस्वीरें और परीक्षण परिणाम अपलोड करने की सुविधा उपलब्ध होगी। वर्तमान में आरओबी निर्माण के लिए भारतीय रेल से कई अनुमोदन लेने पड़ते हैं, जिनमें सामान्य व्यवस्था आरेख, संरचनात्मक आरेख, गुणवत्ता आश्वासन योजना, वेल्डिंग प्रक्रिया विनिर्देशन शीट और स्टील गर्डर्स का निरीक्षण शामिल है।

अजित पवार प्लेन क्रैश में एफआईआर

बेंगलुरु (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में डिप्टी सीएम अजित पवार की मौत के मामले में बेंगलुरु में जीरो एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर उनके भतीजे और एनसीपी (एसपी) विधायक रोहित पवार की शिकायत पर दर्ज हुई है। उन्होंने हादसे को आपराधिक साजिश बताया है। उन्होंने एफआईआर में 5 मुख्य आरोप लगाए हैं। रोहित ने कहा कि उन्होंने मुंबई के मरीन ड्राइव पुलिस स्टेशन, बारामती पुलिस और महाराष्ट्र सीआईडी से संपर्क किया, लेकिन कहीं भी एफआईआर दर्ज नहीं की गई। इसके बाद उन्होंने 23 मार्च को बेंगलुरु में जीरो पर एफआईआर दर्ज कराई। जहां अपराध हुआ है उसे छोड़कर देश के किसी भी थाने में उस अपराध की एफआईआर दर्ज कराई जाती है तब उसे जीरो एफआईआर कहते हैं। इसे फिर संबंधित थाने में ट्रांसफर कर दिया जाता है। कर्नाटक पुलिस ने केस दर्ज कर इसे महाराष्ट्र पुलिस को ट्रांसफर कर दिया है। दरअसल, 28 जनवरी को बारामती एयरपोर्ट पर प्लेन क्रैश में अजित पवार समेत 5 लोगों की मौत हुई थी।

बिलासपुर में बर्ड फ्लू के प्रकोप ने बढ़ाई प्रशासन की चिंता, रोकथाम की कार्रवाई शुरू

-संक्रमण के कारण 4,400 मुर्गियों की मौत, 10 किमी तक की जा रही निगरानी

बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में बर्ड फ्लू के प्रकोप ने प्रशासन की चिंता बढ़ा दी है। कोनी इलाके में स्थित एक सरकारी पोल्ट्री फार्म में पिछले कुछ दिनों 4,400 से ज्यादा मुर्गियों की मौत हो गई। रिपोर्ट में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद जिला प्रशासन ने युद्धस्तर पर रोकथाम की कार्रवाई शुरू की। पशु चिकित्सा विभाग के संयुक्त निदेशक ने बताया कि 19 से 24 मार्च के बीच कोनी इलाके में स्थित सरकारी पोल्ट्री फ़ार्म में वायरल संक्रमण के कारण करीब 4,400 मुर्गियों की मौत हो गई। इस फ़ार्म में कुल 5,037 मुर्गियां थीं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अधिकारी ने बताया कि मृत पक्षियों के सैंपल सोमवार को भोपाल और पुणे की लैब में भेजे गए थे। भोपाल की लैब ने मृत मुर्गियों में एवियन इन्फ्लूएंज़ा (बर्ड फ्लू) की पुष्टि हुई है। आधिकारिक बयान के मुताबिक पुष्टि होने के बाद जिला कलेक्टर संजय अग्रवाल ने एवियन इन्फ्लूएंज़ा की रोकथाम और नियंत्रण के लिए रोकथाम और बचाव के लिए तत्काल निर्देश जारी किए हैं। बयान में कहा गया है कि फार्म के एक किलोमीटर के दायरे को संक्रमित क्षेत्र और 10 किलोमीटर के दायरे को निगरानी क्षेत्र घोषित किया गया है। प्रोटोकॉल के मुताबिक संक्रमित क्षेत्र के अंदर पोल्ट्री पक्षियों, उनके चारे और अंडों को नष्ट कर दिया जाएगा और उनके आवागमन पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा दिया जाएगा। इसके लिए पशुपालन विभाग द्वारा पोल्ट्री पक्षियों के मालिकों को मुआवज़ा दिया जाएगा। मुर्गियों को मारने की प्रक्रिया पूरी होने के बाद, फार्म को सील कर दिया जाएगा। बयान में कहा गया है कि प्रभावित क्षेत्र में संक्रमित पक्षियों को मारने, उनका सुरक्षित निपटान करने, निगरानी रखने और सैनिटाइज़ेशन के उपाय करने के लिए रैपिड रिस्पॉन्स टीमें गठित की गई हैं।

डबल डेकर बस पलटी, 2 की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के करोल बाग में डबल डेकर बस के पलट जाने से बड़ा हादसा हो गया है। हादसे में दो लोगों की मौत हो चुकी है और कई घायल हैं। बस में 25 यात्री सवार थे जब यह हादसा हुआ। दिल्ली पुलिस ने हादसे का संज्ञान लिया है और मामले की जांच शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि यह बस राजस्थान से आ रही थी और हनुमान मंदिर चौक के पास पलट गई। तीन दिन पहले जयपुर-दिल्ली हाईवे पर भी एक बड़ा हादसा हुआ था। उस दौरान हरियाणा रोडवेज की तेज रफ्तार बस चंदवाजी इलाके में एक बाइक से टकरा गई थी। बाइक पर चार लोग सवार थे, जिनमें से तीन की दर्दनाक मौत हो गई। इसके अलावा दिल्ली के नांगलोई में कुछ दिन पहले एक डीटीसी बस ने स्कूटर सवार युवक को कुचल दिया। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। साथ ही, एक ई-रिक्शा और कुछ लोग बस की चपेट में आ गए, जिसके बाद घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

आप विधायक रेप केस में गिरफ्तार, हरियाणा से भागे थे, मप्र से पकड़ा

पटियाला (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी के विधायक हरमीत पठानमाजरा को पटियाला पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह 2 साल पुराने रेप केस में वांटेड थे। पठानमाजरा केस दर्ज होने के बाद पहले हरियाणा के करनाल में घेरे गए थे, लेकिन वह कस्टडी से फरार हो गए। इसके बाद वह ऑस्ट्रेलिया चले गए थे। पुलिस ने उनका लुकआउट सर्कुलर जारी कर रखा था। पठानमाजरा 2022 में पटियाला की सनौर विधानसभा सीट से विधायक चुने गए हैं। केस में राहत के लिए पठानमाजरा ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर रखी थी। इसकी सुनवाई बुधवार को ही होनी थी। इसी को लेकर वह करीब 5 दिन पहले ऑस्ट्रेलिया से भारत लौटे थे। वह दिल्ली ही आ रहे थे, लेकिन पटियाला पुलिस को इसकी भनक लग गई। इसके बाद उन्हें मध्यप्रदेश के शिवपुरी में ग्वालियर बाइपास पर गिरफ्तार कर लिया। केस दर्ज होने के बाद वह पिछले 6 महीने से फरार चल रहे थे। पठानमाजरा पर बाढ़ के दौरान अफसरों के खिलाफ बयानबाजी के बाद केस दर्ज हुआ था। उन्होंने आरोप लगाया था कि आप की दिल्ली टीम के खिलाफ बोलने की वजह से उनके खिलाफ पुराने मामले में एफआईआर की गई है।

दिल्ली में अवैध एलपीजी रैकेट का भंडाफोड़... 183 इंडेन गैस सिलेंडर बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के संगम विहार इलाके में क्राइम ब्रांच ने अवैध एलपीजी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। छापेमारी के दौरान क्राइम ब्रांच ने 183 इंडेन गैस सिलेंडर बरामद किए हैं। मामले में 4 आरोपियों को हिरासत में लेकर जांच जारी है। क्राइम ब्रांच की एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) को संगम विहार में गैस सिलेंडरों की जमाखोरी और अवैध रिफिलिंग की गुप्त सूचना मिली थी। इसके बाद क्राइम ब्रांच की टीम ने इलाके के तीन अलग-अलग गोदामों पर एक साथ छापा मारा। यहां चारों आरोपी शेर सिंह, सूरज परिहार, रघु राज सिंह और जितेंद्र शर्मा को अवैध तरीके से गैस सिलेंडरों की स्टॉकिंग और रिफिलिंग करते पकड़ा गया। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, कुल 183 सिलेंडर बरामद हुए, जिसमें 154 भरे हुए सिलेंडर, 29 खाली सिलेंडर शामिल हैं। इसके साथ ही मौके से लोहे के पाइप, तराजू और अन्य रिफिलिंग उपकरण भी जब्त किए।

ईरान जंग का चुनाव पर असर, मिडिल ईस्ट में रहते हैं केरल के 20 लाख से ज्यादा लोग

-वोट डालने यूएई, सऊदी अरब, कुवैत समेत कई देशों से भारत आते हैं केरलवासी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका और ईरान युद्ध का असर भारत में होने वाले विधानसभा चुनाव पर भी पड़ सकता है। खाड़ी देशों में भारतीयों के फंसे होने के कारण वोटर संख्या प्रभावित हो सकती है। इसका सबसे ज्यादा असर केरल पर पड़ेगा। अनुमान लगाया जा रहा है कि मिडिल ईस्ट में केरल के 20 लाख से ज्यादा लोग रहते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक ऑब्जर्वर्स का कहना है कि इसका असर मतदाताओं की संख्या पर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि संख्या निर्णायक नहीं होगी, लेकिन कुछ इलाकों में इनका असर दिखेगा। वोट डालने के लिए यूएई, सऊदी अरब, कुवैत समेत कई देशों से केरलवासी भारत आते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक मतदाताओं की संख्या का असर खासतौर से उत्तर केरल में नजर आएगा। इसके चलते मलप्पुरम, कोझिकोड और कासरगोड जिलों में असर देखा जा सकता है। साथ ही पलक्कड़ और थ्रिसूर कुछ प्रभावित हो सकते हैं। माना जा रहा है कि आईयूएमएल यानी इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को इस वोटर का सबसे ज्यादा फायदा होता है। आईयूएमएल कांग्रेस की अगुवाई वाले यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट का हिस्सा है। पार्टी के महासचिव पीएमए सलाम का कहना हैं कि कई लोग वोटिंग के लिए वापस नहीं आ पाएंगे। हमारे केएमसीसी सदस्य खाड़ी देशों में अधिकारियों से बात कर रहे हैं, लेकिन हालात सामान्य नहीं हुए तो मतदाताओं की संख्या कम रहेगी। सीपीआई से राज्यसभा सांसद संदोश कुमार पी कहते हैं कि उत्तर केरल में कुछ ही क्षेत्र हैं, जहां खाड़ी में रहने वाले मतदाताओं का संख्या ज्यादा है। आमतौर पर ये सीटें जीत के बड़े अंतर वाली हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक यूएई केरल मुस्लिम कल्चरल सेंटर के अध्यक्ष पुथूर रहमान बताते हैं कि हम यूएई से आमतौर पर 8 चार्टर्ड फ्लाइट्स की तैयारी करते हैं। इस साल हम ऐसा नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा कि सुपरमार्केट और अन्य जगहों पर काम करने वाले कई लोग इस बात को लेकर चिंतित हैं कि वह वोटिंग के लिए नहीं जा सकेंगे। 28 फरवरी और अमेरिका और इजराइल ने मिलकर ईरान पर हमला कर दिया था। इसके जवाब में ईरान ने मिडिल ईस्ट के कई देशों को निशाना बनाया। ईरान का कहना है कि देशों पर नहीं, बल्कि वहां मौजूद अमेरिकी बेस पर हमले किए थे। इसके चलते यूएई से आने वाली उड़ानें खासी प्रभावित हुईं थीं।

बंगाल पहुंचे औवेसी ने कहा, लोग घुटन महसूस कर रहे... ये गठबंधन उन्हें विकल्प देगा

एआईएमआईएम और जनता उन्नयन पार्टी के बीच हुए गठबंधन

कोलकाता (एजेंसी)। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख और हैदराबाद से सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने बुधवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल के लोग घुटन महसूस कर रहे हैं और उनकी पार्टी ने हुमायूं कबीर की आम जनता उन्नयन पार्टी (एजेयूपी) के साथ गठबंधन किया हैं, ताकि बंगाल की जनता को वह विकल्प दे सके जिसकी उन्हें बीते कई सालों से तलाश हैं। कबीर के साथ कोलकाता में प्रेसवार्ता को संबोधित कर ओवैसी ने दावा किया कि बंगाल में अल्पसंख्यकों का विकास बड़ा मुद्दा है। राज्य में अगले माह चुनाव होने हैं। उन्होंने कहा, ''एआईएमआईएम बंगाल के कमजोर वर्गों के शोषण को रोकने के लिए हुमायूं कबीर के साथ हाथ मिला रही है। हाल ही में टीएमसी से निलंबित हुए कबीर अब ओवैसी के साथ मिलकर ममता बनर्जी के अभेद्य दुर्ग (मुस्लिम वोट बैंक) में सेंध लगाने की तैयारी में हैं। कबीर की पकड़ इन इलाकों में काफी मजबूत मानी जाती है, जहाँ मुस्लिम मतदाताओं की संख्या निर्णायक है। गठबंधन का मानना है कि यदि वे इन क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तब वे राज्य सरकार बनाने में किंगमेकर की भूमिका निभा सकते हैं।

सरकार ऐसे समय प्रस्ताव पर चर्चा कर रही, जब चुनावों को लेकर आचार संहिता लागू है

-सीएम स्टालिन ने महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन के प्रस्ताव पर जताई आपत्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। तमिलनाडु के सीएम और डीएमके प्रमुख एमके स्टालिन ने महिला आरक्षण अधिनियम में संशोधन किए जाने के प्रस्ताव पर आपत्ति जताई है। उनका कहना है कि केंद्र सरकार ने पांच राज्यों के चुनावों को देखते हुए यह फैसला लिया है। उन्होंने 2011 की जनगणना को ही आधार मानकर महिला आरक्षण लागू करने पर आपत्ति जताई। उन्होंने कहा कि सरकार ऐसे समय में इस प्रस्ताव पर चर्चा कर रही है, जब चार राज्यों और पुदुचेरी में चुनाव होने हैं और वहां आचार संहिता लागू है। उन्होंने कहा कि यह अप्रत्याशित है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा जा रहा है कि संसद और विधानसभाओं में महिला आरक्षण पर सरकार 2011 की जनगणना के आधार पर विचार कर रही है। यह 128वें संविधान संशोधन के विपरीत है, जो 2023 में पारित हुआ था।

उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि 2026 की जनगणना के आधार पर इसे लागू किया जाए। ऐसी ही बात 2023 के महिला आरक्षण एक्ट में कही गई थी। उन्होंने कहा कि हम बिना किसी शर्त के महिला आरक्षण का समर्थन करते हैं, लेकिन यह जरूरी है कि सीटों का परिसीमन सही तरीके से किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने परिसीमन में आनुपातिक प्रतिनिधित्व से किसी छेड़छाड़ का विरोध किया। इसके साथ ही उन्होंने अगले 30 सालों के लिए इस बात की गारंटी मांगी कि जो परिसीमन तय हो जाएगा, उसमें तीन दशकों तक कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। स्टालिन ने कहा कि यह हमारा मानना रहा है कि राज्यों में लोकसभा सीटों का जो अनुपात है, उसमें किसी तरह का बदलाव ना किया जाए। यह गारंटी अगले 30 सालों के लिए हो। उन्होंने कहा कि सरकार को फिलहाल इस प्रस्ताव को रोक लेना चाहिए। इसके लिए सरकार को जून की शुरुआत में एक विशेष सत्र बुलाना चाहिए, जिसमें महिला आरक्षण में संशोधन पर विचार किया जाए।

ईरान-इजराइल युद्ध में मध्यस्थता पाक जैसे देश कर रहे पीएम मोदी को भी करनी चाहिए थी

-सपा सांसद ने कहा- किस देश से कैसे संबंध रहेंगे यह हमारे पीएम ही फैसला लेते हैं

नई दिल्ली (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राज्यसभा सांसद रामगोपाल यादव ने कहा है कि पश्चिमी एशिया में संघर्ष के दौरान पीएम मोदी को मध्यस्थता करनी चाहिए थी। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। ईरान-इजराइल युद्ध में पाकिस्तान की ओर से मध्यस्थता के सवालों पर रामगोपाल यादव ने कहा कि पाकिस्तान, मिस्र और तुर्किए तीन देश मध्यस्थता कर रहे हैं। यह मध्यस्थता पीएम मोदी और भारत को भी करनी चाहिए थी।

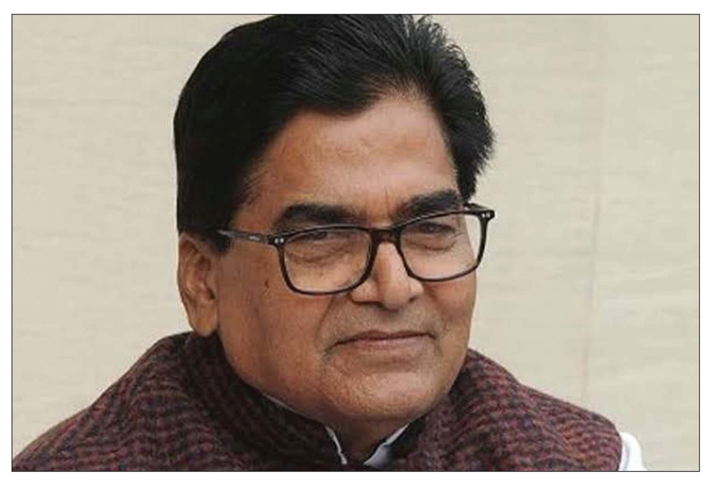

उन्होंने आगे कहा कि बहुत सारे देशों ने पीएम मोदी को अपना सबसे बड़ा राष्ट्रीय सम्मान भी दिया है। पीएम मोदी की डोनाल्ड ट्रंप के साथ क्या बातचीत हुई। संसद और देश को उन्हें इस बारे में बताना चाहिए। यादव ने भारत की विदेश नीति पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की ओर से उठाए गए सवालों पर भी प्रतिक्रिया दी।

उन्होंने कहा कि विदेश नीति जो है, वो मूल रूप से पीएम मोदी के नेतृत्व में होता है कि हमारे किस देश से कैसे संबंध रहेंगे ये पीएम ही फैसला लेते हैं। जवाहरलाल नेहरू से लेकर हमेशा यही हुआ है। हमारी गुटनिरपेक्ष नीति थी, उसके निर्माता जवाहरलाल नेहरू थे। अब वह उससे हट रहे हैं तो उससे हटने वाले पीएम मोदी हैं। केंद्र सरकार की ओर से सर्वदलीय बैठक पर बुलाने पर रामगोपाल यादव ने कहा कि बुधवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई गई है। इस बारे में मंगलवार को सूचना मिली थी। समाजवादी पार्टी की ओर से जावेद अली खान और धर्मेंद्र यादव जाएंगे। पार्टियों की तरफ से दो-दो नेता जाएंगे।

इसी दौरान सपा सांसद ने संसद में पेश होने वाले केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल विधेयक का विरोध किया। उन्होंने कहा कि इस विधेयक में आपत्ति ही आपत्ति हैं। सरकार से कौन लड़ सकता है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले को वह नहीं मानती है। असिस्टेंट कमांडेंट 30 साल में भी डिप्टी कमांडेंट नहीं बन पाता है। उसी परीक्षा से पास हुए आईपीएस डीजी बन जाते हैं। सेना में मेजर जनरल और लेफ्टिनेंट जनरल बन जाते हैं। पता होना चाहिए कि निराशा में कितने लोगों ने डीआरएस लिया।

उन्होंने कहा कि मैंने शून्यकाल में इसके विरोध में आवाज उठाई थी। सपा सांसद ने कहा कि राजनेताओं की रक्षा यही जवान करते हैं। सीमा से लेकर देश के अंदर शहीद होने वाले सबसे ज्यादा यही जवान होते हैं।

बंगाल में 'बुआ-भतीजा' मॉडल भाजपा के मजबूत ढांचे को सीधे चुनौती दे रहा

जहां बीजेपी मजबूत वहां खुद ममता ने संभाली कमान

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में चुनावी मुकाबला दिलचस्प मोड़ पर पहुंच गया है, जहां ममता बनर्जी और उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी ने भाजपा को चुनौती देने के लिए उत्तर और दक्षिण बंगाल में अलग-अलग रणनीति अपना रहे है। वहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने 291 उम्मीदवारों की सूची जारी कर चुनावी अभियान को तेज किया है, जबकि भारतीय जनता पार्टी ने भी समय से पहले उम्मीदवार घोषित कर आक्रामक रुख दिखाया है। चुनाव में टीएमसी की रणनीति के तहत ममता खुद उत्तर बंगाल में प्रचार की कमान संभाल रही हैं, जहां भाजपा परंपरागत रूप से मजबूत मानी जाती है। उन्होंने अलीपुरद्वार से अभियान की शुरुआत की और दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी जैसे इलाकों में रैलियां और बैठकों की योजना बनाई है। इसके अलावा फुलबारी और नक्सलबाड़ी जैसे क्षेत्रों में भी उनका फोकस रहेगा। उत्तर बंगाल में भाजपा ने 2019 के लोकसभा और 2021 के विधानसभा चुनावों में अच्छा प्रदर्शन किया था, इसलिए ममता यहां सीधे मुकाबला करने उतरी हैं।

वहीं दूसरी ओर अभिषेक को दक्षिण बंगाल की जिम्मेदारी दी गई है, जहां टीएमसी पारंपरिक रूप से मजबूत रही है। उनका ध्यान जिलों में संगठन को मजबूत करने और जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर है। इस तरह ÷बुआ-भतीजा÷ की जोड़ी राज्य के दोनों हिस्सों में संतुलित प्रचार रणनीति के जरिए चुनावी नतीजों को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है।

उधर भाजपा भी पूरी ताकत झोंक रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन, सुनील बंसल और भूपेंद्र यादव राज्य में सक्रिय हैं। सिलीगुड़ी और दुर्गापुर में बैठकों के जरिए संगठन को मजबूत करने की कोशिश की जा रही है। भाजपा की रणनीति बूथ स्तर तक पहुंच बनाने, घर-घर संपर्क अभियान चलाने और केंद्र सरकार की योजनाओं को प्रचारित करने पर केंद्रित है। कुल मिलाकर, बंगाल का चुनाव इस बार उत्तर बनाम दक्षिण की रणनीति पर टिका नजर आ रहा है, जहां टीएमसी का 'बुआ-भतीजा' मॉडल भाजपा के मजबूत ढांचे को चुनौती देने की कोशिश कर रहा है। अब देखना होगा कि यह रणनीति चुनावी नतीजों को कितना प्रभावित कर पाती है।

13 साल की खामोशी का अंत... ग्रीन पार्क में हो रहा हरीश राणा का अंतिम संस्कार

- दिल्ली के ग्रीन पार्क में हो रहा हरीश राणा का अंतिम संस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। 13 साल कोमा में रहने के बाद हरीश राणा ने मंगलवार को आखिरी सांस ली। उनका अंतिम संस्कार दिल्ली के ग्रीन पार्क में हो रहा है। ब्रह्मकुमारी के सदस्य भी प्रार्थना करने श्मशान घाट पहुंचे हैं। देश में इच्छामृत्यु की अनुमति पाने वाले पहले व्यक्ति हरीश राणा का मंगलवार को निधन हो गया था। बुधवार को उनका अंतिम संस्कार दिल्ली के ग्रीन पार्क स्थित श्मशान घाट में किया जा रहा है। 13 साल तक कोमा में रहने के बाद उनके जीवन का यह लंबा और दर्दभरा अध्याय आखिरकार समाप्त हो गया। ग्रीन पार्क में अंतिम संस्कार के दौरान हरीश के परिवार के कई लोग मौजूद हैं। बुधवार को हरीश राणा के पार्थिव शरीर को अंतिम संस्कार के लिए ग्रीन पार्क श्मशान घाट लाया गया, जहां परिवार और करीबी लोगों की मौजूदगी में अंतिम विदाई दी जा रही है। 31 वर्षीय हरीश वर्ष 2013 से कोमा में थे। वह पंजाब यूनिवर्सिटी में बीटेक के छात्र थे और चौथी मंजिल की बालकनी से गिर गए थे। इस हादसे के बाद से वह लगातार कोमा में रहे और पूरी तरह चिकित्सा देखरेख पर निर्भर हो गए। अंतिम दिनों में हरीश राणा से जुड़ा एक वीडियो भी सामने आया था, जिसमें ब्रह्म कुमारी के सदस्य हरीश के घर पर प्रार्थना करते नजर आए। उन्होंने आत्मा की शांति के लिए विशेष प्रार्थना की और उन्हें शांति से विदा होने की कामना की। ब्रह्मकुमारी के सदस्य भी श्मशान घाट पहुंचे हैं। वे यहां प्रार्थना करेंगे। हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के एक ऐतिहासिक फैसले के बाद उन्हें पैसिव यूथेनेशिया की अनुमति दी गई थी।

कोर्ट ने जीवन रक्षक उपकरणों को हटाने की इजाजत दी थी, ताकि उन्हें प्राकृतिक मृत्यु मिल सके। इसके तहत उन्हें इस महीने की शुरुआत में गाजियाबाद स्थित घर से दिल्ली के एम्स में पेलिएटिव केयर यूनिट में शिफ्ट किया गया था। हरीश के पिता अशोक राणा ने इस फैसले को 'बेहद दर्दनाक लेकिन जरूरी' बताया था। पिछले 13 सालों से उनका परिवार हर संभव प्रयास करता रहा। आर्थिक और मानसिक दबाव के बावजूद परिवार ने उनका इलाज जारी रखा, यहां तक कि इलाज के लिए अपना घर तक बेच दिया।

महिला आरक्षण लागू होने के साथ ही लोकसभा सीटों की संख्या हो जाएंगी 816

-यूपी में 120 तो महाराष्ट्र में 72 और बिहार से चुने जाएंगे 60 सांसद

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिला आरक्षण को लेकर सरकार ने बीते लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कानून पारित किया था, लेकिन अब उसमें संशोधन करने की तैयारी कर रही है। ऐसा इसलिए ताकि 2029 के लोकसभा चुनाव में इसे लागू किया जा सके। यही नहीं इस संबंध में जल्द ही संशोधन विधेयक लाया जा सकता है। यदि आने वाले लोकसभा चुनाव में ही महिला आरक्षण को लागू किया गया तो फिर राज्यों में सीटों का समीकरण भी बदलेगा। महिला आरक्षण लागू होने के साथ ही लोकसभा सीटों की संख्या 816 हो सकती है। फिलहाल 543 सीटें हैं। कुल 816 सीटों में से 273 सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित होंगी। राज्यों की बात करें तो पहले की तरह ही सबसे ज्यादा लोकसभा सीटें यूपी में होंगी। यहां 120 सांसद चुने जा सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बिहार में सीटों की संख्या 40 से बढ़कर 60 हो सकती है। अब तक 48 सांसद दिल्ली भेजने वाले महाराष्ट्र में लोकसभा सीटों की संख्या 72 हो सकती है। फिलहाल दक्षिण भारत के राज्यों की जो चिंता है कि उनकी सीटें कम हो सकती हैं। उसका भी ध्यान रखा गया है और 2029 के आम चुनाव में 2011 की जनगणना के मुताबिक ही सीटों की संख्या तय होगी। इसीलिए अभी जो सीटों का अनुपात है, उसके मुताबिक सीटें जुड़ेंगी। इस तरह भले ही सीटों की संख्या यूपी, बिहार, महाराष्ट्र जैसे राज्यों में बढ़ जाएगी, लेकिन उनके अनुपात में कोई बदलाव नहीं आएगा।

जानकारी के मुताबिक महिला आरक्षण में संशोधन के लिए सरकार विपक्ष से बात कर रही है। इसकी जिम्मेदारी कई नेताओं के पास है और गृहमंत्री अमित शाह ने भी कई विपक्षी दलों से बात की है। सूत्रों का कहना है कि विपक्ष को भरोसा दिलाया है कि 2029 के आम चुनाव में 2011 की जनगणना के मुताबिक ही सीट संख्या तय होगी। इसके तहत यूपी की 120 सीटें होंगी और इनमें से 33 फीसदी यानी 40 सीटें महिलाओं के लिए रहेंगी। ऐसे ही महाराष्ट्र में 72 सीटें होंगी और 24 सीटें महिलाओं के लिए रहेंगी। पश्चिम बंगाल की सीटें 42 से बढ़कर 63 हो सकती हैं और इनमें से 21 महिलाओं के लिए रहेंगी। इसी तरह बिहार में महिलाओं के लिए 20 सीटें होंगी।

तमिलनाडु में कुल लोकसभा सीटें 39 से बढ़कर 59 हो सकती हैं। इनमें से 20 महिलाओं के लिए रहेंगी।

इसी तरह मध्य प्रदेश में 44 सीटें हो सकती हैं और इनमें से 15 महिलाओं के लिए रहेंगी। नए समीकरणों के तहत अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मणिपुर, मेघालय, त्रिपुरा जैसे छोटे राज्यों की सीटें भी 2 से बढ़कर 3 हो सकती हैं। मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम में भी दो सीटें बढ़ सकती हैं।

फिलहाल इन राज्यों से एक ही सांसद चुना जाता है। ऐसे ही दिल्ली के सांसदों की संख्या 11 हो सकती है, जिनमें से 4 सीटें महिलाओं के लिए रहेंगी। जम्मू-कश्मीर में सीटों की संख्या 5 से बढ़कर 8 हो जाएगी और महिलाओं के लिए तीन सीटें रहेंगी।

सभी मंत्री, विधायक, चेयरमैन, सरपंच, पंच, एम.सी., जिला प्रधान और पार्टी वालंटियर इस पहुंच अभियान में लेंगे हिस्सा: अमन अरोड़ा

शेष पृष्ठ 3 पर

जिसका रिस्पॉन्स टाइम मात्र 4 से 5 मिनट है और इसने हजारों जानें बचाई हैं। खेती और सिंचाई के बारे में उन्होंने कहा कि नहर का पानी लाखों किसानों के खेतों के अंतिम छोर तक पहुँच गया है, जिससे 20 वर्षों का इंतजार खत्म हुआ है। केंद्र सरकार की ताजा रिपोर्ट के अनुसार कई ब्लॉकों में भूजल स्तर पाँच फीट तक बढ़ा है। किसानों को अब खेतों में रातें नहीं बितानी पड़तीं, क्योंकि पंजाब सरकार कृषि पंपों के लिए दिन में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है। उन्होंने वित्तीय प्रदर्शन और रोजगार के बारे में बताया कि आबकारी राजस्व 27,000 करोड़ रुपये से बढ़कर लगभग 57,000 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि जीएसटी संग्रह 12,000 करोड़ रुपये से दोगुना होकर 30,000 करोड़ रुपये से अधिक हो गया है। 65,000 से अधिक सरकारी नौकरियाँ पूरी तरह मेरिट के आधार पर दी गई हैं। जीवोके थर्मल प्लांट खरीदने से पंजाब को बड़ा राजस्व लाभ मिलेगा। वायदों को पूरा करने की प्रतिबद्धता दोहराते हुए उन्होंने कहा कि हम वह पार्टी हैं जो वादों से अधिक काम करती है। हमने सभी पाँच गारंटी पूरी की हैं। शहीद सैनिकों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये और हर घर को 300 यूनिट मुफ्त बिजली पहले साल में ही लागू कर दी गई थी। इस बजट में महिलाओं के लिए 1,000 रुपये प्रति माह और दलित माताओं-बहनों के लिए 1,500 रुपये का प्रावधान किया गया है। पारंपरिक पार्टियों से तुलना करते हुए अमन अरोड़ा ने कहा कि हम कांग्रेस, भाजपा या अकाली दल जैसे नहीं हैं, जो चुनाव से पहले झूठे वादे करते हैं और बाद में उन्हें पूरा नहीं करते। हम यहाँ चुनावी जुमले बनाने नहीं आए हैं, बल्कि ईमानदारी और विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। अंत में उन्होंने कहा कि हमें अरविंद केजरीवाल के मार्गदर्शन और भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में किए गए कामों पर पूरा भरोसा है। पंजाब के लोगों के लिए हमारा संदेश स्पष्ट है—यदि आप हमारे प्रयासों से संतुष्ट हैं तो हम आपका समर्थन चाहते हैं, और यदि नहीं, तो हम आपके फैसले का सम्मान करेंगे।

मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना पंजाबियों के लिए 10 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज का वरदान साबित हुई: डॉ. बलबीर सिंह

कौमी पत्रिका

पटियाला, 25 मार्च। पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा शुरू की गई 10 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की अनूठी योजना 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना' पंजाबियों के लिए वरदान साबित हो रही है। उन्होंने आज यहां स्वास्थ्य क्षेत्र में पिछले चार वर्षों की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए बताया कि इस योजना के तहत अब तक 1.60 लाख लोगों ने 191 करोड़ रुपये का मुफ्त इलाज करवाया है। डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि आज पंजाब के स्वास्थ्य मॉडल की देश के अन्य राज्यों में भी नकल होने लगी है। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी सरकार ने चार वर्षों में स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार को प्राथमिकता दी है, जिसके परिणाम सबके सामने हैं। उन्होंने कहा कि पटियाला के सरकारी राजिंदरा अस्पताल और माता कौशल्या अस्पताल के कायाकल्प से राज्य में स्वास्थ्य क्रांति की शुरुआत हुई और पिछले चार वर्षों में सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना के तहत 65 लाख परिवारों और 3 करोड़ लोगों के स्वास्थ्य कार्ड बनाए जाने हैं, जिनमें से अब तक 25 लाख कार्ड बनाए जा चुके हैं। उन्होंने लोगों से अपील की कि वे किसी बीमारी का इंतजार करने के बजाय पहले ही अपने स्वास्थ्य कार्ड बनवा लें। उन्होंने बताया कि राज्य में 9 नए मेडिकल कॉलेज बनाए जा रहे हैं, जिनमें फतेहगढ़ साहिब और ईएसआई लुधियाना पहले ही शुरू हो चुके हैं। इसके अलावा होशियारपुर, कपूरथला, संगरूर, शहीद भगत सिंह नगर, लहरागागा, मलेरकोटला और लुधियाना में बन रहे मेडिकल कॉलेजों में 600 नई एमबीबीएस सीटें जोड़ी जाएंगी। साथ ही मेडिकल शिक्षा विभाग में मानव संसाधन की कमी दूर करते हुए प्रोफेसरों को पदोन्नति दी गई है। डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि बुनियादी ढांचे को मजबूत करते हुए सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में 200 करोड़ रुपये के उपकरण खरीदे जा रहे हैं तथा राज्य के सभी जिलों में 50-50 बिस्तरों वाले 22

क्रिटिकल केयर ब्लॉक बनाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुफ्त दवाइयों के साथ-साथ डायग्नोस्टिक सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है। इस वर्ष सभी जिला अस्पतालों में एमआरआई, 8 अन्य अस्पतालों में सीटी स्कैन सुविधाएं शुरू की जाएंगी। इसके अलावा 250 बिस्तरों वाले 7 मातृ एवं शिशु अस्पताल शुरू किए जाएंगे और एक्स-रे व अल्ट्रासाउंड के लिए 200 से अधिक सूचीबद्ध निजी डायग्नोस्टिक केंद्र भी कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि 5 जिलों में एआई आधारित स्क्रीनिंग के तहत 9294 महिलाओं की जांच में 8 स्तन कैंसर और 43 सर्वाइकल कैंसर के मामले सामने आए, जबकि एआई आधारित आंखों की जांच में 1.07 लाख लोगों में से 21,660 में दृष्टि संबंधी समस्याएं पाई गईं। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 'युद्ध नशों के विरुद्ध' अभियान के तहत जहां नशों की मांग घटाकर सप्लाई चेन तोड़ी गई है, वहीं नशा पीड़ितों के मुफ्त इलाज के लिए मजबूत बुनियादी ढांचा भी उपलब्ध कराया गया है। साथ ही उनके कौशल विकास के लिए नई व्यवस्थाएं की गई हैं और जेलों में भी क्लीनिकों का विस्तार किया गया है। उन्होंने आगे बताया कि राज्य में 883 आम आदमी क्लीनिकों ने 5 करोड़ ओपीडी के माध्यम से 1.69 करोड़ लोगों का मुफ्त इलाज किया है। 'सीएम की योगशाला' परियोजना के तहत 8000 योग सत्रों से प्रतिदिन 2 लाख लोग लाभान्वित हो रहे हैं। इसके अलावा 948 जनरल डॉक्टर और 627 सुपर स्पेशलिस्ट डॉक्टरों की भर्ती की गई है, जो राज्य के इतिहास की सबसे बड़ी मेडिकल भर्ती है। डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि जल्द ही पटियाला, अमृतसर और फरीदकोट के सरकारी मेडिकल कॉलेजों में आईवीएफ तथा मोहाली में पीईटी स्कैन सुविधा शुरू की जाएगी। इसके साथ ही कोक्लियर इम्प्लांट, लिवर व किडनी ट्रांसप्लांट तथा दिल, दिमाग और रीढ़ की सर्जरी भी इन अस्पतालों में की जा रही है। उन्होंने बताया कि सरकारी राजिंदरा अस्पताल के सभी ऑपरेशन थियेटर आधुनिक मॉड्यूलर बनाए जा चुके हैं और यहां ट्रॉमा सेंटर भी बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य राज्य के 3 करोड़ लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है, ताकि सरकारी अस्पताल किसी भी निजी अस्पताल से कम न हों। डॉ. बलबीर सिंह ने बताया कि दिल के दौरे के मरीजों को समय पर इलाज देने के लिए 23 जिलों में 'मिशन अमृत स्टेमी' परियोजना शुरू की गई है। इसके तहत 29,000 लोगों को पंजीकृत किया गया और 800 मरीजों का आपातकालीन हृदय उपचार किया गया। उन्होंने बताया कि 'पंजाब स्ट्रोक परियोजना' के तहत एआई आधारित स्ट्रोक प्रबंधन प्रणाली शुरू की गई है, जिससे अब तक 100 मरीजों को लाभ मिला और 40 का उपचार किया गया। इसके अलावा टेली-मानस सेवा के तहत टोल-फ्री नंबर 14416 पर मानसिक स्वास्थ्य सहायता भी प्रदान की जा रही है

एमएएमसी में सीनियर रेजिडेंट पर जूनियर को प्रताड़ित करने का आरोप

नई दिल्ली। मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज(एमएएमसी) के रेजिडेंट डॉक्टरों के बीच लंच बिल के भुगतान को लेकर विवाद सामने आया है। पीजी फर्स्ट ईयर के रेजिडेंट ने सेकेंड और थर्ड ईयर के सीनियर रेजिडेंट के लंच बिल का भुगतान कराए जाने का आरोप लगाया है। रेजिडेंट डॉक्टर द्वारा साथ में बैठने से लेकर गलती होने पर मरीज के सामने प्रताड़ित करने की भी बात की गई है। इस संबंध में सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट भी वायरल है। 2023 में भी इस तरह का मामला सामने आया था। इस संबंध में एमएएमसी और संबद्ध अस्पताल की रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. नीरज आजाद यादव ने बयान जारी कर कहा है कि ऐसे कृत्य किसी भी परिस्थिति में बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे। आरडीए टीम ने विभिन्न विभागों के रेजिडेंट्स से संपर्क कर समस्याओं की पहचान करने और उनका समाधान करने का प्रयास किया है।

सुप्रीम कोर्ट द्वारा ईसाई धर्म अपनाने पर एससी लाभ मिलने पर लगाई गई रोक स्वागतयोग्य: दिल्ली गुरुद्वारा कमेटी

अदालती आदेशों के बाद धर्म परिवर्तन की घटनाओं पर रोक लगने की उम्मीद- कालका, काहलों

नई दिल्ली, 25 मार्च। दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा ईसाई धर्म अपनाने पर अनुसूचित जाति (एससी) की सुविधाएं मिलने पर लगाई गई रोक के फैसले का स्वागत किया है और कहा है कि इससे धर्म परिवर्तन, खासकर पंजाब में, रुकने में मदद मिलेगी। आज यहां मीडिया से बातचीत करते हुए कमेटी के अध्यक्ष सरदार हरमीत सिंह कालका और महासचिव सरदार जगदीप सिंह काहलों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला बहुत स्वागतयोग्य है कि अनुसूचित जातियों (एससी) की सुविधाएं केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म के लोगों को मिलेंगी और यदि कोई ईसाई बनता है तो वह एससी वर्ग को मिलने वाली सुविधाएं नहीं ले सकेगा। उन्होंने कहा कि पंजाब में लालच देकर लोगों का धर्म परिवर्तन कर उन्हें ईसाई बनाया जा रहा था और इस मुद्दे को दिल्ली

गुरुद्वारा कमेटी ने कई बार जोर-शोर से उठाया है। उन्होंने बताया कि करीब 2000 लोगों की सिख धर्म में वापसी भी करवाई गई है। उन्होंने कहा कि अब जब सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला आया है, तो पूरी उम्मीद है कि इससे धर्म परिवर्तन की मुहिम, खासकर पंजाब में, धीमी पड़ेगी और लोग समझेंगे कि यदि लालच में आकर ईसाई धर्म अपनाया तो वे एससी वर्ग की सुविधाओं से वंचित हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि एससी वर्ग के बच्चों को नौकरियों में आरक्षण, शिक्षा में आरक्षण और अन्य सुविधाएं मिलती हैं, जो ईसाई बनने पर नहीं मिलेंगी। उन्होंने केंद्र सरकार और राज्यों की सरकारों से अपील की कि सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश को सख्ती से लागू किया जाए ताकि धर्म परिवर्तन की मुहिम पर रोक लगाई जा सके।

NAME CHANGE
I Vikas S/O Chander Bhan, A-20, shiv park, nihal vihar, Nangloi Jat, PO: Nangloi, DIST: West Delhi, Delhi-110041 have changed my name to Vikas Aggarwal for all future purposes.

NAME CHANGE
I, hitherto known as SIDDHI D/O JAGDISH DUTT R/O BLOCK-A, H NO-209 KH. NO-17/8, GALI NO-3, ALPHONES SCHOOL, HARIT VIHAR, KAMAL PUR MAZRA, BURARI, BURARI, NORTH DELHI, DELHI-110084 have changed my name and shall hereafter be known as SIDDHI DUTT.

NAME CHANGE
I, S SAVITA APPASAHEB is a real mother of No 2809621N Rank HAV Name SALUNKHE PRADIP APPASAHEB presently residing VILL-HATNOLI, POST-HATNOLI, TEH-TASGAON, DIST-SANGLI, (MAHARASHTRA)-416314, have changed my name from S SAVITA APPASAHEB TO SAVITA APPASAHEB SALUNKHE and date of birth from 04/07/1974 to 01/06/1968 for all future purposes. Vide affidavit dated 02.03.2026 before Public Notary Delhi.

सार्वजनिक सूचना
सभी को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री द्वारका प्रसाद पुत्र हरि भजनपाल और श्रीमती यशोदा पत्नी द्वारका प्रसाद, दोनों निवासी प्लॉट संख्या C111A, खसरा संख्या 22/15, फेज 1, ई ब्लॉक, गली संख्या 29, भाई भाई रोड के पास, कुतुब विहार, छौल, दक्षिण पश्चिम दिल्ली, दिल्ली-110071 ने अपने पुत्र सूरज कुमार को अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है और मेरे मुवक्किलों ने उनके पुत्र सूरज कुमार के सभी रिश्तेदारों को उनके दुर्व्यवहार, कदाचार और बुरे रवैये के लिए नोटिस जारी किया है। यदि कोई भी मेरे मुवक्किल के पुत्र सूरज कुमार के साथ कोई गलत कार्य करता है, तो सूरज कुमार स्वयं इसके लिए उत्तरदायी होगा और मेरे मुवक्किल अपने पुत्र सूरज कुमार द्वारा किए गए किसी भी गलत कार्य के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे।

जय प्रकाश सिंह एडवोकेट
द्वारका जिला न्यायालय नई दिल्ली 75

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री अरविंदर जीत सिंह, पुत्र श्री हरचरण सिंह, संपत्ति संख्या F-112, क्षेत्रफल 33 वर्ग गज, रैक्ट संख्या 31, किला संख्या 14/2, 20/1 में स्थित, ग्राम ख्याला क्षेत्र, विष्णु गार्डन, नई दिल्ली की आबादी में, श्री सुखदेव सिंह पुत्र करनैल सिंह द्वारा निष्पादित दिनांक 08.12.1993 के नोटरीकृत जीपीए, एटीएस और वसीयत के आधार पर, उक्त संपत्ति श्रीमती रजनी कौर को बेची जा रही है, और इसका वित्तपोषण एसएमएफजी इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड द्वारा किया जाएगा। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी का उक्त संपत्ति में कोई प्रभार/हित/स्वामित्व है या किसी प्रकार का विवाद हे, तो कृपया वर्तमान सूचना के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में अधोहस्ताक्षरी को सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot No. 20, Kaushambi,
Ghaziabad-201010.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com.
Ph: 0120-4968888, 8130309204.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Neel Kamal** is purchasing the Second Floor (without roof right) (referred to as "said floor"),part of Plot No. 37, having land area measuring 100 sq. yds., pertaining to the Khasra No. 47/12/2 (3-19), 13 (4-10) (Old Khasra No. 219 (8-15), 2479/4436 (1-8), 2425 (2-15), 220(3-10)), situated in the revenue estate of village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi from Mr. Devendra Singh who is the owner of the abovementioned property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 10-07-2025 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

[ASHWANI KUMAR]
Advocate
Chamber No. 122,
Tehsil Compound,
Ghaziabad, U.P.
kumar2021ashwani@gmail.com

NAME CHANGE
I, SUREKHA is a real mother of No-JC463213W Rank-NB SUB Name-SHINDE SACHIN TANAJI at VILL-RANAND, POST -RANAND,TEH-MAN, DIST-SATARA presently residing (MAHARASHTRA)-415508, have changed my name from SUREKHA TO SUREKHA TANAJI SHINDE for all future purposes. Vide affidavit dated 02.03.2026 before Public Notary Delhi

NAME CHANGE
I, TANAJI is a real father of No-JC463213W Rank- NB SUB Name-SHINDE SACHIN TANAJI presently residing VILL RANAND, POST -RANAND,TEH- MAN, DIST- SATARA, (MAHARASHTRA)-415508, have changed my name from TANAJI TO TANAJI BANDU SHINDE for all future purposes. Vide affidavit dated 02.03.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SHITAL is legally wife of No. JC463213W Rank- NB SUB Name-SHINDE SACHIN TANAJI presently residing at VILL-RANAND, POST -RANAND,TEH-MAN, DIST-SATARA, (MAHARASHTRA)-415508, have changed my name from SHITAL TO SHINDE SHITAL SACHIN for all future purposes. Vide affidavit dated 02.03.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SALUKHE APPASAHEB RAMCHANDRA is a real father of No 2809621N Rank HAV Name SALUNKHE PRADIP APPASAHEB presently residing VILL-HATNOLI, POST-HATNOLI, TEH-TASGAON, DIST-SANGLI, (MAHARASHTRA)-416314, have changed my name from SALUKHE APPASAHEB RAMCHANDRA TO APPASAHEB RAMCHANDRA SALUNKHE and date of birth from 01/09/1966 to 01/06/1961 for all future purposes. Vide affidavit dated 02.03.2026 before Public Notary Delhi.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Sh. Bipin Singh** is the owner of piece of land area measuring 125.41 Sq. Mtrs., i.e. 150 Sq. Yds., out of the khasra No.9/2, bearing plot No.4, situated at Village-Johripur alias Jeevanpur, in the abadi of Jawahar Nagar, Johripur, Illaqa Shahdara, Delhi-110094 vide Sale Deed dated 24/04/2023 which is registered as (Doc No. 1265, vol no. 5611, pages 12-22, SR-IV, Delhi), and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Capital Ltd.** That the SMC of late Smt. Nirmal Varshney is not available. If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

NAME CHANGE
I, MEENU W/O NAVEEN GUPTA residing at C-15/6 GALI NO-7 SABJI MANDI MAUJPUR SEELAMPUR DELHI-110053 have changed my name to MEENU BINDAL for all future purposes.

NAME CHANGE
I Gurpreet Singh Hunjan S/0 - Sukhdev Singh, R/0 - G 64 Sant Nagar extension, near Tilak nagar, 110018 Changed my name to Gurpreet Singh

NAME CHANGE
I,hitherto known as RANBIR SINGH S/o JIWAN SINGH, R/o 92/17, Ground Floor, Zakir Nagar, Okhla, South Delhi, Delhi-110025 have changed my name and shall hereafter be known as MUKESH RANA.

NAME CHANGE
I, ILYAS KHAN S/O SAHAB KHAN residing at 810, PEMA ROAD WARD NO-02,PUNHANA, NUH MEWAT, HARYANA-122508 have changed my name to ILIYAS for all future purposes.

NAME CHANGE
I, SHER BI W/O KAMALUDDIN residing at 810, PEMA ROAD WARD NO-02, PUNHANA, NUH MEWAT, HARYANA-122508 have changed my name to SHERVI SAHRUNA for all future purposes.

PUBLIC NOTICE
NOTICE is hereby given to public at large that my client **Mr. Neel Kamal** is purchasing the Second Floor (without roof right) (referred to as "said floor"),part of Plot No. 37, having land area measuring 100 sq. yds., pertaining to the Khasra No. 47/12/2 (3-19), 13 (4-10) (Old Khasra No. 219 (8-15), 2479/4436 (1-8), 2425 (2-15), 220(3-10)), situated in the revenue estate of village Mehrauli, Tehsil Mehrauli, New Delhi from Mr. Devendra Singh who is the owner of the abovementioned property vide GPA, Agreement to Sale & WILL dated 10-07-2025 and Intend to mortgage the said property with **Aditya Birla Housing Finance Ltd.** If any person(s) has/have any objection(s) or claim(s) with respect to the right, title or interest in the said property may please contact us within 07 days from the date of this notice on the number & address mentioned herein below, failing which my client(s) shall not be held responsible in any manner whatsoever.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
Notice is hereby given by **Mr. Bittu Yadav** who is owner of land admeasuring 123 Sq. yards, out of Khata no. 170, Khasra no. 293Min., village Illahbans, Pargana & Tehsil Dadri, Distt. Gautam Budh Nagar- 201306. vide Sale Deed dated 05.06.2017 which is registered as Doc. No. 2547, Book no.1, vol. no. 5861, Page no. 31 to 66, on 05.06.2017, SRO- III- Noida) and will be taking financial assistance from **Godrej Finance Limited. That The Sale Deed dated 21.11.2015 executed by Mr. Lakhmichand in favour of Mr. Nawal Singh in respect of the Residential vacant Plot admeasuring 123 Sq. yards i.e. 102.84 Sq. meters, out of Khata no. 170, khasra no. 293Mi, as doc. no.3190, book no.1, vol. no. 4844, Page no.73 to 108, on 21.11.2015, SRO- III-Noida is/are lost/Misplaced.** Public is being warned not to deal with the said document. Any person dealing with the said document would do so at their own risk & responsibility. Owner shall not be liable in any manner whatsoever for any loss incurred by such person. If anybody found these document or notice any misuse of the above mentioned document, Concern person is required to communicate in writing to the undersigned at below address.

Khaitan & Khaitan
Plot No. 100 ,1st floor
Okhla Phase III, New Delhi
Ph. No: 011-49774545

PUBLIC NOTICE
Mr. Shailender Singh and Mrs. Rajni Devi Owner of the Residential Flat/Dwelling unit no. 367/GC-10 on 3rd Floor in Tower-I, , "GC-10/SANSKRITI VIHAR", situated at Plot No. GH-03, Sector-16C, Greater Noida, District Gautam Budh Nagar, U.P. Mr. Shailender Singh and Mrs. Rajni Devi have lost Original page no 13,14 of Sub Lease Deed duly registered as Sl. No. 10111 in Book No.1 Vol. No. 20260 at pages 221 to 262 on 23/04/2016 in the office of SR-Greater Noida, executed by GNIDA and M/s Gaursons Promoters Pvt. Ltd in favour of Mr. Shailender Singh and Mrs. Rajni Devi in which mentioned Schedule of flat and signature of witness and party , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage
M-NO- 7252922875

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

NAME CHANGE
I Kumari Aparna Shrivastava W/O Shivang Srivastava, R/o - B 9/22 LIG FLATS FIRST FLOOR, Rohini Sector 18, West Delhi, Delhi - 110089 have changed my name to Aparna Srivastava for all future purposes.

NAME CHANGE
I Jaismine Sudan W/O Parvinder Singh Sudan, R/o -181/182, 2nd Floor, Pocket-8, Sector 24, Rohini, Delhi 110085 have changed my name to Jasmine Sudan for all future purposes.

NAME CHANGE
I, P N VIDHYA LAKSHMI wife of NO-6497282K, Rank-HAV, Name-D REEGAN residing at VPO-MATHURTHIRUKKAI, TEHSIL-GINGEE, DISTT-VILLUPURAM, TAMIL NADU-605201, have changed my name from P N VIDHYA LAKSHMI to VIDHYALAKSHMI P N for all future purposes vide Affidavit dated 25/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I Pooja d/o Pan Singh R/o H-90B, Kunwar Singh Nagar, Nangloi, Delhi - 110041 have changed my name to Pooja Sharma for all future purposes.

NAME CHANGE
I, Nazish Khan w/o Sahil yunusbhai aarbiyani. R/o OPH3, ADITYA MEGA CITY, VAIBHAV KHAND, INDRAPURAM, GHAZIABAD, UTTAR PRADESH 201014 Have changed my minor name zara to zara aarbiyani all future purposes.

NAME CHANGE
I, RAMITA PR wife of JC-780721F, Rank-SUB, Name-AJI S G residing at VILL & PO-AMBALAVAYAL, TEHSIL-SULTHAN BATHERY, DISTT-WAYANAD, KERLA-673592, have changed my name from RAMITA PR to RAMITHA P R for all future purposes vide Affidavit dated 25/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE
I, MANOJ VATS S/O BALESHWAR DYAL VATS residing at B10/123D, UDAIGIRI-2, SECTOR-34, NOIDA, GAUTAM BUDDHA NAGAR, UTTAR PRADESH-201307 have changed my name to MANOJ KUMAR VATS for all future purpose.

NAME CHANGE
I, MITHUN JATAV S/O MULAYAM SINGH residing at H NO-1940, PILLANJI, KOTLA, MUBARAKPUR, LODHI ROAD, DELHI-110003 have changed my name to MITHUN SINGH for all future purpose.

NAME CHANGE
I GITABAHEN legally wife of Army No 2803522P, Rank -Hav Name - Makawana Anvarsinh Jalusinh, At - Gadhada , Post - Agood, Tes -Vijapur, Dist - Mahesana, State - Gujart, Pin - 382870 have changed my name from GITABAHEN to MAKWANA GITABEN ANVARSINH for all future purposes. Vide affidavit dated 25/03/2026 before Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, SUMITRA BAI Wife of No-4583295Y Rank-NK Name-KALU SINGH Presently residing at VILL-JIRWAI, PO- DEVGURADIYA, TEH-TONKKHURD, DIST-DEWAS, MADHYA PRADESH-455118, have changed my name from SUMITRA BAI to SUMITRA PRAJAPATI for all future purposes vide Affidavit dated 25/03/2026 before Notary Public, Delhi.

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Vivek Kumar S/o Mr. Padam Singh is the owner of Freehold Residential House No. 2957-A, LIG/FF/ area measuring 14.81 sq. yds., Situated at Sector - 3, Housing Board Colony, Ballabgarh, Tehsil Ballabgarh, Distt. Faridabad, Haryana. by virtue of Transfer Deed dated 30.09.2014 duly registered in the office of SR Ballabgarh, as Doc No. 7297, Book No. 01, dated 30.09.2014., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. (1) Original HPTA dated 20.02.1998 issued by The Housing Board Haryana in favour of Mr. Suresh Kumar Sharma & (2) Original Conveyance Deed dated 01.07.2004 executed by The Housing Board Haryana in favour of Mrs. Sangeeta D/o Mr. Padam Singh, duly registered in the office of SR Ballabgarh, as Doc No. 1996, Book No. 01, dated 01.07.2004., in now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same property Sold too be Mrs. Madhu and same has been financed by Tata Capital Housing Finance Limited Branch: FF Sco-04, Sector-16 (Near HDFC Bank) Faridabad Haryana. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE
I GOURAV S/O KRISHAN TYAGI R/O H.NO - 398 GALI NO 12 NEAR HARI MANDIR VIJAY NAGAR BALLABGARH FARIDABAD HARYANA 121004 have changed my name to GOURAV TYAGI Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I PAYAL D/O SWAPON KUMAR MALAKAR R/O H.NO 263 GALI NO -7 MANDOLI EXTENSION MANDOLI DELHI-110093 have changed my name to PAYAL MALAKAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I SWAPAN KUMAR & SWAPN KUMAR S/O SUBHASH CHANDRA MALAKAR R/O H.NO 263 GALI NO 7 MANDOLI EXTENSION MANDOLI DELHI -110093 have changed my name to SWAPON KUMAR MALAKAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I BEUTY & BEAUTY W/O SWAPON KUMAR MALAKAR R/O H.NO 263 GALI NO -7 MANDOLI EXTENSION MANDOLI DELHI -110093 have changed my name to BEAUTY Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I JAG MOHAN S/O RAM KUMAR R/O, C-35 HARI ENCLAVE -1, KIRARI SULEMAN NAGAR DELHI-110086 have changed my name to JUG MOHAN Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE
I SANJAY BHAGWAN S/O MAHESH KUMAR R/O PLOT NO 64 FIRST FLOOR POCKET -B DWARKADHISH ENCLAVE SECTOR 26 ROHINI SAHIBABAD DAULAT PUR DELHI -110042 have changed my name to SANJAY BHAGWANI Permanently for all Future purpose

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client Mr. Anil Kumar S/o Mr. Richhpal Singh is the owner of Freehold Residential Vacant Plot area measuring 122.78 Sq. Yds. i.e. 102.66 Sq. Mtrs. Part of Khasra No.660 Situated at Village Salempur Jaat, Pargana and Tehsil Sikandrabad, District Bulanshahar, U.P.. by virtue of Gift Deed dated 22.03.2023 Vide Doc No.2681, Book No.1, Volume No.10647, on Page Nos.53-68, Registered on 22.03.2023, in S.R-Sikandrabad, Bulanshahar., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. Death Certificate & SMC of Late Mr. Richhpal Singh had expired. in now our client is declaring that that any other person does not have any right over the said property, and same has been financed by SMFG India Home Finance Company Limited Branch: Noida Uttar Pradesh. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

PUBLIC NOTICE
Information is given to general public at large that our client 1. Mr. Raj Kumar Chauhan 2. Mr. Vikram Singh Chauhan 3. Mr. Bhawani Singh Chauhan is the absolute owner of Freehold Residential Built-up Property bearing no. RZ-73, with roof rights, area measuring 80 sq. yds., out of Khasra no. 23, Situated in the revenue estate of village Bindapur Delhi State Delhi Colony Known as Subhash Park Extn-II, Uttam Nagar, New Delhi-110059. by virtue, Relinquishment Deed dated 12.08.2025 Vide Doc. No. 2025/25/I/23150, Book No. 1, Vol. No. 15656, Page No. 49-58, dated 13.08.2025, SR West Janakpuri., in the chain documents below mentioned documents not available i.e. SMC of Late Mr. Man Singh Chauhan & SMC of late Mrs. Kiran Chauhan W/o Mr. Man Singh Chauhan now our client is declaring that that any other Person does not have any right over the said property, and same property sold too be Mrs. Lalita Devi and same has been finance by Piramal Finance Ltd. Branch: Jhandewalan, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the' right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NOTICE
Public at large is hereby informed that my client Mr. Neeraj Goyal is the owner of Shop is a single-story building with a roof, facing west, located at Municipal Number Old 66, New 9-1/15, area measuring 26.50 sq. yds., situated at Mohalla Old Bajar Hapur, Pargana and Tehsil Hapur, District Ghaziabad, Initially, Sale Deed dated 21.10.1980 executed by Mr. Virender Kumar and Mrs. Chamali Devi in favour of Mr. Lala Fakir Chand in respect of the entire property. Who died on 02.05.2000 leaving behind his legal heirs namely Mr. Pradeep Aggarwal, Mrs. Sarla Devi, Mrs. Sushma Gupta, Mrs. Manju Singhal, Mrs. Anju Aggarwal, Mrs. Suman Aggarwal, Mrs. Usha Aggarwal and Mr. Mohan Aggarwal. Later Partition Deed executed between by Mr. Pradeep Aggarwal, Mrs. Sarla Devi, Mrs. Sushma Gupta, Mrs. Manju Singhal, Mrs. Anju Aggarwal, Mrs. Suman Aggarwal, Mrs. Usha Aggarwal and Mr. Mohan Aggarwal in respect of the entire property, Finally, Sale Deed dated 11.08.2011 executed by Mr. Mohan Aggarwal in favour of Mr. Neeraj Goyal in respect of the said property, duly regd. as Document No. 11839, Book No. 1, Volume No. 7457, Page No. 383-414, on dated 11.08.2011, at SRO- Hapur. Now our above mentioned clients intends to mortgage the said immovable property for his bonafide requirements to Cholamandalam Investment and Finance Company Ltd. Whosoever is having any objection to the said mortgage or anyone has claim or right or interest in the property shall contact the undersigned with the objection within 07 days failing which it shall be presumed that there stands no objections.

NEW DELHI
DATE: 25/3/2025

PRAGYA BHUSHAN ADVOCATE
Enrl. No. D/721/02
Office: L-27,GF, Kailash Colony, New Delhi-48
Mob.: 9968006418

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्‌घोषणा
धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी विक्की सचदेवा, पुत्रः बनारसी लाल सचदेवा, पताः** बी-63, प्रथम तल, शालीमार गार्डन, साहिबाबाद, गाजियाबाद, **उत्तर प्रदेश FIR No. 333/2016, U/s: 379/356/411/34 IPC, पुलिस थानाः हरी नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विक्की सचदेवा,** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **विक्की सचदेवा,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्‌घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **विक्की सचदेवा, FIR No. 333/2016, U/s: 379/356/411/34 IPC, पुलिस थानाः हरी नगर, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.04.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
मोक्षा बैंस
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी-द्वितीय (पश्चिम)
कमरा नं. 31
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/3870/WD/2026
(Court Matter)

सार्वजनिक सूचना
यह सूचित किया जाता है कि मैं, श्रीमती ज्योति मेहतानी, ने संपत्ति संख्या 24C, न्यू सेंट्रल मार्केट (शंकर मार्केट), कनॉट प्लेस, नई दिल्ली-110001 से संबंधित मूल लीज डीड / स्वामित्व अधिकार पत्र खो दिया/गुम कर दिया है। मैं उक्त संपत्ति के संबंध में डुप्लीकेट दस्तावेज जारी कराने एवं/या अपने नाम पर म्यूटेशन हेतु L&DO/NDMC के समक्ष आवेदन करने का इरादा रखती हूं। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति या दस्तावेज के संबंध में कोई आपत्ति/दावा हो, तो वह अपने सहायक दस्तावेजों सहित इस सूचना के प्रकाशन की तिथि से 30 दिनों के भीतर रूछह/छछह को पंजीकृत डाक द्वारा, कार्यालय में उपस्थित होकर या ईमेल soestateii@ndmc.gov.in के माध्यम से सूचित कर सकता है, अन्यथा इसके पश्चात किसी भी दावे पर विचार नहीं किया जाएगा।

नामः श्रीमती ज्योति मेहतानी
पताः फ्लैट नंबर 24, शंकर मार्केट,
कनॉट प्लेस, दिल्ली-110001
फोन नंबरः 9810244171

NAME CHANGE
I,JASWANT S/O PATRAM R/O ABDULLA NAGAR (136), DHARSON, MAHENDERGARH, HARYANA-123001, HAVE CHANGED MY NAME TO JASWANT SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

DATE OF BIRTH CHANGE
I, No. GS197020K Rank-PNR, Name-SUGRIVA SINGH YADAV RJ VPO-PATAKANIA, DISTT-GHAZIPUR, THANA -SUHWAL, TEHSIL-ZAMANIA, BLOCK-REOTIPUR PIN 232332, have changed my daughter's date of birth from 17/02/2021 to 17/09/2021 for all future purposes. Vide affidavit dated 20.03.2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE
I, AMBALIKA is legally Wife of No. GS-18211911 Rank- UDC Name-MANOJ KUMAR THAKUR who is presently serving with HO DGBR, SEEMA SADAK BHAWAN RING ROAD DELHI CANTT, NEW DELHI-110010 have changed my name from AMBALIKA to AMBALIKA THAKUR for all future purposes. Vide affidavit dated 20.03.2026 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, AMBUJ KUMAR is legally son of No. GS-182119H Rank-UDC Name- MANOJ KUMAR THAKUR who is presently serving with HQ DGBR, SEEMA SADAK BHAWAN RING ROAD DELHI CANTT, NEW DELHI-110010, have changed my name from AMBUJ KUMAR TO AMBUJ KUMAR THAKUR for all future purposes. Vide affidavit dated 20.03.2026 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
I, ANNU KUMARI is legally daughter of No. GS-18211911 Rank-UDC Name MANOJ KUMAR THAKUR who is presently serving with H? DGBR, SEEMA SADAK BHAWAN RING ROAD DELHI CANTT, NEW DELHI-110010 have changed my name from ANNU KUMARI TO ANNU THAKUR for all future purposes. Vide affidavit dated 20.03.2026 before Sub Divisional Magistrate Delhi.

NAME CHANGE
It is general information that I, YOGESH BUDHIRAJA son of Shri Kailash Chander Resident of 57, C2A Block, Pocket-15, Janak Puri, New Delhi -110058, declare that name of mine has been wrongly written as "BHUDDHIRAJA YOGESH KAILASHCHANDRA" in my 10th and 12th Class Educational documents, and the name of mine has been wrongly written as "YOGESH BHUDDHI RAJA" in my University documents. The actual name of mine is YOGESH BUDHIRAJA which may be amended accordingly.

कौमी पत्रिका
संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर
स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002
फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address :
qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

हरियाणा में कक्षा-प्रथम में प्रवेश की न्यूनतम आयु छह वर्ष हुई

चंडीगढ़। मंत्रिमंडल बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के अनुपालन में हरियाणा विद्यालय शिक्षा नियम 2003 में संशोधन को मंजूरी दी गई। नए नियमों के अनुसार, अब कक्षा-प्रथम में प्रवेश के लिए न्यूनतम आयु 6 वर्ष निर्धारित की गई है, जबकि पहले यह 5 वर्ष थी। यह संशोधन हरियाणा विद्यालय शिक्षा (संशोधन) नियम 2026 के तहत लागू होगा और कार्यालय राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से प्रभावी होगा। एनईपी 2020 के अनुसार, देश भर में प्रवेश की आयु में एकरूपता सुनिश्चित करना आवश्यक है। शिक्षा विभाग ने 29 मार्च, 2024 को सभी जिला और ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों, प्रधानाचार्यों और विद्यालय प्रमुखों को नए प्रवेश आयु निर्देश जारी कर दिए हैं। इससे हरियाणा के सरकारी और निजी विद्यालयों में कक्षा-प्रथम प्रवेश प्रक्रिया राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप होगी।

हरियाणा कैबिनेट ने खाद्य सुरक्षा और औषधि नियमों में किया संशोधन

चंडीगढ़। हरियाणा कैबिनेट ने हरियाणा खाद्य एवं औषधि प्रशासन विभाग, अधीनस्थ कार्यालय (ग्रुप-बी) सेवा नियम, 2018 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। यह कदम राज्य के नियमों को भारत सरकार द्वारा जारी नवीनतम केंद्रीय दिशानिर्देशों के अनुरूप बनाने और खाद्य सुरक्षा तथा औषधि प्रशासन की कार्यप्रणाली को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से उठाया गया है। संशोधन विशेष रूप से पदनामित अधिकारी, खाद्य सुरक्षा अधिकारी और खाद्य विश्लेषक जैसे महत्वपूर्ण पदों के लिए आवश्यक शैक्षिक योग्यता और पेशेवर अनुभव को अपडेट करता है। यह सुनिश्चित करेगा कि इन पदों पर नियुक्त कर्मी अद्यतन तकनीकी विशेषज्ञता और समकालीन मानकों के अनुरूप दक्षता रखते हों। केंद्र सरकार के 'खाद्य सुरक्षा और मानक नियम, 2011' में किए गए बदलावों के बाद यह संशोधन जरूरी हो गया था। इससे राज्य में भर्ती, पदोन्नति और सेवा नियम राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित मानकों के अनुरूप होंगे।

हरियाणा में 12 प्रतिशत तक बढ़ी किफायती आवास की कीमतें

चंडीगढ़। हरियाणा में किफायती आवास नीति-2013 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। यह निर्णय चंडीगढ़ में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में लिया गया। कैबिनेट ने हरियाणा शहरी क्षेत्र विकास एवं विनियमन अधिनियम, 1975 की धारा 9ए के तहत यह बदलाव किया है। संशोधन का उद्देश्य किफायती आवास परियोजनाओं को प्रोत्साहन देना और लक्षित लाभार्थियों तक सही दर पर घर पहुंचाना है। कैबिनेट ने उद्योग संगठनों और डेवलपर्स से प्राप्त अनुरोधों का ध्यान रखते हुए यह कदम उठाया। हरियाणा में एजीएच (अफोर्डेबल ग्रुप हाउसिंग) परियोजनाओं के तहत अब अपार्टमेंट यूनिट्स की आवंटन दरों में औसतन 10 से 12 प्रतिशत तक वृद्धि की है। गुरुग्राम में अब 5575 रुपये प्रति वर्गगज की दरें तय की हैं। वहीं बाल्कानी के लिए अतिरिक्त 1300 रुपये वर्ग फुट (अधिकतम 1 लाख 30 हजार) देने होंगे। फरीदाबाद व सोहना में यह दर 5 हजार 450 रुपये प्रति वर्ग फुट होगी। बाल्कानी की दरें सभी शहरों में एक समान रहेंगी। इसी तरह से प्रदेश के अन्य हाई और मीडियम पोटेंशियल शहरों में अफोर्डेबल फ्लैट्स के लिए अब उपभोक्ताओं को 5 हजार 50 रुपये प्रति वर्ग फुट के हिसाब से पैसा देना होगा। वहीं लो-पोटेंशियल शहरों के लिए 4 हजार 250 रुपये प्रति वर्ग फुट की दरें तय की हैं। यह दरें उन सभी लाइसेंसों पर लागू होंगी जिनमें अभी तक आवंटन नहीं हुआ है। जिन मामलों में आवेदन आमंत्रित किए जा चुके हैं, वहां संशोधित दर के अनुसार अंतर राशि सफल आवेदकों से वसूली जाएगी, लेकिन ड्रा पुराने आवेदन के आधार पर ही आयोजित किया जाएगा।

हरियाणा कैबिनेटः अनुदान के लिए अब एक जैसा उपयोगिता प्रमाण पत्र होगा

चंडीगढ़। हरियाणा कैबिनेट ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में वित्तीय दस्तावेजों और प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए यूज़िंग ऑफ फंड्स के लिए मानक उपयोगिता प्रमाण पत्र (यूसी) का नया प्रारूप लागू करने को मंजूरी दी। अब सरकारी अनुदान प्राप्त करने वाले सभी संस्थान, स्थानीय निकाय, बोर्ड, निगम और सहकारी समितियां यह सुनिश्चित करेंगी कि निधि का उपयोग निर्धारित उद्देश्य के लिए ही हुआ। पहले अलग-अलग संस्थाओं में प्रमाण पत्र के प्रारूप में भिन्नता होती थी, जिससे रिपोर्टिंग और जवाबदेही में चुनौती आती थी। नए मानकीकृत प्रारूप के तहत यह एकरूपता सुनिश्चित होगी। संशोधित नियमों के तहत अनुदान स्वीकृत या जारी करने वाले अधिकारी को यह प्रमाणित करना होगा कि सभी शर्तें पूरी हुई हैं। उपयोगिता प्रमाण पत्र प्रधान महालेखाकार के साथ सहमति से निर्धारित अंतराल पर जमा किया जाएगा। इसमें अभिलेखों का रखरखाव, सहायक दस्तावेजों की प्रस्तुति और लेखा परीक्षा जैसी प्रक्रियाओं को अनिवार्य किया गया है। इससे हरियाणा में सार्वजनिक धन के सही और पारदर्शी उपयोग को बढ़ावा मिलेगा।

> संशोधित नियमों के तहत अनुदान स्वीकृत या जारी करने वाले अधिकारी को यह प्रमाणित करना होगा कि सभी शर्तें पूरी हुई हैं।

गैस सप्लाई में विश्व स्तर पर आ रही समस्याः मुख्यमंत्री नायब सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में मंत्रिमण्डल की बैठक आयोजित हुई। लगभग 6 घंटे चली बैठक में कुल 31 एजेंडे रखे गए जिनमें से 18 एजेंडों को मंजूरी प्रदान की गई। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि कर्मचारियों को ऋण देने के मामले में कठिनाई आ रही थी। उनके समक्ष आने वाली समस्याओं को ध्यान में रखते हुए दोबारा से एजी के माध्यम से ऋण मुहैया करवाने का प्रावधान किया गया है। गैस सप्लाई को लेकर आ रही समस्या के संदर्भ में पूछे गए सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि मिडल ईस्ट में चल रहे युद्ध के कारण पूरे विश्व में यह समस्या आ रही है। इस समस्या से पूरी दूनिया प्रभावित हो रही है। इसलिए सरकार ने यह निर्णय लिया है कि एलपीजी के स्थान पर पीएनजी के कनैक्शन

उपयोग में लाए जाए। वर्तमान में राज्य में 5 लाख पीएनजी कनैक्शन धारक हैं। लेकिन 2 लाख के करीब उपभोक्ता इसका उपयोग नहीं कर रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि विपक्ष कोरोना काल में भी दुष्प्रचार करता रहा। विश्व स्तर पर आई समस्या से निजात पाने के लिए सहयोग की भावना से कार्य करना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा लोगों को पीएनजी से जोड़ने के लिए प्रेरित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य में गैस की कालाबाजारी रोकने के लिए सख्त कार्यवाई की जा रही है। इसके अलावा सोलर चुल्हा, इलेक्ट्रिक प्लेट व चुल्हा आदि को वैकल्पिक उपयोग के तौर पर इस्तेमाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि 10 कंपनियों द्वारा पीएनजी सप्लाई दी जा रही है। रॉ मैटेरियल के कारण पाईप लाईन बिछाने की समस्या आ रही थी लेकिन अब सरकार ने निर्देश जारी किए हैं इसे डीम्ड परमिशन मानते हुए कार्य को आगे बढाया जाए ताकि पीएनजी सप्लाई बढाई जा सके। बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव अरुण गुप्ता, एडीआईपीआर वर्षा खांगवाल, मीडिया सलाहकार प्रवीन आत्रेय भी मौजूद रहे।

पंजाब में बुजुर्ग पेंशन के लिए तरस रहे

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब में बुजुर्ग पैंशन को तरस रहे हैं। सरकार ने 2500 रुपए देने का वादा किया लेकिन 1500 भी नहीं दिए जा रहे है। महिलाओं को भी 1100 रुपए देने की बात कही लेकिन अब तक पंजीकरण भी नहीं किया जा रहा। आप सरकार वोट से पहले महिलाओं के खाते में यह राशि भेजकर वोट हथियाने का काम करेगी। एमएसपी पर किसानों की फसलें नहीं खरीदी जा रही है। उन्होंने कहा कि आप सरकार ने केवल अपनी सेवा की, जनता की सेवा नहीं की। इसलिए दिल्ली में पूर्ण रूप से सफाया हुआ और अब पंजाब में भी सफाया तय है।

हरियाणा ट्रेजरी नियमों के तहत लास्ट पे सर्टिफिकेट के प्रारूप में संशोधन

एजेंसी

चंडीगढ़ । मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा ट्रेजरी नियम, वॉल्यूम-II के नियम 4.176 के अंतर्गत निर्धारित लास्ट पे सर्टिफिकेट के प्रारूप में संशोधन को मंजूरी प्रदान की गई है। बैठक में यह फैसला लिया गया। यह नियम हरियाणा राज्य में लागू है। यह निर्णय सरकारी कर्मचारियों से संबंधित वित्तीय अभिलेखों की प्रणाली को आधुनिक एवं अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से लिया गया है। इसका उपयोग विशेष रूप से किसी सरकारी कर्मचारी का एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में स्थानांतरण के समय होता है। लास्ट पे सर्टिफिकेट एक महत्वपूर्ण दस्तावेज होता है, जिसमें कर्मचारी के वेतन, भत्तों, कटौतियों, ऋणों एवं अग्रिमों से संबंधित विस्तृत जानकारी होती है, जिससे विभागों के बीच वित्तीय प्रक्रिया का सुचारू संचालन सुनिश्चित होता है। वित्त विभाग के स्वीकृति के अनुसार लास्ट पे सर्टिफिकेट के संशोधित प्रारूप में हालिया प्रशासनिक एवं वित्तीय सुधारों के अनुरूप कई नए प्रावधान शामिल किए गए हैं। नए प्रारूप में विशेष रूप से यूनिक कोड

> *यह नियम हरियाणा राज्य में लागू है। यह निर्णय सरकारी कर्मचारियों से संबंधित वित्तीय अभिलेखों की प्रणाली को आधुनिक एवं अधिक सुदृढ़ बनाने के उद्देश्य से लिया गया है।*

पेयी तथा स्थायी सेवानिवृत्ति खाता नंबर को शामिल करने का प्रावधान किया गया है, जो हाल के वर्षों में कर्मचारी के वित्तीय अभिलेखों का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुके हैं। इसके अतिरिक्त, सेवा की पूरी अवधि के सत्यापन से संबंधित एक नया कॉलम भी जोड़ा गया है, जिससे पारदर्शिता और जवाबदेही को बढ़ावा मिलेगा।

हरियाणा में न्यायिक सेवाओं के लिए बदले भर्ती नियम

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा कैबिनेट ने हरियाणा सुपीरियर न्यायिक सेवा नियम, 2007 में संशोधन को मंजूरी दे दी है। कैबिनेट ने पंजाब न्यायालय अधिनियम, 1918 की धारा 30 में भी संशोधन को मंजूरी दी है। यह कदम सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और ऐतिहासिक फैसलों के बाद उठाया गया है। संशोधन का मकसद न्यायिक भर्ती और सेवा शर्तों में पारदर्शिता, निष्पक्षता और दक्षता बढ़ाना है। इस संशोधन से भर्ती प्रक्रिया में बड़े बदलाव आएंगे। यहां सीएम नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई कैबिनट मीटिंग में प्रमोशन के लिए मेरिट-कम-सीनियरिटी कोटा को 65 प्रतिशत से घटाकर 50 प्रतिशत किया गया। वहीं लिमिटेड प्रतियोगी परीक्षा (एलसीई) के तहत भर्ती का हिस्सा 10 प्रतिशत से बढ़ाकर 25 प्रतिशत किया गया। बाकी 25 प्रतिशत पद सीधी भर्ती के जरिए भरे जाएंगे। अब उम्मीदवारों में बार के वकील के साथ-साथ सबऑर्डिनेट न्यायिक सेवा के योग्य अधिकारी भी शामिल होंगे। इन बदलावों से न्यायिक अधिकारी बनने के मौके बढ़ेंगे और योग्य उम्मीदवारों के लिए भर्ती प्रक्रिया और अधिक समावेशी होगी। कैबिनेट ने अनुभव, आयु और योग्यता से जुड़े नियमों को भी आसान और समान बनाया है। अलग-अलग भर्ती चैनलों से आने वाले उम्मीदवारों के लिए सेवा से जुड़े प्रावधान अब स्पष्ट हैं। वरिष्ठता और रोस्टर प्रबंधन के नियमों में बदलाव किया गया, ताकि निष्पक्षता बनी रहे। भर्ती अलग-अलग सालों में होने पर वरिष्ठता तय करने के साफ-सुथरे नियम लागू होंगे।

पानीपत की सड़कों पर जल्द ही संचालित होती दिखाई देगी पिंक ऑटो प्रशिक्षित महिलाएं : उपायुक्त

एजेंसी

पानीपत। जिला सड़क सुरक्षा वाहन पॉलिसी की बैठक जिला सचिवालय सभागार में हुई। बैठक में उपायुक्त डॉ. वीरेन्द्र कुमार दहिया ने कहा कि शहर के विकास को लेकर प्रशासन पूरी तरह गंभीर है। जो अधिकारी कार्य में रूचि नहीं लेंगे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बैठक में उपायुक्त ने इसराना फ्लाई आवर के पास जमा पानी का निदान करने को लेकर अधिकारियों को जायजा लेने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त ने कहा कि जल्द ही शहर की सडक़ों पर पिंक ऑटो प्रशिक्षित महिलाएं द्वारा संचालित होती दिखाई देंगी। आमजन की सुविधा के लिए हर जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि रेस्ट हाउस तक की सडक़ के विस्तार का कार्य एक सप्ताह के भीतर हर हाल में पूरा किया जाए, ताकि यातायात व्यवस्था सुचारू हो सके। जिला सडक़ सुरक्षा समिति एवं सुरक्षित स्कूल वाहन पॉलिसी को लेकर आयोजित बैठक में अन्य कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सडक़ हादसों के आंकड़ों की समीक्षा, एनएच-44 पर कैमरे लगाने, सडक़ प्लाजा पर विजिबिलिटी की समस्या, इसराना में सर्विस रोड की खराब स्थिति और स्ट्रीट लाइट्स

चौड़ीकरण और आरसीसी बैरियर लगाने जैसे विषय प्रमुख रूप से शामिल रहे। इस अवसर पर पिछली बैठक के कार्यों की समीक्षा भी की गई और संबंधित अधिकारियों को लंबित कार्यों को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान टोल के बंद होने जैसे कार्यों पर और ध्यान देने के निर्देश दिए गए। उपायुक्त डॉ दहिया ने कहा कि डाहर टोल पर आवश्यक सुविधाओं पर ध्यान देना होगा। टोल अधिकारियों पर काम में देरी पर और सख्ती बरतने के भी उपायुक्त ने आदेश दिए।

मोदी और नायब सरकार के लिए नागरिकों के हित सर्वोपरि : मोहनलाल बड़ौली

एजेंसी

जींद। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने कहा है कि सफीदों विधानसभा में चार अप्रैल को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की विशाल रैली होगी। इस रैली में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी विभिन्न विकास परियोजनाओं का शिलान्यास एवं उद्घाटन करेंगे और क्षेत्र को कई महत्वपूर्ण सौगातें भी देंगे। यह रैली इलाके के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली पिल्लूखेड़ा मंडी में पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इससे पहले उन्होंने सफीदों हलके में विभिन्न सामाजिक कार्यक्रमो में भी शामिल हुए। मोहन लाल बड़ौली ने अंतरराष्ट्रीय परिस्थितयों और खाड़ी देशों में बनी युद्ध जैसी स्थिति पर चर्चा करते हुए कहा कि इस वैश्विक संकट के बीच देश की ऊर्जा सुरक्षा मोदी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। बड़ौली ने कहा कि प्रदेश में गैस सुचारू रूप

से उपभोक्ताओं को मिल रही है। पीएम मोदी ने संसद में देशवासियों खासकर किसानों को भी आश्वस्त किया है कि किसी भी तरह की परेशानियां नहीं आने दी जाएगी। मोदी सरकार वैश्विक शांति और अपने नागरिकों की सुरक्षा के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में भाजपा सरकार हरियाणा के समग्र विकास के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी जो संकल्प लेती है उसे संकल्पित होकर पूरा करती है। नायब सैनी सरकार प्रदेश को विकास की नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध होकर कार्य कर रही है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने कहा कि हरियाणा की नायब सैनी सरकार पारदर्शिता से काम कर रही है। हरियाणा देश का ऐसा पहला राज्य है जहां किसानों की 24 फसलों को एमएसपी पर खरीदा जा रहा है। युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के मैरिट के आधार पर सरकारी नौकरियां मिल रही है। उन्होंने कहा कि गरीब, महिलाएं, युवा और किसानों को समृद्ध और सशक्त करना भाजपा सरकार का संकल्प है। बड़ौली ने कहा कि चार अप्रैल को होने वाली मुख्यमंत्री नायब सैनी की रैली इस क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक रैली साबित होगी।

एलजीपी सिलेंडर की कालाबाजारी पर सरकार सख्त, अब तक 825 सिलेंडर किए जब्त

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले राज्य मंत्री राजेश नागर ने बताया कि एलपीजी सिलेंडर से जुड़ी कोई भी अनियमितता सामने आती है तो उस पर तुरंत कार्रवाई की जा रही है। चंडीगढ़ में नागर ने बताया कि हरियाणा में एलपीजी सिलेंडर की कालाबाजारी और अवैध उपयोग के खिलाफ सरकार ने सख्त कार्रवाई करते हुए अब तक 8 एफआईआर दर्ज की हैं, 52 आरोपितों की संलिप्तता पाई गई और 825 सिलेंडर जब्त किए गए हैं। मंत्री राजेश नागर ने बताया कि राज्य में पेट्रोल, डीजल एवं घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की आपूर्ति पूरी तरह से सामान्य है। जो शरारती एवं षड्यंत्रकारी तत्व अफवाह फैला रहे हैं, सरकार उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि जब्त किए कुल 825 घरेलू एलपीजी में झज्जर जिले से 131, महेंद्रगढ़ जिले से 109, अंबाला से 86, भिवानी से 21, फरीदाबाद से 2, फतेहाबाद से 71, गुरुग्राम से 75, हिसार से 39, जींद से 17, कैथल से 10, करनाल से 44, कुरुक्षेत्र से 21, नूंह से 16, पानीपत से 23, रेवाड़ी से 21, रोहतक से 98, सिरसा से 12, सोनीपत से 12 और यमुनानगर से 17 एलपीजी सिलेंडर जब्त किये जा चुके हैं। अभी तक फरीदाबाद में 7 और सोनीपत में एक एफआईआर दर्ज की गई है। इसके अलावा तीन वाहन भी पकड़े गए हैं। राज्य भर में आयल मार्केटिंग कंपनियों द्वारा पिछले 6 दिनों में 14.2 किलो के कुल 61034 घरेलू गैस सिलेंडरों की सप्लाई की गई है। वर्तमान में राज्य भर में बॉटलिंग प्लांट्स पर घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कुल भंडार संख्या नौ लाख 82 हजार 212 है।

राहुल गांधी के चश्में पर धूल जमी है इसलिए उन्हें सच धुंधला दिख रहा, नरेंद्र मोदी विश्व के चमकते सितारे हैं : अनिल विज

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर पलटवार करते हुए कहा कि राहुल गांधी को अपना चश्मा साफ कर लेना चाहिए क्योंकि यदि चश्में पर धूल जमी हुई हो तो सब कुछ धुंधला नजर आता है। नरेंद्र मोदी आज विश्व के चमकते सितारे है, सारे विश्व में मोदी को मान-सम्मान से बुलाया जाता है। मोदी जी ने जो करके दिखाया इस देश में उसको मानना चाहिए व सच को स्वीकार करना चाहिए। विज आज पत्रकारों द्वारा राहुल गांधी के बयान कि प्रधानमंत्री के भाषण के बाद उनकी छवि धूमिल हो चुकी है, के संबंध में पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के बयान कि नरेंद्र मोदी और अमित शाह का कार्यकाल समाप्त होने वाला है, पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने तंज कसते हुए कहा कि सपने लेने पर किसी सरकार ने प्रतिबंध नहीं लगाया है, कोई भी सपना कोई भी ले सकता है। केजरीवाल स्वयं डूब चुके हैं और डूबा हुआ आदमी सपने लेता रहे, मगर उनके सपने कभी सच नहीं होंगे। ऊर्जा मंत्री अनिल विज का एआईएमआईएम नेता पर प्रहार, 'गलतफहमी में न रहें, देश में कानून का राज है' एआईएमआईएम नेता के बयान कि उन्हें 11 विधायक मिल जाए तो यूपी में मुसलमान को मारेगा

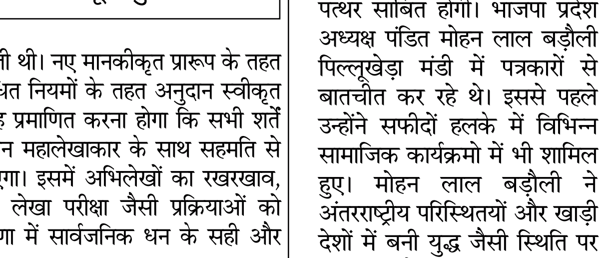

उसे मुठभेड़ में मार गिराएंगे और मदरसों की रक्षा करेंगे, पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इनके जैसे और भी कुछ नेता है जो यदा कदा बोलते हैं। यह गलतफहमी के शिकार हैं, देश में कानून का राज है और सख्ती का राज है। उसका पालन करते हुए सारे लोगों की सुरक्षा का जिम्मेवारी सरकारें निभा रही हैं।

धुरंधर 2 फिल्म पर सपा सांसद के बयान पर मंत्री अनिल विज का पलटवार, कहा ' 'बिना देखे फिल्म पर सवाल उठाना सिर्फ दुर्भावना! ' फिल्म धुरंधर 2 में अतीक अहमद के चित्रण पर सपा सांसद अफजल अंसारी के बयान कि उन्होंने फिल्म नहीं देखी मगर फिल्म सच्ची घटनाओं पर आधारित नहीं है, पर ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने कहा कि जब उन्होंने फिल्म ही नहीं देखी तो उन्हें कैसे पता कि फिल्म का मतलब क्या है और क्या उसमें दिखाना चाहते हैं व क्या बताना चाहते हैं। जब उन्होंने फिल्म देखी ही नहीं तो फिर ऐसा बयान देना केवल जनता में इस प्रकार की दुर्भावना फैलाना, इसके अलावा कोई काम नहीं है।

हरियाणा में ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर के लिए 11 हजार करोड़ रुपये मंजूर

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में हरियाणा ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर (एचओआरसी), रिठाला-नरेला-कुंडली मेट्रो और और दिल्ली-पानीपत-करनाल आरआरटीएस कॉरिडोर जैसी परियोजनाओं को मंजूरी दी गई, जिससे प्रदेश में क्षेत्रीय कनेक्टिविटी, औद्योगिकीकरण को नई गति मिलेगी। यह फैसला मंगलवार को मंत्रिमंडल की छह घंटे तक चली बैठक में किया गया। पूर्व की मनोहर सरकार ने प्रदेश के पहले ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर को मंजूरी दी थी। अब इस परियोजना की संशोधित लागत यानी 11 हजार 709 करोड़ रुपये को मंजूरी दी। पहले यह योजना 5 हजार 618 करोड़ रुपये के लिए स्वीकृत हुई थी। लागत राशि में दोगुणा इजाफा किया है। बढ़ोतरी का कारण भूमि खरीद की बढ़ती कीमतें, एनसीआर क्षेत्र में पुल निर्माण, जीएसटी दर में वृद्धि और परियोजना दायरे का विस्तार बताया गया है। ऑर्बिटल रेल कॉरिडोर परियोजना खरखौदा, मानेसर और सोहना जैसे प्रमुख औद्योगिक हब को रेल नेटवर्क से जोडक़र माल परिवहन में सुधार लाएगी। परियोजना एचओआरसीएल और एचआरआईडीसी के संयुक्त उद्यम मॉडल के तहत लागू होगी, जिसमें निजी भागीदार जैसे मारुति सुजुकी इंडिया और ऑलकार्गो लॉजिस्टिक्स शामिल हैं। इस परियोजना के पूरा होने पर राज्य के औद्योगिक और लॉजिस्टिक्स हब के बीच निर्बाध संपर्क सुनिश्चित होगा, ट्रांजिट समय कम होगा और हरियाणा में औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी। कैबिनेट ने नई दिल्ली के रिठाला-नरेला से कुंडली मेट्रो कॉरिडोर के हरियाणा हिस्से की संशोधित डीपीआर को मंजूरी दी। हरियाणा क्षेत्र में मेट्रो लाइन 2.726 किलोमीटर लंबी होगी, जिसमें कुंडली और नाथुपुर में दो एलिवेटेड स्टेशन बनेंगे। मोदी कैबिनेट इस योजना पर पहले ही मुहर लगा चुकी है। परियोजना की कुल लागत 545.77 करोड़ रुपये है, जिसमें केंद्र सरकार 97.30 करोड़ और हरियाणा सरकार 448.48 करोड़ रुपये का योगदान देगी।

तीन लाख लड़कियों को लगाई जाएगी एचपीवी वैक्सीनः आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़,। हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने कहा है कि प्रदेश में करीब 3 लाख लड़कियों को ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) वैक्सीन निःशुल्क लगाई जाएगी। अब तक लगभग 3280 किशोर लड़कियों को यह वैक्सीन लगाई जा चुकी है। आरती सिंह राव ने चंडीगढ़ में बताया कि फिलहाल 14 साल की लड़कियों की सही लिस्ट बनाने के लिए सभी जिलों में हेड काउंट सर्वे करने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य में टारगेट किशोर लड़कियों की संख्या कुल आबादी का एक प्रतिशत है।उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने 28 फरवरी को हरियाणा में ह्यूमन पैपिलोमा वायरस वैक्सीन लॉन्च की थी। यह इंजेक्शन एचपीवी के टाइप 16 और 18 से सुरक्षा देता है, जो सर्वाइकल कैंसर के लिए जिम्मेदार हैं। साथ ही टाइप 6 और 11 से भी सुरक्षा देता है। इसके टारगेट लाभार्थी वे किशोर लड़कियां हैं जिन्होंने 14 साल की उम्र पूरी कर ली है, लेकिन अभी 15 साल की नहीं हुई हैं।

स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि वैक्सीन देने से पहले, सभी मेडिकल और पैरा-मेडिकल स्टाफ यह सुनिश्चित करें कि वैक्सीन लगवाने वाली किशोरी टीकाकरण के समय

खाली पेट न हों। माता-पिता को सलाह दी जानी चाहिए कि वे यह सुनिश्चित करें कि वैक्सीन लगवाने वाली किशोरी खाली पेट न हों, या टीकाकरण से पहले उन्हें कुछ खाने के लिए दें। सेशन वाली जगह पर उन किशोरियों के लिए जलपान की व्यवस्था की गई है, जिन्होंने घर पर नाश्ता नहीं किया है।

उन्होंने बताया कि टीकाकरण के बाद यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं कि वैक्सीन लगवाने वाली किशोरियां 30 मिनट तक वहीं रुकें। सेशन वाली जगहों पर ऑब्ज़र्वेशन रूम में ऐसी गतिविधियों की व्यवस्था की गई है, जो किशोरियों का ध्यान टीकाकरण के बाद होने वाले दर्द और घबराहट से हटा सकें। तनाव से जुड़ी प्रतिक्रियाओं की संभावना को कम करने के लिए भीड़भाड़ कम से कम रखें। आरती सिंह राव ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि केवल उन्हीं किशोरियों को वैक्सीन लगाई जाएगी, जिन्होंने 14 साल की उम्र पूरी कर ली है, लेकिन अभी 15 साल की नहीं हुई हैं। टीकाकरण से पहले माता-पिता/अभिभावकों से ओटीपी-आधारित सहमति या लिखित सहमति प्राप्त करें।

कांग्रेस नेताओं में मुख्यमंत्री बनने का भूत सवार : बृजेंद्र सिंह

एजेंसी

सिरसा। पूर्व सांसद एवं कांग्रेसी नेता बृजेंद्र सिंह ने कहा है कि प्रदेश के सारे कांग्रेस नेताओं पर मुख्यमंत्री बनने का भूत चढ़ा हुआ है। जब तक यह भूत नहीं उतरेगा, भाजपा से लड़ाई नहीं लड़ पाएंगे। बृजेंद्र सिंह अपनी सद्भावना यात्रा के सिरसा विधानसभा क्षेत्र में पहुंचने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। बृजेंद्र सिंह जिला बार एसोसिएशन में भी पहुंचे जहां बार एसोसिएशन के प्रधान गंगा राम ढाका ने स्वागत किया। बृजेंद्र सिंह ने सद्भावना यात्रा पर पार्टी के ही कुछ नेताओं द्वारा दूरी बनाने के सवाल पर कहा कि कोई नेता चाहे आया या नहीं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। यह यात्रा हरियाणा के राजनीतिक मानचित्र पर स्थापित हो गई है और वे आमजन के लिए सडक़ पर लड़ाई लड़ रहे हैं। पार्टी नेता राहुल गांधी से मुलाकात के सवाल पर उन्होंने कहा कि यात्रा के बारे में राहुल गांधी से चर्चा हुई है और उन्हें सब पता है कि यात्रा में किस-किस की भागीदारी हो रही हैं। साथ ही उन्होंने कहा कि वे चुगली करने के आदी नहीं हैं। राज्यसभा चुनाव में कांग्रेस के कुछ विधायकों द्वारा क्रॉस वोटिंग के सवाल पर उन्होंने कहा कि पार्टी के एक चौथाई विधायकों द्वारा जो प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप से दगा किया है उसके पीछे वजह क्या है और वे विरोध में क्यों हैं, इसकी जिम्मेवारी भी पार्टी के जिम्मेदार लोगों को लेनी चाहिए। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि साधारण से चुनाव में भी भाजपा ने जानबूझकर तीसरा उम्मीदवार खड़ा किया, क्योंकि औछी राजनीति करना भाजपा की आदत बन गई है। भाजपा को पता था कि बिकने वाले लोग खड़े हैं और भाजपा हमेशा खरीददारी के लिए पैसों के बोरियों के मुंह खोल देती हैं। इस सद्भावना यात्रा में जिलाध्यक्ष संतोष बैनीवाल, राम कुमार खैरेकां, पूर्व डायरेक्टर प्रेम शर्मा, आनंदवीर गिल्लाखेड़ा, विजय खैरेकां सहित अनेक पार्टी पदाधिकारी मौजूद रहे।

एमजीएल ने पाइप्ड नेचुरल गैस के लिए ग्राहकों को दिए नए प्रोत्साहन

नए कनेक्शन पर मुफ्त गैस और छूट की सौगात

नई दिल्ली ।

महानगर गैस लिमिटेड (एमजीएल) ने मंगलवार को घरेलू ग्राहकों के लिए पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए कई नई सुविधाओं की घोषणा की। कंपनी ने कहा कि 16 मार्च से 30 अप्रैल तक नए कनेक्शन लेने वाले ग्राहकों को 500 रुपये तक की मुफ्त गैस मिलेगी। इसके अलावा, उन नई इमारतों में जहां पीएनजी की पैठ 60 प्रतिशत से अधिक है, प्रति ग्राहक 1,000 रुपये तक का बिल समायोजन किया जाएगा। एमजीएल वेब रजिस्ट्रेशन कराने वाले ग्राहकों को 500 रुपये का तत्काल डिस्काउंट भी मिलेगा, जबकि गैस न उपयोग करने की अवधि में न्यूनतम शुल्क माफ रहेगा। कंपनी ने यह भी कहा कि जल्द ही शून्य अग्रिम रजिस्ट्रेशन शुल्क की सुविधा शुरू की जाएगी, जिसमें भुगतान केवल कनेक्शन मिलने के बाद करना होगा। व्यावसायिक ग्राहकों के लिए भी एमजीएल ने रजिस्ट्रेशन शुल्क माफ कर दिया है। इसके अलावा डाउनस्ट्रीम इंफ्रास्ट्रक्चर का खर्च कंपनी खुद वहन करेगी। यह कदम पीएनजी को सभी प्रकार के ग्राहकों के लिए अधिक सुलभ और आकर्षक बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। एमजीएल ने कहा कि इन पहलों का उद्देश्य पाइप्ड और कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की आपूर्ति को निर्बाध बनाए रखना और सेवा के उच्च मानक बनाए रखना है। कंपनी ग्राहकों की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। एमजीएल के प्रबंध निदेशक आशू सिंघल ने कहा कि ये पहल प्राकृतिक गैस के दायरे को बढ़ाने और देश में स्वच्छ ईंधन के उपयोग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

ईरान ने कहा, नये नियमों के तहत होर्मुज से निकल सकते हैं विदेशी जहाज

सुरक्षित आवाजाही के लिए जहाजों को ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करना होगा

नई दिल्ली।

ईरान ने कहा है कि विदेशी जहाज अब स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजर सकते हैं, लेकिन उन्हें ईरानी नियमों का पालन करना होगा और किसी भी तरह की आक्रामक गतिविधियों में शामिल नहीं होना चाहिए। ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट के मुताबिक, यह जानकारी ईरान ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन को भेजे गए 22 मार्च के एक पत्र में दी। पत्र के अनुसार सुरक्षित आवाजाही के लिए जहाजों को ईरानी अधिकारियों के साथ समन्वय करना होगा। सूत्रों के मुताबिक ईरान ने कुछ व्यावसायिक जहाजों से ट्रांजिट शुल्क लेना भी शुरू कर दिया है। इस कदम से यह साफ संकेत मिलता है कि दुनिया के सबसे अहम समुद्री ऊर्जा मार्ग पर ईरान का नियंत्रण बढ़ रहा है। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण इस जलमार्ग पर जहाजों की आवाजाही लगभग ठप हो गई थी, और फिलहाल केवल कुछ ही जहाज ईरान के तट के पास से होकर गुजर रहे हैं। ईरान ने स्पष्ट किया कि केवल गैर-शत्रुतापूर्ण जहाजों को अनुमति दी जाएगी। जहाजों को ईरान के खिलाफ किसी भी आक्रामक कार्रवाई में शामिल नहीं होना चाहिए और तय सुरक्षा नियमों का पालन करना होगा। जिन देशों को ईरान आक्रामक मानता है, उनके जहाजों के गुजरने पर रोक रहेगी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज का नियंत्रण तेल, गैस, खाद्य सामग्री और धातुओं की आपूर्ति पर सीधे असर डालता है। इस मार्ग पर व्यवधान से आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में तेजी आई है। एशियाई देशों में गैस की कमी और ईंधन की राशनिंग की आशंका बढ़ी है। निवेशक स्थिति सामान्य होने का इंतजार कर रहे हैं, और आवाजाही बढ़ी तो तेल की कीमतों में गिरावट आ सकती है।

ग्लोबल संकेत पॉजिटिव और कच्चे तेल के दाम में गिरावट के कारण भारतीय शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन निवेशकों के पोर्टफोलियो हरे निशान पर बंद,

सेंसेक्स 1205 अंक चढ़कर 75,273 पर बंद, निफ्टी में भी 394 अंक की तेजी रही,

दो दिन में निवेशकों को 18 लाख करोड़ की कमाई!

नई दिल्ली।

मिडिल ईस्ट में वॉर थमने के संकेत को देखते हुए कच्चे तेल के दाम में बड़ी गिरावट देखी जा रही है। ग्लोबल ब्रेंट क्रूड ऑयल 4.34 प्रतिशत गिरकर 99.95 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया है, जो बाजार के लिए अच्छा संकेत है। इस कारण मंगलावार के बाद बुधवार को भी भारतीय शेयर बाजार में जबरदस्त तेजी आई। शेयर बाजार में तेजी के कारण बुधवार को निवेशकों ने जबरदस्त कमाई की। 24 मार्च को बीएसई मार्केट कैपिटलाइजेशन 422.78 लाख करोड़ रुपये था, जो बुधवार को बढ़कर 431 लाख करोड़ रुपये हो गया। यानी निवेशकों को 9 लाख करोड़ की कमाई हुई है। वहीं मगंलवार को भी करीब 9 लाख रुपये का इजाफा हुआ था। ऐसे में देखा जाए तो 2 दिनों के दौरान 18 लाख करोड़ की कमाई हुई है।बुधवार को बीएसई सेंसेक्स 1205 अंक या 1.63 फीसदी चढ़कर 75273 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 394 अंक या 1.72 फीसदी उछलकर 23,306 पर क्लोज हुआ। निफ्टी बैंक में भी 1100 अंकों की तेजी आई। बीएसई टॉप 30 के 26 शेयरों में तेजी रही, जबकि 4 स्टॉक गिरावट पर बंद हुए। सबसे ज्यादा तेजी टाइटन के शेयरों में 4 फीसदी की रही। इसके साथ ही इंडिगो और बजाज फाइनेंस के शेयरों में भी अच्छी तेजी रही। बीएसई के 2,953 शेयरों में तेजी

देखने को मिली, जबकि 1,362 शेयरों में गिरावट रही। 67 शेयर 52 वीक के हाई पर और 245 शेयर 52 वीक के लो पर थे। 188 शेयरों में अपर सर्किट लगा और 173 शेयरों में लोअर सर्किट दिखाई दिया।

रुपया 18 पैसे टूटकर 93.94 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया पिछले दिन 23 पैसे टूटकर93.76 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

रुपया बुधवार को शुरुआती कारोबार में 18 पैसे टूटकर 93.94 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी से निवेशक चिंतित हैं। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, डॉलर की कमजोरी और घरेलू शेयर बाजारों की मजबूत शुरुआत ने स्थानीय मुद्रा में अधिक गिरावट को रोक दिया। उन्होंने बताया कि हालांकि पश्चिम एशिया संकट को लेकर अनिश्चितताओं के बीच विदेशी पूंजी की निकासी ने स्थानीय मुद्रा पर दबाव बना रखा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया, डॉलर के मुकाबले 93.94 पर खुला जो पिछ्ले बंद भाव से 18 पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया मंगलवार को 23 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 93.76 पर बंद हुआ था। इस बीच, छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.15 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.28 पर रहा।

आंध्र प्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं को तेजी से पूरा करें- ऊर्जा मंत्री गोट्टिपाटी

ऊर्जा मंत्री ने निवेशकों को आश्वस्त किया कि सरकार उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करेगी

अमरावती ।

आंध्र प्रदेश के ऊर्जा मंत्री गोट्टिपाटी रवि कुमार ने निवेशकों से राज्य में नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाने और उन्हें समय पर चालू करने का आग्रह किया है। मंत्रालय के अनुसार, सचिवालय में ब्रुकफील्ड-एक्सिस के प्रतिनिधियों और एनआरईडीकैप के अधिकारियों के साथ हुई समीक्षा बैठक में निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन किया गया। रवि कुमार ने कहा कि परियोजनाओं को बिना किसी देरी के पूरा करना निवेशकों की जिम्मेदारी है। उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त किया कि सरकार उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करेगी। साथ ही, जमीनी स्तर पर आने वाली किसी भी समस्या की जानकारी तुरंत सरकार को दी जाए ताकि उसका तत्काल समाधान किया जा सके। मंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि भूमि उपलब्धता, आधारभूत ढांचा और आवश्यक मंजूरियों सहित सभी सुविधाएं सुनिश्चित की जाएँ। उन्होंने कहा कि निवेश में बाधा बनने वाली समस्याओं को सक्रिय रूप से दूर करना आवश्यक है और राज्य में सहज निवेश माहौल तैयार करना प्राथमिकता है। रवि कुमार ने कहा कि सरकार एकीकृत स्वच्छ ऊर्जा नीति के माध्यम से बड़े पैमाने पर निवेश आकर्षित कर रोजगार सृजन को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के दृष्टिकोण को दोहराया, जिसमें आंध्र प्रदेश को देश की 'बैटरी स्टोरेज कैपिटल' बनाने की योजना है। मंत्री ने यह भी कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं के विस्तार से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के व्यापक अवसर उत्पन्न होंगे, जिससे राज्य में सतत विकास और आर्थिक सशक्तिकरण को बढ़ावा मिलेगा।

भारत का मीडिया और एंटरटेनमेंट सेक्टर 2 साल में 3 लाख करोड़ पार करने को तैयार

डिजिटल विज्ञापन ने अकेले 26 फीसदी की ग्रोथ के साथ 94,700 करोड़ का योगदान दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत का मीडिया और एंटरटेनमेंट (एमएंडई) सेक्टर तेजी से बढ़ रहा है और अगले दो साल में यह सवा 3 लाख करोड़ रुपये के स्तर को पार कर सकता है। फिक्की-ईवाई एम एंड ई की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, इंडस्ट्री सालाना 7 फीसदी की दर से बढ़कर 2028 तक 3.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक साल 2025 में डिजिटल मीडिया और एंटरटेनमेंट ने सबसे बड़ा हिस्सा ले लिया। इसने 1 लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार किया। डिजिटल विज्ञापन ने अकेले 26 फीसदी की ग्रोथ के साथ 94,700 करोड़ रुपये का योगदान दिया। कुल विज्ञापन इंडस्ट्री 13.5 फीसदी बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये हो गई, जो भारत की जीडीपी का 0.41 फीसदी है। लाइव इवेंट्स सेगमेंट ने साल 2025 में 44 फीसदी की शानदार बढ़ोतरी दर्ज की। इसमें टिकट वाले इवेंट, शादियां, सरकारी और धार्मिक कार्यक्रम शामिल हैं। डिजिटल सब्सक्रिप्शन 60 फीसदी बढ़कर 16,300 करोड़ रुपये हो गया। भारत में 14.3 करोड़ घरों में 21.6 करोड़ पेड वीडियो सब्सक्रिप्शन मौजूद हैं, जो प्रीमियम फिल्मों और खेलों के कारण बढ़े। पेड म्यूजिक सब्सक्रिप्शन 37 फीसदी बढ़कर 1.44 करोड़ हो गए।

वीडियो गेम्स में अगस्त 2025 से लागू मनी गेमिंग बैन के कारण 17 फीसदी गिरावट आई।

प्रिंट मीडिया विज्ञापन में 2 फीसदी की मामूली बढ़ोतरी के साथ स्थिर रहा। कुल विज्ञापन बाजार 1.11 लाख करोड़ से बढ़कर 1.55 लाख करोड़ रुपये हो गया।

डिजिटल विज्ञापन का हिस्सा बढ़कर 60 फीसदी तक पहुंच गया, और इस सेक्टर में 22 फीसदी से अधिक की ग्रोथ देखी गई।

घरेलू गैस बुकिंग में नए नियमए सालाना कोटा अब सख्त

पिछले सिलेंडर लेने के बाद अगले सिलेंडर के लिए 25 दिन इंतजार करना होगा

नई दिल्ली ।

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच सरकार ने घरेलू गैस की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कड़े नियम लागू किए हैं। अब भारत पेट्रोलियम ;बीपीसीएलद्ध ग्राहकों को महीने में केवल दो सिलेंडर ही बुक करने की अनुमति देगा। इससे अधिक बुकिंग करने की कोशिश करने पर सिस्टम ऑटोमैटिक ब्लॉक कर देगा या कड़ी पूछताछ होगी।सरकार हर वित्तीय वर्ष ;अप्रैलदूमार्चद्ध में 12 सब्सिडी वाले सिलेंडर देती है। इसके अलावा ग्राहक साल भर में 3 अतिरिक्त सिलेंडर बिना सब्सिडी के ले सकते हैं। कुल मिलाकर एक कनेक्शन पर साल में 15 सिलेंडर ही उपलब्ध होंगे। पिछले नियमों के अनुसार दो सिलेंडरों के बीच 21 दिन का अंतर था। नए नियम के तहत अब यह अवधि बढ़ाकर 25 दिन कर दी गई है। इसका मतलब है कि पिछले सिलेंडर लेने के बाद अगले सिलेंडर के लिए कम से कम 25 दिन इंतजार करना होगा। यदि ग्राहक का सालाना कोटा पूरा हो गया और फिर भी गैस चाहिएए तो उसे हैलो बीपीसीएल ऐप के माध्यम से आवेदन करना होगा। ऐप पर कारण बताना अनिवार्य होगाए जैसे शादीए फंक्शन या आने वाले मेहमान। कंपनी समीक्षा के बाद ही एक्स्ट्रा सिलेंडर देगी। सिलेंडर डिलीवरी के समय मोबाइल पर वन.टाइम पासवर्ड ;डीएसीद्ध अनिवार्य होगा। केवल रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर से ही बुकिंग मान्य होगी। इसके अलावा ईकेवायसी पूरी होना जरूरी हैए नहीं तो सब्सिडी रुक सकती है और बुकिंग में परेशानी हो सकती है।

इंडिगो में प्रबंधन बदलाव, आलोक सिंह बने मुख्य रणनीति अधिकारी

नई दिल्ली ।

देश की प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने एयर इंडिया एक्सप्रेस के पूर्व प्रमुख आलोक सिंह को अपना नया मुख्य रणनीति अधिकारी नियुक्त किया है। वह 6 अप्रैल 2026 से अपने पद पर कार्यभार संभालेंगे। यह कदम कंपनी की रणनीति को मजबूत करने और परिचालन स्थिरता सुनिश्चित करने के प्रयास के तहत उठाया गया है। कंपनी के पूर्व मुख्य कार्यकारी अधिकारी पीटर एल्बर्स ने 10 मार्च 2026 से अपने पद से इस्तीफा दे दिया। उनके इस्तीफे का कारण दिसंबर 2025 में हुए गंभीर परिचालन संकट से उत्पन्न दबाव बताया गया है। इस बीच राहुल भाटिया, प्रबंध निदेशक, अंतरिम रूप से सीईओ की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं और संचालन की निगरानी कर रहे हैं। 3 से 5 दिसंबर के बीच कंपनी को 2500 से अधिक उड़ानें रद्द और लगभग 1800 उड़ानें विलंबित करनी पड़ीं, जिससे तीन लाख से अधिक यात्री प्रभावित हुए।

इन्फोसिस बोर्ड के सामने बड़ा फैसला, पारिख का तीसरा कार्यकाल या नई शुरुआत?

- पारिख ने 2018 में कंपनी की कमान संभाली थी और कठिन दौर में इन्फोसिस को मजबूती प्रदान की

नई दिल्ली ।

इन्फोसिस के इतिहास में 2027 वर्ष महत्वपूर्ण साबित हो सकता है, क्योंकि 31 मार्च को कंपनी के सीईओ सलिल पारिख का दूसरा कार्यकाल समाप्त हो रहा है। पारिख ने 2018 में कंपनी की कमान संभाली थी और कठिन दौर में इन्फोसिस को स्थिरता और मजबूती प्रदान की। अब बोर्ड के सामने सबसे बड़ा सवाल यह है कि तेजी से बदलते एआई के दौर में कंपनी का नेतृत्व कौन करेगा। सूत्रों के अनुसार पारिख को तीसरे कार्यकाल के लिए चुना जा सकता है, लेकिन यह शायद छोटा (1-2 साल) होगा। इसके विकल्प के रूप में बोर्ड उन्हें चेयरमैन बना सकता है और नए सीईओ की नियुक्ति कर सकता है। औपचारिक घोषणा जून में होने वाली वार्षिक आम बैठक में की जा सकती है। इन्फोसिस की सेवानिवृत्ति नीति के अनुसार कार्यकारी निदेशकों की उम्र 60 वर्ष है। पारिख पहले ही इस उम्र को पार कर चुके हैं, लेकिन बोर्ड और शेयरधारकों की मंजूरी से कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है। एचएफएस रिसर्च के संस्थापक फिल फर्स्ट का कहना है कि पारिख का तीसरा कार्यकाल निवेशकों के लिए मिश्रित संदेश दे सकता है। एक ओर यह स्थिरता का संकेत देगा और पारिख के अनुभव, अनुशासन और निवेशकों व ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध को कायम रखेगा।

दूसरी ओर, कुछ निवेशक यह सवाल कर सकते हैं कि क्या इन्फोसिस तेजी से बदलते एआई युग में खुद को अनुकूल बना पा रही है। पारिख ने 2023-24 में एआई-प्रथम रणनीति लागू की और 2025-26 की तीसरी तिमाही में एआई-संबंधित राजस्व कुल आय का 5.5 फीसदी था। कंपनी ने दूरसंचार वित्तीय सेवाओं, विनिर्माण और सॉफ्टवेयर क्षेत्रों में एआई समाधान विकसित करने के लिए एंथ्रोपिक के साथ साझेदारी की है।

उनके नेतृत्व में इन्फोसिस की आय 70,522 करोड़ रुपये से बढ़कर 1.62 लाख करोड़ रुपये और शुद्ध लाभ 16,029 करोड़ से 26,713 करोड़ रुपये तक पहुँच गया।

इस दौरान 12-13 रणनीतिक अधिग्रहण भी हुए। 2027 इन्फोसिस के लिए नेतृत्व, निवेशक विश्वास और एआई-आधारित भविष्य रणनीति के लिहाज से निर्णायक साल साबित होगा। बोर्ड का फैसला कंपनी की दिशा और प्रतिस्पर्धा को तय करेगा।

एसएंडपी ने 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 फीसदी किया

वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स ने आगामी वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि निजी खपत, निवेश एवं निर्यात वृद्धि के प्रमुख चालक रहेंगे। हालांकि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से ऊर्जा कीमतों में बढ़ोतरी के कारण वित्तीय स्थिति पर दबाव पड़ सकता है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र पर अपनी नवीनतम त्रैमासिक आर्थिक टिप्पणी में एसएंडपी ने कहा कि नए भू-राजनीतिक तनाव और लगातार बने व्यापार संबंधी अनिश्चितता के जोखिम से भारत पर वस्तु कीमतों, व्यापार मात्रा एवं पूंजी प्रवाह में उतार-चढ़ाव के माध्यम से असर पड़ सकता है। इसमें कहा गया कि यदि कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी रहती हैं तो भारत में ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, ताकि सब्सिडी लागत को नियंत्रित किया जा सके। हालांकि कीमतों का पूरा असर उपभोक्ताओं तक पहुंचने के आसार नहीं हैं। एसएंडपी ने कहा कि हमारा अनुमान है कि 31 मार्च 2027 को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष में वास्तविक जीडीपी वृद्धि 7.1 प्रतिशत रहेगी, जबकि वित्त वर्ष 2025-26 में यह 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मजबूत निजी खपत, निजी निवेश में मध्यम सुधार और ठोस निर्यात इसके मुख्य चालक होंगे। एजेंसी ने 2025-26 के वृद्धि अनुमान को 0.4 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.6 प्रतिशत और 2026-27 के लिए 0.2 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है। एसएंडपी के अनुसार महंगाई के कम स्तर से सामान्य पर आने से वित्त वर्ष 2026-27 में इसके बढ़कर 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है। ऊंची कच्चे तेल की कीमतों से व्यापार घाटा बढ़ने का अनुमान है, हालांकि सेवाओं के व्यापार में मजबूत अधिशेष से चालू खाते के घाटे को सीमित रखने में मदद मिलेगी। एजेंसी का अनुमान है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) फिलहाल नीतिगत दरों को स्थिर रखेगा और रुख 'तटस्थ' बनाए रखेगा।

मारुति सुजुकी 2030-31 तक रेल मार्ग से वाहन भेजने की हिस्सेदारी 35 प्रतिशत करेगी- सीईओ

वित्त वर्ष 2030-31 तक रेल मार्ग से वाहनों की आपूर्ति की हिस्सेदारी बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने का लक्ष्य

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड की योजना वित्त वर्ष 2030-31 तक रेल मार्ग से वाहनों की आपूर्ति की हिस्सेदारी बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने की है। वर्तमान में यह हिस्सेदारी 26 प्रतिशत है। कंपनी ने बुधवार को बयान में कहा कि मानेसर संयंत्र के अंदर रेल पटरी सुविधा (इन-प्लांट रेलवे साइडिंग) से जून 2025 में परिचालन शुरू होने के बाद से अब तक एक लाख वाहनों की ढुलाई (डिस्पैच) की जा चुकी है। इससे करीब 16,800 मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड समतुल्य उत्सर्जन कम हुआ। मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025 में कंपनी ने रेलवे के जरिये 5.85 लाख से अधिक वाहनों की ढुलाई कर रिकॉर्ड बनाया। दिलचस्प बात यह है कि पिछले दशक में हमारी आउटबाउंड लॉजिस्टिक्स में रेल परिवहन की हिस्सेदारी 2016 के पांच प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 26 प्रतिशत हो गई है। उन्होंने कहा कि हमारी योजना 2030-31 तक रेल आधारित वाहन ढुलाई की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत से बढ़ाकर 35 प्रतिशत करने की है। यह कुशल और टिकाऊ लॉजिस्टिक्स विकसित करने तथा भारत के शुद्ध शून्य लक्ष्य में योगदान देने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है। कंपनी के अनुसार मानेसर रेलवे साइडिंग भारत में मोटर वाहन क्षेत्र की सबसे बड़ी इकाई के भीतर स्थापित रेलवे सुविधा है। वहीं गुजरात रेलवे साइडिंग के बाद यह मोटर वाहन उद्योग तथा कंपनी के लिए दूसरा पीएम गतिशक्ति इन-प्लांट टर्मिनल है। इस रेलवे साइडिंग के माध्यम से कंपनी 17 केंद्र के जरिये 380 शहरों तक वाहनों की आपूर्ति कर रही है, जिसके लिए समर्पित 'हब-एंड-स्पोक मॉडल' का उपयोग किया जा रहा है। रेलवे साइडिंग में हब-एंड-स्पोक मॉडल एक केंद्रीकृत माल ढुलाई प्रणाली है। इसमें प्रमुख रेलवे साइडिंग हब (केंद्र) के रूप में कार्य करती है, जहां दूर-दराज के स्थानों या छोटे स्टेशन (स्पोक) से माल सड़क मार्ग से लाया जाता है। केंद्र पर माल इकट्ठा कर रेल द्वारा आगे लंबी दूरी के लिए भेजा जाता है। इससे समय और लागत दोनों कम होते हैं।

एलपीजी बुकिंग समयसीमा में कोई बदलाव नहीं, सरकार ने अफवाहों को किया खारिज

35 नहीं, 25 दिन में ही मिलेगा शहरों में सिलिंडर

नई दिल्ली ।

हाल ही में सोशल मीडिया और कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा था कि एलपीजी सिलेंडर की बुकिंग के नियम बदल दिए गए हैं। इन दावों के अनुसार, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयवाय) कनेक्शन के लिए 45 दिन, गैर-पीएमयूवाई सिंगल सिलेंडर के लिए 25 दिन और डबल सिलेंडर के लिए 35 दिन की नई समयसीमा लागू की गई है। पेट्रोलियम मंत्रालय ने इसे भ्रामक और गलत बताया है। मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि एलपीजी रीफिल बुकिंग की मौजूदा समयसीमा पहले जैसी ही रहेगी। शहरी क्षेत्रों में 25 दिन और ग्रामीण क्षेत्रों में 45 दिन की अवधि सभी प्रकार के कनेक्शनों पर समान रूप से लागू है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें और अनावश्यक बुकिंग से बचें। सरकार ने भरोसा दिलाया है कि देश में एलपीजी का पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध है और कोई कमी की स्थिति नहीं है। सभी रिफाइनरियां उच्च क्षमता पर काम कर रही हैं। सोमवार तक 18,700 टन कमर्शियल एलपीजी की आपूर्ति की जा चुकी है। पेट्रोल और डीजल का भंडार भी पर्याप्त है और एक लाख से अधिक पेट्रोल पंप सामान्य रूप से संचालित हो रहे हैं। पाइप्ड नेचुरल गैस कनेक्शन का विस्तार भी तेजी से हो रहा है।

सिर्फ एक दिन में 7,500 नए कनेक्शन दिए गए हैं। मंत्रालय ने राज्यों से कहा है कि वे निगरानी और वितरण व्यवस्था को मजबूत करें, ताकि आपूर्ति पूरी तरह सुचारू बनी रहें।

भगवान श्री राम मयार्दा,आदर्श रामराज्य का जीवंत दर्शन

विनोद कुमार सिंह

श्रीराम केवल इतिहास के पात्र नहीं हैं,बल्कि वे एक ऐसी चेतना हैं,जो हर युग में प्रासंगिक रहती है।उनका जीवन यह संदेश देता है कि मयार्दा में रहकर भी महानता प्राप्त की जा सकती है, और आदर्शों का पालन करते हुए भी सफलता हासिल की जा सकती है। वाल्मीकि के यथार्थवादी राम और तुलसी के भक्तिमय राम - दोनों मिलकर हमें यह सिखाते हैं कि जीवन को कैसे संतुलित, सार्थक और श्रेष्ठ बनाया जाए। 'भय प्रकट पाला दीन दयाला' की यह पंक्ति केवल एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि यह विश्वास है कि जब भी मानवता संकट में होती है, तब राम किसी न किसी रूप में उसके रक्षक बनकर सामने आते हैं।

भय प्रकट पाला दीन दयाला, कौशल्या हितकारी... भारतीय संस्कृति की आत्मा में यदि किसी चरित्र ने सबसे गहरी और स्थायी छाप छोड़ी है,तो वह हैं भगवान श्रीराम। उनका जीवन केवल एक धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि एक ऐसा नैतिक दर्शन है,जो युगों-युगों से मानवता को दिशा देता आया है। 'भय प्रकट पाला दीन दयाला,कौशल्या हितकारी' की यह पंक्ति उस दिव्य क्षण का स्मरण कराती है,जब स्वयं धर्म ने मानव रूप धारण कर पृथ्वी पर अवतार लिया। राम नवमी का पर्व इसी सत्य का उत्सव है,परंतु यह केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्ममंथन का भी अवसर है।श्रीराम का सम्पूर्ण जीवन मयार्दा की एक ऐसी रेखा है,जिसे उन्होंने हर परिस्थिति में निभाया। यही कारण है कि उन्हें 'मयार्दा पुरुषोत्तम' कहा गया।उन्होंने यह सिद्ध किया कि महानता शक्ति में नहीं,बल्कि उस शक्ति के संयमित और न्यायपूर्ण उपयोग में निहित होती है।जब पिता की आज्ञा के कारण उन्हें वनवास का निर्णय लेना पड़ा, तब उन्होंने न तो परिस्थितियों से संघर्ष किया और न ही अपने अधिकारों का आग्रह किया,बल्कि सहज भाव से कर्तव्य को स्वीकार किया। यह केवल त्याग नहीं था, बल्कि यह उस आदर्श का प्रतिपादन था,जिसमें व्यक्ति अपने व्यक्तिगत सुख से ऊपर समाज और परिवार के धर्म को रखता है।

श्रीराम का जीवन इस बात का प्रमाण है कि मयार्दा केवल सीमाओं का बंधन नहीं, बल्कि जीवन को संतुलित और सार्थक बनाने का माध्यम है।उन्होंने अपने प्रत्येक संबंध को उसी गरिमा के साथ निभाया,जो एक आदर्श समाज की नींव बनती है। चाहे वह भ्रातृ प्रेम हो, पत्नी के प्रति निष्ठा हो,मित्रता का निर्वाह हो या प्रजा के प्रति उत्तरदायित्व - हर स्थान पर उन्होंने एक ऐसी मिसाल कायम की,जो आज भी प्रासंगिक है।श्रीराम के व्यक्तित्व को समझने के लिए भारतीय परंपरा के दो महान ग्रंथ विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं–वाल्मीकि रामायण और रामचरितमानस।महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण में राम एक आदर्श मानव के रूप में चित्रित होते हैं,जो जीवन की कठिनाइयों,संघर्षों और द्वंद्वों से गुजरते हुए भी धर्म का मार्ग नहीं छोड़ते। वहाँ राम ईश्वर से अधिक एक ऐसे पुरुष हैं, जो अपने निर्णयों के माध्यम से यह दिखाते हैं

कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों,यदि मनुष्य अपने सिद्धांतों पर अडिग रहे,तो वह आदर्श बन सकता है।वहीं गोस्वामी तुलसीदास के रामचरितमानस में श्रीराम का स्वरूप और भी व्यापक हो जाता है। यहाँ वे केवल एक राजा या नायक नहीं, बल्कि करुणा और भक्ति के साकार रूप हैं।तुलसीदास ने उन्हें 'दीनदयाल' और 'भक्तवत्सल' के रूप में प्रस्तुत किया, जो हर उस व्यक्ति के सहायक हैं,जो सच्चे मन से उनकी शरण में आता है। इस प्रकार वाल्मीकि के राम जहाँ यथार्थ के धरातल पर खड़े हैं, वहीं तुलसी के राम अध्यात्म की ऊँचाइयों को स्पर्श करते हैं।दोनों मिलकर राम के उस समग्र स्वरूप को प्रस्तुत करते हैं,जिसमें मानवता और दिव्यता का अद्भुत संगम दिखाई देता है।

इसका अनुठा व अनोखा संगम का सबसे सुंदर और जीवंत रूप 'रामराज्य' में देखने को मिलता है। रामराज्य केवल एक ऐतिहासिक प्रसंग नहीं, बल्कि एक आदर्श शासन व्यवस्था का प्रतीक है, जहाँ न्याय,समानता,सुरक्षा और समृद्धि का संतुलन स्थापित होता है।श्रीराम के शासन में प्रजा केवल शासित नहीं थी, बल्कि वह स्वयं को सुरक्षित,सम्मानित और संतुष्ट अनुभव करती थी। वहाँ भय का स्थान नहीं था,अन्याय का अस्तित्व नहीं था और शासन का उद्देश्य केवल जनकल्याण था।

रामराज्य की कल्पना आज भी उतनी ही प्रासंगिक है, जितनी त्रेता युग में थी। वर्तमान समय में जब समाज अनेक प्रकार के संकटों से जूझ रहा है -नैतिक पतन, सामाजिक असंतुलन और प्रशासनिक चुनौतियाँ–तब रामराज्य एक मार्गदर्शक सिद्धांत के रूप में हमारे सामने आता है। यह हमें सिखाता है कि यदि शासन में पारदर्शिता हो,समाज में समरसता हो और व्यक्ति के जीवन में मयार्दा हो, तो किसी भी राष्ट्र को आदर्श बनाया जा सकता है।

श्रीराम का जीवन यह भी सिखाता है कि सच्चा अध्यात्म केवल पूजा और अनुष्ठान में नहीं,बल्कि आचरण में निहित होता है। उन्होंने कभी अपने आदर्शों का उपदेश नहीं दिया, बल्कि उन्हें अपने जीवन में उतारकर दिखाया। यही कारण है कि उनका प्रभाव केवल धार्मिक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा,बल्कि सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक जीवन के हर आयाम को उन्होंने प्रभावित किया।

आज के युग में,जब व्यक्ति अपनी स्वतंत्रता के नाम पर मयार्दाओं को भूलता जा रहा है,तब श्रीराम का जीवन एक संतुलन की प्रेरणा देता है।वे यह सिखाते हैं कि स्वतंत्रता का वास्तविक अर्थ अनुशासन और उत्तरदायित्व के साथ जुड़ा हुआ है। यदि व्यक्ति अपने कर्तव्यों को समझे और उन्हें ईमानदारी से निभाए,तो समाज में स्वतः ही संतुलन स्थापित हो जाएगा।

राम नवमी का यह पावन अवसर हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि क्या हम अपने जीवन में उन आदर्शों को स्थान दे पा रहे हैं, जिनका प्रतिपादन श्रीराम ने किया था। क्या हमारे निर्णयों में सत्य और धर्म का स्थान है,क्या हमारे व्यवहार में करुणा और संवेदनशीलता है,क्या हम अपने कर्तव्यों के प्रति उतने ही सजग हैं,जितने श्रीराम थे।यदि इन प्रश्नों के उत्तर हम खोजने का प्रयास करें, तो यही इस पर्व का वास्तविक उद्देश्य सिद्ध होगा।

अंत में श्रीराम केवल इतिहास के पात्र नहीं हैं,बल्कि वे एक ऐसी चेतना हैं,जो हर युग में प्रासंगिक रहती है।उनका जीवन यह संदेश देता है कि मयार्दा में रहकर भी महानता प्राप्त की जा सकती है, और आदर्शों का पालन करते हुए भी सफलता हासिल की जा सकती है। वाल्मीकि के यथार्थवादी राम और तुलसी के भक्तिमय राम - दोनों मिलकर हमें यह सिखाते हैं कि जीवन को कैसे संतुलित, सार्थक और श्रेष्ठ बनाया जाए। 'भय प्रकट पाला दीन दयाला' की यह पंक्ति केवल एक काव्यात्मक अभिव्यक्ति नहीं,बल्कि यह विश्वास है कि जब भी मानवता संकट में होती है, तब राम किसी न किसी रूप में उसके रक्षक बनकर सामने आते हैं।आज आवश्यकता केवल इस बात की है कि हम अपने भीतर के राम को पहचानें और उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें।यही सच्चे अर्थों में राम नवमी का उत्सव है, यही उस दिव्य अवतरण का वास्तविक संदेश भी समाज व राष्ट्र के लिए देता है ।

संपादकीय

लाचार पर मार

बीमा कारोबार की जटिलताएं हमेशा से ही आमजन के लिए एक अनसुलझी गुत्थी रही हैं। हमारी भविष्य की आशंकाओं व भय पर फल-फूल रहे इस कारोबार को लेकर गाहे-बगाहे परेशान करने वाली खबरें आती रहती हैं। लेकिन इसके बावजूद तेजी से फल-फूल रहे विभिन्न बीमा कारोबारों की विसंगतियां कम नहीं हुई हैं। इसी तरह मेडिकल बीमा को लेकर बड़ी संख्या में शिकायतें सामने आती रही हैं। दरअसल, लगातार महंगी होती चिकित्सा सुविधाओं के दौर में, भविष्य में महंगे इलाज का खर्च उठाने का भरोसा दिलाकर बीमा कंपनियां लोगों को बीमा पॉलिसियां खरीदने को मानसिक रूप से तैयार कर लेती हैं। लेकिन विडंबना यह है कि जब वास्तव में कोई बीमार पड़ता है तो इलाज पर हुए खर्च के भुगतान को लेकर तमाम किंतु-परंतु बीमा कंपनियां करने लगती हैं। कई खामियां निकाली जाती हैं, जिनके बारे में बीमा धारक को पता ही नहीं होता है। कई बार तो छिपे-ढके कारण बताकर चिकित्सा खर्च की भरपाई करने से भी मना कर दिया जाता है। भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण यानी आईआरडीए के आंकड़ों ने बीमा कंपनियों के मुनाफा खेल को उजागर किया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वर्ष 2024 में छब्बीस हजार करोड़ रुपये के बीमा दावे खारिज किए गए थे। निस्संदेह, ये आंकड़ा बीमा कंपनियों तथा पांच सितारा अस्पताल प्रबंधकों के अपवित्र गठबंधन को ही दशार्ता है। बाकायदा पिछले दिनों राज्यसभा में निजी अस्पतालों और स्वास्थ्य बीमा कंपनियों के अपवित्र गठजोड़ का मामला उठाया गया। जो हर साल हजारों लोगों को कर्ज व गरीबी की दलदल में धकेल देता है। अक्सर आरोप लगता है कि मरीजों को उपचार के मुकाबले बेहद कम राशि का भुगतान किया जाता है। ऐसा नहीं है कि प्राइवेट अस्पतालों व बीमा कंपनियों के मध्य सांठगांठ के मामले सामने नहीं आते। लेकिन हमारा नियामक-तंत्र सारे घटनाक्रम की अनदेखी कर देता है। विडंबना यह भी है कि केंद्र व राज्य सरकारों के स्तर पर भी इस मुनाफाखोरी पर समय रहते अंकुश नहीं लगाया जाता है, जिससे लोगों को उलटे उस्तरे से मूंडने का खेल बदस्तूर जारी रहता है। दरअसल, लोग जब कोई स्वास्थ्य बीमा कराते हैं तो उन बारीकियों के बारे में नहीं बताया जाता है, जिसके आधार पर मरीजों के चिकित्सा बीमा राशि को खारिज किया जाता है। अक्सर इलाज के बड़े खर्चे के दावे को कई मीन-मेख निकालकर नकार दिया जाता है। कई बार तो अमानवीयता की हदें भी सामने आती हैं जब मरीज की मृत्यु पर, खर्च चुकाने में असमर्थ होने पर अस्पताल प्रबंधक परिजनों को पार्थिव शरीर तक को देने से मना कर देते हैं। जबकि इस बारे में अदालत व सरकार की तरफ से सख्त आदेश हैं कि बकाया राशि के लिए किसी मरीज के शव को रोका नहीं जा सकता। दरअसल, चिकित्सा बीमा आज देश-दुनिया में बड़ा कारोबार बन गया है। लेकिन पश्चिमी देशों में भुगतान में ईमानदारी व कार्यशैली में पारदर्शिता से इस व्यवसाय का विस्तार हुआ है। लेकिन भारत में ईमानदारी, पारदर्शिता के अभाव व दोषपूर्ण कार्यशैली से चिकित्सा बीमा के औचित्य पर ही सवाल उठते हैं।

चिंतन-मनन

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है।भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अतः हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं।श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमसः परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है। वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है।

वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अतः मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अतः इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

अमेरिका के युद्ध विराम घोषणा से निकली शांति की किरण

मनोज कुमार अग्रवाल

अमेरिका का पांच दिन के लिए एक तरफा युद्ध विराम का एलान बेहद खराब दौर में पहुंच चुके हालात में शांति का संदेश वाहक बन रहा है। मध्य पूर्व में तनाव के बीच ताजा घटनाक्रम इस ओर इशारा कर कर रहे हैं कि अब मिसाइल अटैक थमने को तैयार हैं। अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच हालिया तनाव में आया यह अल्पविराम महज एक रणनीतिक ठहराव नहीं, बल्कि वैश्विक संतुलन के लिए एक निर्णायक अवसर है। पिछले 24 दिनों से इजरायल अमेरिका और ईरान के बीच जारी भयंकर युद्ध के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा पांच दिन के लिए युद्ध विराम की घोषणा करना निःसंदेह वैश्विक स्तर पर एक राहत देने वाली खबर हैं। युद्ध जैसे विनाशकारी परिदृश्य में जब भी संवाद और विराम की संभावना बनती है, वह केवल संबंधित देशों के लिए ही नहीं बल्कि पूरी मानवता के लिए आशा की किरण लेकर आती है। ऐसे समय में जब हर दिन नई तबाही और अनिश्चितता का संदेश ला रहा था, अमेरिका की ओर से सैन्य कार्रवाई को अस्थायी रूप से रोकने का निर्णय एक महत्वपूर्ण मोड़ के रूप में देखा जा सकता है। इसमें कोई दोमत नहीं है कि अमेरिका और ईरान के बीच संभावित बातचीत और सीमित समय के। के लिए सैन्य सैन्य कार्रवाई रोकने के संकेत ने वैश्विक स्तर पर उम्मीद की एक नई किरण जगाई है। इसका कारण है कि यह केवल दो देशों के बीच टकराव का मुद्दा नहीं है, बल्कि इसका प्रभाव पूरी दुनिया अर्थव्यवस्था, राजनीति और मानवता पर पड़ रहा है।

आजकल युद्ध अब केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहते, बल्कि उनके दुष्प्रभाव पूरी दुनिया को हिला देते हैं। तेल और गैस की कीमतों में उछाल ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की नब्ज पर सीधा प्रहार किया है। विकासशील देशों के लिए यह संकट और गहरा है, जहां महंगाई पहले ही आम आदमी की कमर तोड़ रही है। ऐसे में यह युद्ध केवल तीन देशों का मसला नहीं, बल्कि पूरी मानवता के आर्थिक और सामाजिक संतुलन का प्रश्न बन चुका है। सामरिक दृष्टि से देखा जाए तो अमेरिका और इजराइल ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को गहरी चोट पहुंचाई है। उसके पूरे नेतृत्व को खत्म कर दिया।

आपको पता रहे कि ईरान के कई रणनीतिक ठिकानों और आधारभूत ढांचे को ध्वस्त कर ईरान को करीब 20 से 25 साल पीछे धकेल दिया है।अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले को अस्थायी रूप से टालने का निर्णय, भले ही पांच दिनों के लिए हो, एक महत्वपूर्ण कूटनीतिक संकेत है। यह दिखाता है कि युद्ध के बीच भी बातचीत की संभावना सरावना पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। हालांकि, इस निर्णय को लेकर कई सवाल भी उठते हैं, खासकर तब जब ईरान ने किसी भी प्रकार की प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष बातचीत से इनकार किया है। ऐसे में यह स्पष्ट है कि स्थिति अभी भी अनिश्चितताओं से भिरी हुई है। इस संघर्ष की पृष्ठभूमि को समझना आवश्यक है। माना जा रहा है कि अमेरिका ने काफी मजबूरी में युद्ध विराम का फैसला लिया है। अमेरिका शुरूआती रणनीति में यह मानकर चला था कि सीमित सैन्य कार्रवाई के बाद ईरान के भीतर बाद ईरान के भीतर जन असंतोष उभरेगा और सत्ता परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होगा। लेकिन यह आकलन गलत साबित हुआ। न तो जनता सड़कों पर उतरी और न ही सत्ता संरचना में कोई तत्काल बदलाव आया। इससे यह स्पष्ट हो गया कि बाहरी हस्तक्षेप के आधार पर किसी देश की आंतरिक राजनीति को बदलना इतना आसान नहीं है। युद्ध को आगे बढ़ाने का विकल्प अमेरिका के सामने था, लेकिन इसके साथ कई गंभीर जोखिम जुड़े थे। अफगानिस्तान और इराक के अनुभव पहले से ही अमेरिका के सामने हैं, जहां लंबे सैन्य अभियानों ने न केवल आर्थिक बल्कि राजनीतिक रूप से भी भारी कीमत वसूल की। इस पूरे घटनाक्रम में खाड़ी देशों की भूमिका भी अहम रही है। ओमान, कतर और सऊदी अरब जैसे देशों ने स्पष्ट संकेत दिए कि वे इस संघर्ष के विस्तार के पक्ष में नहीं हैं। उनके लिए यह युद्ध आर्थिक और सामरिक रूप से नुकसानदेह साबित हो सकता है। यदि ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमला होता, तो जवाबी कार्रवाई में खाड़ी क्षेत्र के तेल और गैस संसाधन भी निशाने पर आ सकते थे। इससे वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति पर गंभीर असर पड़ता। होर्मुज जलडमरूमध्य का मुद्दा भी इस संघर्ष के केंद्र में है। यह दुनिया के सबसे महत्वपूर्ण समुद्री व्यापार मार्गों में से एक है, जहां से वैश्विक तेल आपूर्ति का बड़ा हिस्सा गुजरता है। यदि यहां तनाव बढ़ता है या मार्ग पूरी तरह से अवरुद्ध होता है, तो इसका असर पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था पर पड़ना तय है। यही कारण है कि सैन्य विशेषज्ञों ने भी इस क्षेत्र में युद्धपोत भेजने के जोखिमों को लेकर चेतावनी दी है। आर्थिक दृष्टिकोण से देखें तो इस संघर्ष ने पहले ही वैश्विक बाजारों को झकझोर दिया है। तेल की कीमतों में तेजी, गैस की कीमतों में उछाल और शेयर बाजारों में अस्थिरता ने यह स्पष्ट कर दिया है कि बुद्ध केवल सीमाओं तक सीमित नहीं रहता। भारत जैसे देशों के लिए, जो ऊर्जा आयात पर निर्भर हैं, इसका सीधा असर महंगाई और आर्थिक विकास पर पड़ता है। हालांकि, जैसे ही युद्धविराम की संभावना सामने आई, बाजारों ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। तेल की कीमतों में गिरावट और शेयर बाजारों में तेजी यह दशार्ती है कि निवेशक और वैश्विक अर्थव्यवस्था स्थिरता की उम्मीद कर रहे हैं। यह एक संकेत है कि शांति केवल मानवीय दृष्टिकोण से ही नहीं, बल्कि आर्थिक दृष्टि से भी अनिवार्य है। फिर भी, यह समझना जरूरी है कि यह पांच दिनों का युद्धविराम एक स्थायी समाधान नहीं है। ट्रंप द्वारा ईरान के ऊर्जा ढांचे पर हमले टालने का निर्णय इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण संकेत है। यह फैसला दशार्ता है कि कूटनीति की खिड़की अभी बंद नहीं हुई है। पांच दिनों का यह ठहराव केवल सैन्य रणनीति नहीं, बल्कि संवाद के लिए एक संभावित दरवाजा है। यहां बता दे कि ईरान द्वारा किसी भी बातचीत से इनकार और अपनी शर्तों पर अड़े रहना यह बताता है कि रास्ता अभी आसान नहीं है। ईरान की ओर से रखी गई शर्तें,अमेरिकी सैन्य ठिकानों का बंद होना, होर्मुज जलडमरूमध्य के लिए नए नियम और मीडिया से जुड़े व्यक्तियों पर कार्रवाई स्पष्ट रूप से उसकी रणनीतिक सोच को दशार्ती हैं। यह केवल युद्धविराम नहीं, बल्कि क्षेत्रीय शक्ति संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ने की कोशिश है। दूसरी ओर, अमेरिका और उसके सहयोगी इन शर्तों को स्वीकार करने की स्थिति में शायद ही हों। ऐसे में गतिरोध की स्थिति बनना स्वाभाविक है। फिर भी, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे सकारात्मक पहलू यह है कि तनाव कम होते ही तेल की कीमतों में गिरावट आई है। अब समय आ गया है कि युद्ध की भाषा को छोड़कर बातचीत की भाषा अपनाई जाए। युद्ध विराम इतिहास के पन्नों में एक निर्णायक मोड़ बन सकता है, बशर्ते इसे समझदारी और दूरदृष्टि के साथ पूर्ण विराम में बदला जाए।हालांकि हो सकता है कि दोनों पक्ष एक-दूसरे के इरादों को परख रहे हैं। यदि बातचीत आगे बढ़ती है, तो यह एक बड़े समझौते का रास्ता खोल सकती है। लेकिन यदि यह प्रयास विफल होता है, तो संघर्ष और भी तीव्र रूप ले सकता है। इस पूरे घटनाक्रम में सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि युद्ध का कोई स्थायी समाधान नहीं होता। इतिहास गवाह है कि सैन्य संघर्ष अंततः बातचीत की मेज पर ही समाप्त होते हैं। ऐसे में यह जरूरी है कि दोनों पक्ष संयम बरतें और कूटनीतिक रास्ते को प्राथमिकता दें। मानवता के दृष्टिकोण से देखें तो युद्ध का सबसे बड़ा नुकसान आम लोगों को होता है। चाहे वह ईरान हो, इजरायल हो या कोई अन्य देश युद्ध की कीमत हमेशा निर्दोष नागरिकों को चुकानी पड़ती है। ऐसे में हर वह कदम, जो बुद्ध को रोकने की दिशा में उठाया जाता है, स्वागत योग्य है। आज जब दुनिया पहले ही कई संकटों, आर्थिक अस्थिरता, जलवायु परिवर्तन और सामाजिक तनाव से जूझ रही है, तब एक और बड़े बुद्ध की संभावना चिंता का विषय है। ऐसे समय में वैश्विक नेतृत्व की जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे शांति और स्थिरता को प्राथमिकता दें। अंततः यह पांच दिनों का विराम केवल एक अवसर है एक मौका, जिसे यदि सही दिशा में उपयोग किया जाए, तो यह स्थायी शांति की ओर पहला कदम बन सकता है। लेकिन यदि इसे खो दिया गया, तो इसके परिणाम केवल क्षेत्रीय नहीं, बल्कि वैश्विक स्तर पर गंभीर होंगे। दुनिया आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां उसे यह तय करना है कि वह टकराव का रास्ता चुनेगी या संवाद का। हकीकत यह है कि युद्ध के आंकड़ों और रणनीतियों के बीच अक्सर मानवीय पहलू दव जाता है। लेकिन वास्तविकता यह है कि हर संघर्ष के पीछे लाखों लोगों का जीवन प्रभावित होता है। विस्थापन, आर्थिक संकट, मानसिक तनाव ये सभी युद्ध के अदृश्य लेकिन गहरे प्रभाव हैं। इसलिए किसी भी निर्णय में मानवीय दृष्टिकोण को प्राथमिकता देना आवश्यक है।

बढ़ती गर्मी और जलवायु संकट का वर्तमान पर असर

कांतिलाल मांडोत

मार्च के महीने में ही जिस तरह से देश के बड़े हिस्से में भीषण गर्मी ने दस्तक दी है वह सामान्य मौसमी बदलाव नहीं बल्कि एक गंभीर चेतावनी है। उत्तर मध्य और पश्चिमी भारत के राज्यों में तापमान का तेजी से बढ़ना और लू जैसी परिस्थितियों का समय से पहले बनना यह संकेत देता है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का खतरा नहीं बल्कि वर्तमान की सच्चाई बन चुका है। जहां पहले मई और जून में हीट स्ट्रोक और लू से मौतों की खबरें आती थीं वहीं अब मार्च में ही ऐसे समाचार सामने आने लगे हैं। इससे स्पष्ट है कि मौसम का पारंपरिक चक्र असंतुलित हो चुका है और इसका सीधा असर आम आदमी के जीवन पर पड़ रहा है।

जलवायु परिवर्तन और ग्लोबल वार्मिंग के कारण वातावरण में कार्बन उत्सर्जन बढ़ा है जिससे तापमान लगातार ऊपर जा रहा है। इस बढ़ते तापमान का प्रभाव केवल गर्मी तक सीमित नहीं है बल्कि यह जीवन के हर क्षेत्र को प्रभावित कर रहा है। दिन और रात के तापमान के बीच का अंतर कम हो रहा है और रात का तापमान अपेक्षाकृत तेजी से बढ़ रहा है जिससे शरीर को राहत नहीं मिल पाती। यह स्थिति स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनती जा रही है क्योंकि लगातार गर्मी में रहने से शरीर की सहनशक्ति कम होती है और हीट स्ट्रोक जैसी समस्याएं बढ़ती हैं।

देश के पहाड़ी क्षेत्रों में भी तापमान का बढ़ना एक चिंताजनक संकेत है। हिमालय की चोटियों पर बर्फ का तेजी से पिघलना आने वाले समय में जल संकट का कारण बन सकता है। शुरूआती समय में नदियों में पानी का बहाव बढ़ता है लेकिन धीरे धीरे यह स्रोत कमजोर पड़ने लगते हैं जिससे भविष्य में पानी की कमी की समस्या गहराती है। उपग्रह आंकड़ों और वैज्ञानिक अध्ययनों से यह स्पष्ट हो चुका है कि ग्लेशियर सिकुड़ रहे हैं और यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में कई नदियों का जलस्तर प्रभावित होगा। इससे न केवल पेयजल संकट बढ़ेगा बल्कि राज्यों के बीच जल विवाद भी तेज हो सकते हैं।

स्थानीय स्तर पर भी तापमान में अचानक बढ़ोतरी के कई कारण हैं। तेजी से हो रहा शहरीकरण हरियाली की कमी और कंक्रीट के बढ़ते जंगल शहरों को गर्म द्वीप में बदल रहे हैं। पेड़ों की कटाई और जल स्रोतों के खत्म होने से प्राकृतिक संतुलन बिगड़ रहा है। इसके साथ ही मरुस्थलीय क्षेत्रों से आने वाली गर्म हवाएं उत्तर भारत के बड़े हिस्से को प्रभावित करती हैं जिससे लू का असर और तेज हो जाता है। इस बार इन हवाओं का प्रभाव जल्दी देखने को मिला है जिससे गर्मी का प्रकोप बढ़ गया है।

कृषि क्षेत्र इस बदलाव से सबसे अधिक प्रभावित हो रहा है। तापमान बढ़ने से फसलें समय से पहले पक रही हैं जिससे उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों प्रभावित हो रही हैं। सरसों जैसी फसलें जल्दी तैयार हो गई हैं और गेहूं पर भी इसका असर साफ दिखाई दे रहा है। विशेषकर देर से बोई गई फसलें अधिक प्रभावित हो रही हैं क्योंकि उन्हें पकने के समय ज्यादा गर्मी का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण उत्पादन में कमी आने की आशंका है और इसका सीधा असर किसानों की आय पर पड़ता है। बाजार में समर्थन मूल्य पर खरीद की व्यवस्था भी कई बार पर्याप्त नहीं होती जिससे किसानों को कम कीमत पर अपनी उपज बेचने के लिए मजबूर होना पड़ता है।

पानी का संकट इस पूरी स्थिति को और गंभीर बना रहा है। बढ़ती गर्मी के कारण जहां एक ओर पानी की मांग बढ़ रही है वहीं दूसरी ओर जल स्रोत तेजी से घट रहे हैं। कई राज्यों में भूजल का अत्यधिक दोहन हो रहा है जिससे जल स्तर लगातार नीचे जा रहा है। शहरों में पानी के उपयोग पर प्रतिबंध और जुमार्ने जैसे कदम उठाए जा रहे हैं लेकिन यह केवल अस्थायी समाधान हैं। यदि जल संरक्षण के स्थायी उपाय नहीं किए गए तो आने वाले समय में स्थिति और विकट हो सकती है।

पर्यावरणीय बदलाव का असर केवल इंसानों तक सीमित नहीं है बल्कि वनस्पतियों और जीव जंतुओं पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी से पेड़ों की नई कोपलें प्रभावित होती हैं और कई पौधों की वृद्धि रुक जाती है। जंगलों में आग लगने की घटनाएं बढ़ रही हैं जिससे वन्य जीवों का आवास नष्ट हो रहा है। पानी के स्रोत सूखने से जानवरों के सामने भी जीवित रहने का संकट खड़ा हो रहा है। यह पूरा पारिस्थितिकी तंत्र के लिए एक गंभीर खतरा है।

इस स्थिति से निपटने के लिए अब केवल चर्चा या चेतावनी पर्याप्त नहीं है बल्कि ठोस कदम उठाने की जरूरत है। जल संरक्षण को प्राथमिकता देनी होगी और वर्षा जल संचयन को बड़े स्तर पर लागू करना होगा। खेतों में पानी के बेहतर उपयोग के लिए आधुनिक तकनीकों को अपनाना जरूरी है। किसानों को ऐसी फसलों की ओर प्रोत्साहित करना होगा जो कम पानी में भी अच्छी पैदावार दे सकें। इसके साथ ही ऊर्जा के क्षेत्र में भी बदलाव जरूरी है। पवन और सौर ऊर्जा जैसे स्वच्छ स्रोतों को बढ़ावा देना होगा ताकि प्रदूषण कम हो और तापमान वृद्धि पर नियंत्रण पाया जा सके।

सामाजिक स्तर पर भी जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। लोगों को पानी के सही उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जिम्मेदार बनाना होगा। शहरों में हरियाली बढ़ाने और पेड़ लगाने के प्रयासों को तेज करना होगा ताकि तापमान को नियंत्रित किया जा सके। इसके साथ ही सरकार और समाज दोनों को मिलकर एक दीर्घकालिक रणनीति बनानी होगी जिससे इस बढ़ते संकट का प्रभाव कम किया जा सके।

अंततः यह स्पष्ट है कि बढ़ती गर्मी और जलवायु परिवर्तन का संकट अब हमारे सामने खड़ा है और इसका प्रभाव हर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। यदि समय रहते सही कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में यह समस्या और भी गंभीर रूप ले सकती है। इसलिए जरूरी है कि हम सभी मिलकर इस चुनौती का सामना करें और अपने पर्यावरण को सुरक्षित रखने के लिए जिम्मेदारी से कार्य करें।

(वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार स्तम्भकार)

संक्षिप्त समाचार

फ्रांस के राष्ट्रपति ने लेबनान की संप्रभुता का सम्मान करने की अपील की

पेरिस, एजेंसी। पश्चिम एशिया में उपजे तनाव के बीच इस्राइल ने लेबनान पर भी ताबड़तोड़ हमले किए हैं। ईरान और अमेरिका-इस्राइल के टकराव के बीच लेबनान में हो रही बमबारी को लेकर फ्रांस ने चिंता जताई है। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि लेबनान की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। बता दें कि तनावपूर्ण हालात के बीच 22 देशों ने ईरान से युद्ध रोकने की अपील की है। भारत की संसद से पीएम मोदी ने भी शांति की अपील करते हुए कूटनीति पर जोर दिया है। इसी बीच रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान ने मध्यस्थता की पहल की है और ईरान-अमेरिका के अधिकारी इस्लामाबाद में मिल सकते हैं। फिलहाल, 25 दिनों से बमबारी जारी है। अमेरिका, ईरान और इस्राइल में कोई भी पक्ष पीछे हटने को तैयार नहीं दिख रहा है। वैश्विक ताकतों के इस टकराव के कारण पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों में उपजा ये अभूतपूर्व मानवीय संकट और गहराने की आशंका है।

अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए 'लेवल 4 : यात्रा न करें' चेतावनी जारी की

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग ने नागरिकों को इराक तुरंत छोड़ने की चेतावनी दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक ईरान समर्थित आतंकवादी मिलिशिया ने इराक और कुर्दिस्तान क्षेत्र में अमेरिकी ठिकानों पर हमले किए हैं। अमेरिका का आरोप है कि अमेरिकी लोगों को निशाना बनाया जा रहा है, ऐसे में मिसाइलों, ड्रोन और रॉकेटों के जोखिम के चलते दूतावास या वाणिज्य दूतावास जाने से बचें। सभी कांसुलर सेवाएं निलंबित हैं इराक जाने से बचने की अपील करते हुए अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए 'लेवल 4 : यात्रा न करें' चेतावनी जारी की है। शनिवार को विदेश विभाग ने विश्वव्यापी चेतावनी भी जारी की थी। इसमें ईरानी समर्थकों द्वारा अमेरिकी नागरिकों को निशाना बनाने की आशंका जताई गई। अमेरिकियों को मध्य पूर्व सहित दुनिया भर में अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह दी गई।

ऑस्ट्रेलिया :16 साल से कम उम्र के बच्चों के इलेक्ट्रिक मोबिलिटी डिवाइस चलाने पर लगेगा प्रतिबंध

सिडनी , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य में नए सुरक्षा कानूनों के तहत 16 साल से कम उम्र के बच्चों को इलेक्ट्रिक मोबिलिटी डिवाइस (जैसे ई-बाइक और ई-स्कूटर) चलाने की अनुमति नहीं होगी। यह फैसला मंगलवार को घोषित किया गया। राज्य सरकार ने बताया कि ई-मोबिलिटी सुरक्षा पर बनी संसदीय समिति की सभी 28 सिफारिशों को पूरी तरह या सिद्धांत रूप में स्वीकार कर लिया गया है। इनमें 16 साल से कम उम्र के बच्चों पर प्रतिबंध भी शामिल है। क्वींसलैंड के परिवहन मंत्री ब्रेंट मिकेलबर्ग ने कहा कि सरकार जल्द ही इन सिफारिशों को कानून बनाने के लिए संसद में पेश करेगी। नए नियमों के मुताबिक, ई-बाइक और ई-स्कूटर चलाने के लिए कम से कम क्वींसलैंड का लर्नर ड्राइविंग लाइसेंस होना जरूरी होगा। यह लाइसेंस 16 साल की उम्र में मिलता है, जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि चलाने वाले को ट्रैफिक नियमों की जानकारी हो। जांच में सामने आया कि साल 2025 में क्वींसलैंड में ई-मोबिलिटी से जुड़े हादसों में 12 लोगों की मौत हुई और 6,300 लोग घायल हुए।

अमेरिका को मिलेगा सऊदी और यूएई का साथ! ईरान के खिलाफ युद्ध में उतर सकते हैं 2 और देश

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध अब और भीषण होने जा रहा है। खबर है कि ईरान के खिलाफ युद्ध में सऊदी अरब और यूएई यानी संयुक्त अरब अमीरात युद्ध में शामिल होने की तैयारी कर रहे हैं। हालांकि, अब तक इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। अमेरिका के खिलाफ ऐक्शन में ईरान ने यूएई समेत कई जगहों पर धमाके किए थे। लॉल स्ट्रीट जनरल के अनुसार, सऊदी अरब और यूएई ने ईरान युद्ध में शामिल होने के लिए कुछ कदम उठाए हैं। मामले के जानकारों ने अखबार को बताया कि सऊदी अरब ने किंग फाहद एयर बेस तक अमेरिका को पहुंच प्रदान करने में सहमति जताई है। खास बात है कि सऊदी अरब लंबे समय से कहता आ रहा है कि उसके एयर बेस का इस्तेमाल पुराने दुश्मन पर हमले के लिए नहीं किया जा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, कहा जा रहा है कि यूएई ने ईरान के मालिकाना हक वाले एक अस्पताल और क्लब को बंद कर दिया है। माना जा रहा है कि तेहरान के लिए ये ठिकाने बेहद अहम थे। अखबार के अनुसार, कुछ वीडियोज से जाहिर तौर पर यह भी पता चला कि ईरान पर हमले में इस्तेमाल की गई मिसाइलें बहरीन से दागी गई थीं। कूटनीतिक मोर्चे पर सऊदी अरब ने ईरान के सैन्य अटैची और चार दूतावास कर्मचारियों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। सऊदी अरब ने ईरान पर अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता के उल्लंघन का आरोप लगाया है।

ट्रम्प ने रक्षामंत्री के कहने पर ईरान पर हमला किया

उपराष्ट्रपति वेंस इससे खुश नहीं थे ; ईरान को एटमी हथियार बनाने से रोकना था

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक कार्यक्रम के दौरान कहा कि ईरान पर हमले को लेकर सबसे पहले उन्होंने अपने रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ से बात की थी। उन्होंने कहा कि पीट ने कहा, चलिए सैन्य कार्रवाई करके देखते हैं। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध को चार हफ्ते होने वाले हैं। फिलहाल युद्ध थमने का कोई रास्ता नजर नहीं आ रहा है। अब डोनाल्ड ट्रंप भी इस युद्ध का ठीकरा अपने ही रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ पर फोड़ रहे हैं। उन्होंने सोमवार को ही एक कार्यक्रम में कहा कि उनके डिफेंस सेक्रेटरी हेगसेथ ने ही सबसे पहले इस सैन्य कार्रवाई का दबाव डाला था। ट्रंप ने अपने साथ ही बैठे हेगसेथ से कहा, पीट, मुझे लगता है कि इस बारे में हम दोनों ने ही सबसे पहले बात की थी और आपने कहा था कि चलो करके देखते हैं। आपने कहा था कि उन्हें (ईरान) इस तरह से परमाणु हथियार रखने की छूट नहीं दी जा सकती। बता दें कि ईरान पर अमेरिका के हमले को लेकर डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन भी अलग-अलग जवाब देता है। वहीं जानकारों का कहना है कि इजरायल ईरान पर हमला कर रहा था और ऐसे में अमेरिका को भी उसके साथ कूदना पड़ा। अन्य लोगों का कहना है कि

ईरान बड़ी संख्या में परमाणु हथियारों को तैनात करने की तैयारी कर रहा था, ऐसे में उसे रोकना जरूरी था।

समझौता चाहता है ईरान-डोनाल्ड ट्रंप : डोनाल्ड ट्रंप ने होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए ईरान को दी गई समयसीमा बढ़ा दी है, साथ ही उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले को अब पांच दिन के लिए टाल देगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि अमेरिकी दूत एक ''सम्मानित'' ईरानी नेता के साथ बातचीत कर रहे हैं और ईरान ''समझौता करना चाहता है।' वहीं ईरान के अधिकारियों ने ऐसी किसी भी बात से साफ इनकार किया और कहा कि ''ईरान की कड़ी चेतावनी के बाद'' अमेरिकी राष्ट्रपति ने पीछे हटने का निर्णय किया।

ईरान में 1500 की मौत : ट्रंप ने पत्रकारों से कहा, ''हम कोई परमाणु बम या परमाणु हथियार नहीं देखना चाहते।'' इस बीच ईरान में संघर्ष में मरने वालों की संख्या बढ़कर 1,500 से अधिक जबकि लेबनान में 1,000 से अधिक पहुंच गई है। वहीं इजराइल में 15 और 13 अमेरिकी सैन्य कर्मी मारे गए हैं। इसके अलावा, खाड़ी क्षेत्र में भी कई नागरिक मारे गए है। ईरान और लेबनान में लाखों लोग विस्थापित हुए हैं। उत्तरी इजराइल में एक संभावित हमले की सूचना के बाद मंगलवार तड़के राहत एवं बचाव टीम घटनास्थल पर पहुंचीं। 'होम फ्रंट कमांड' के अनुसार, इलाके में किसी वस्तु के गिरने की खबर मिली थी, जिसके बाद बचाव अभियान शुरू किया गया। लोगों से अपील की गई कि वे उस क्षेत्र में एकत्र न हों। इससे पहले इजराइली सेना ने चेतावनी दी थी कि ईरान की ओर से इजराइल की तरफ मिसाइलें दागी जा रही हैं। इस बीच, इजराइल की वायुसेना ने बेरूत के दक्षिणी उपनगरों पर जोरदार हवाई हमले किए। सेना का कहना है कि इन हमलों का लक्ष्य हिज्बुल्ला के ठिकाने और बुनियादी ढांचे थे, इन हमलों में किसी के हताहत होने की फिलहाल कोई सूचना नहीं है। हमलों के दौरान बहुत नीचे उड़ते लड़ाकू विमानों की आवाज़ें सुनी गईं, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। लेबनानी अधिकारियों ने कहा है कि इजराइली हमलों में अब तक लेबनान में 1,000 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है और लगभग 10 लाख लोग विस्थापित हो गए हैं।

होर्मुज से जहाज सुरक्षित निकालने के लिए ईरान ने दुनिया के सामने रखी शर्त

तेहरान, एजेंसी। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में फंसे जहाजों को निकालने का एकमात्र रास्ता ईरानी अधिकारियों से पहले से की गई बातचीत है। हाल ही में ईरान की सुरक्षा परिषद ने यह ऐलान किया है। साथ ही परिषद ने चेतावनी दी है कि अगर ईरान के तटों या द्वीपों को निशाना बनाने की कोशिश की गई, तो बड़े जलमार्गों पर नौसैनिक बारूदी सुरंगे बिछा दी जाएंगी। युद्ध के बीच स्ट्रेट के दोनों ओर बड़ी संख्या में तेल के जहाज फंसे हुए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के असार, सोमवार को परिषद ने होर्मुज को लेकर बड़ी घोषणा की है। इसमें कहा गया है कि अब गैर शत्रुतापूर्ण जहाज या नॉन हॉस्टाइल वैसल्स का स्ट्रेट ऑफ होर्मुज से गुजरना पूरी तरह से ईरानी अधिकारियों के साथ पहले से तालमेल पर निर्भर होगा। परिषद ने चेताया है कि अगर मुल्क के पावर प्लांट्स पर हमले किए जाते हैं, तो तत्काल और निर्णायक जवाब ईरानी बलों की तरफ से दिया जाएगा।

नेवल माइन्स बिछाने की धमकी : परिषद ने चेतावनी दी है कि यदि ईरानी तटों या द्वीपों को निशाना बनाने की कोई भी कोशिश की गई, तो सभी प्रमुख समुद्री व्यापारिक रास्तों पर 'विभिन्न प्रकार की नौसैनिक बारूदी सुरंगें' बिछा दी जाएंगी। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि ऐसे कदम उठाना उनका कानूनी अधिकार है और सैन्य स्तर पर स्वीकार्य भी है। परिषद ने चेताया कि कोई भी रक्षात्मक उपाय फारस की खाड़ी में समुद्री गतिविधियों पर रोक लगा देंगे, जिसके चलते स्ट्रेट

ऑफ होर्मुज जैसी स्थिति तैयार हो जाएगी। बयान में कहा गया है कि अगर समुद्री गतिविधियों में रुकावट आती है, तो इसकी जिम्मेदारी वॉशिंगटन और इजरायली शासन की होगी। परिषद ने इस बात की पुष्टि की है कि अगर जहाज सुरक्षित रूप से क्षेत्र से गुजरना चाहते हैं, तो 'ईरान के साथ समन्वय' ही एकमात्र रास्ता है। ईरान को मित्र देशों से अमेरिका की बातचीत के प्रस्ताव के संदेश मिले ईरान के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को कहा कि उसे मित्र देशों के जरिए अमेरिका की बातचीत के प्रस्ताव के बारे में संदेश मिले हैं। हालांकि, उन्होंने इस बात से इनकार किया कि युद्ध शुरू होने के बाद से ऐसी कोई बातचीत हुई है।

सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए के मुताबिक, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाकाई ने कहा, पिछले कुछ दिनों में कुछ मित्र देशों के जरिए संदेश मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि अमेरिका ने युद्ध खत्म करने के मकसद से बातचीत का प्रस्ताव दिया है। हालांकि, उन्होंने पिछले 24 दिनों से चल रहे इस थोपे गए युद्ध के दौरान अमेरिका के साथ किसी भी तरह की बातचीत या चर्चा से इनकार किया।

ईरान से तनातनी के बीच ट्रंप ने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर से फोन पर की बात

वॉशिंगटन , एजेंसी। ईरान और इजरायल-अमेरिका के बीच युद्ध से उपजी चिंताओं के बीच पाकिस्तान दोनों पक्षों के बीच सुलह कराने की कोशिश करता नजर आ रहा है। वह अमेरिका के संदेशों को ईरान पहुंचा रहा है और ईरान के जवाबों से अवगत करा रहा है। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान सेना प्रमुख जनरल आसिफ मुनीर से फोन पर बात की। व्हाइट हाउस के मुताबिक चर्चा का मुख्य विषय ईरान युद्ध था। हालांकि इस बातचीत को संवेदनशील बताते हुए अधिकारियों ने और ज्यादा बताने से इनकार कर दिया। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लिविट ने पहले कहा था कि ये संवेदनशील कूटनीतिक चर्चा है और अमेरिका मीडिया के जरिए कोई वार्ता नहीं करेगा। सूत्रों के अनुसार, मुनीर ने ट्रंप से बातचीत की और पाकिस्तान ने खुद को अमेरिकी और ईरानी वरिष्ठ अधिकारियों के बीच वार्ता की संभावित जगह के रूप में पेश किया। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बात की। एक्स पोस्ट के जरिए उन्होंने ईद-उल-फितर और नवरोज की शुभकामनाएं दीं और ईरान के लोगों के साथ अपनी सहानुभूति जताई।

शरीफ ने कहा कि दोनों पक्षों ने खाड़ी क्षेत्र की गंभीर स्थिति पर चर्चा की और तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति की जरूरत पर सहमति जताई। उन्होंने इस्लामी दुनिया में एकता और क्षेत्र में शांति स्थापित करने में पाकिस्तान की भूमिका पर भी जोर दिया। इस बीच सोमवार को ट्रंप ने कहा कि तेहरान के साथ बेहतर और सार्थक बातचीत के बाद उन्होंने हमले को पांच दिनों तक टालने की घोषणा की थी, हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि पाकिस्तान की मध्यस्थता का ट्रंप के फैसले से सीधा संबंध है या नहीं। ईरान ने सीधे अमेरिका के साथ बातचीत से इनकार किया है, लेकिन विदेश मंत्रालय ने कहा कि कुछ मित्र देशों के माध्यम से संदेश मिले हैं। विश्लेषकों के अनुसार, यह कूटनीतिक प्रयास अभी शुरुआती चरण में है और इसे पूरी तरह से संरचित वार्ता नहीं माना जा सकता।

पाकिस्तान दुनिया का नंबर वन प्रदूषित देश

वाशिंगटन, एजेंसी। पाकिस्तान को दुनिया का सबसे प्रदूषित देश घोषित किया गया है। एक शोध से पता चला है कि पाकिस्तान में खतरनाक सूक्ष्म कणों (पीएम2.5) की सांद्रता विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) द्वारा बताए गए सुरक्षित स्तर से 13 गुना अधिक है। राहत की बात यह है कि पिछले साल 13 देशों और क्षेत्रों ने अपने औसत पीएम2.5 स्तर को डब्ल्यूएचओ के मानक (5 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर से कम) पर बनाए रखा, जबकि 2024 में यह संख्या केवल 7 थी।

टॉप 3 सबसे प्रदूषित देश : स्विस वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था 'आईक्यूएयर' द्वारा मंगलवार को जारी की गई 2025 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान प्रदूषण के मामले में नंबर वन देश है। जिन 143 देशों और क्षेत्रों की निगरानी की गई, उनमें से 130 देश डब्ल्यूएचओ के सुरक्षित वायु गुणवत्ता दिशानिर्देशों को पूरा करने में विफल रहे। पाकिस्तान के बाद, बांग्लादेश दुनिया का दूसरा और

ताजिकिस्तान तीसरा सबसे प्रदूषित देश रहा। 2024 में दुनिया का सबसे प्रदूषित देश रहा चाड, 2025 में चौथे स्थान पर खिसक गया। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि पीएम2.5 के स्तर में यह गिरावट असल में सुधार नहीं, बल्कि 'डेटा की कमी' का परिणाम है। वहीं भारत इस लिस्ट में छठे स्थान पर है।

डेटा की कमी और अमेरिकी निगरानी कार्यक्रम का बंद होना : पिछले साल मार्च में, अमेरिका ने बजट की कमी का हवाला देते हुए अपने दूतावासों और वाणिज्य दूतावासों से प्रदूषण डेटा इकट्ठा करने वाले वैश्विक निगरानी कार्यक्रम को बंद कर दिया था। आईक्यूएयर रिपोर्ट की प्रमुख लेखिका क्रिस्टी चेस्टर श्रोएडर ने बताया कि मार्च में डेटा खोने से ऐसा लगा कि (चाड में) पीएम2.5 के स्तर में भारी गिरावट आई है, लेकिन वास्तविकता यह है कि हमें इसके बारे में जानकारी ही नहीं है। अमेरिका के इस फैसले ने कई प्रदूषण-ग्रस्त देशों के लिए डेटा का प्राथमिक स्रोत ही खत्म कर दिया। जानकारी के इसी अभाव के कारण बुरुंडी, तुर्कमेनिस्तान और टोगो जैसे देशों को 2025 की रिपोर्ट से बाहर कर दिया गया है। दुनिया का सबसे प्रदूषित शहरः भारत का लोनी शहर 2025 में दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर रहा, जहां औसत पीएम2.5 स्तर 112.5 माइक्रोग्राम दर्ज किया गया। इसके बाद चीन के शिनजियांग क्षेत्र का होटन शहर 109.6 माइक्रोग्राम के साथ दूसरे स्थान पर रहा। यह चिंताजनक है कि दुनिया के शीर्ष 25 सबसे प्रदूषित शहर केवल भारत, पाकिस्तान और चीन में ही स्थित हैं। शहरों का गिरता स्तरः 2025 में दुनिया के केवल 14% शहरों ने डब्ल्यूएचओ के मानकों को पूरा किया, जो कि एक साल पहले (17%) के मुकाबले कम है। इसका एक बड़ा कारण कनाडा के जंगलों में लगी आग थी, जिसने अमेरिका और यूरोप तक पीएम2.5 के स्तर को बढ़ा दिया। ला नीना मौसम प्रणाली के कारण बढ़ी नमी और हवाओं के चलते लाओस, कंबोडिया और इंडोनेशिया में पिछले वर्ष की तुलना में पीएम2.5 में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई।

मध्य पूर्व में हिंसा की बड़ी कीमत चुका रहे बच्चे, संघर्ष में अब तक 2,100 से ज्यादा हताहत : संयुक्त राष्ट्र

न्यूयार्क, एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते सैन्य संघर्ष के बाद से अब तक 2,100 से अधिक बच्चे या तो मारे जा चुके हैं या घायल हुए हैं। यह जानकारी संयुक्त राष्ट्र बाल कोष (यूनिसेफ) के उप कार्यकारी निदेशक टेड चैबन ने दी। उन्होंने न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि संघर्ष शुरू हुए 23 दिन हो चुके हैं और इस दौरान पूरे क्षेत्र के बच्चे सबसे ज्यादा नुकसान झेल रहे हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर यह लड़ाई और लंबी चली या बड़े स्तर पर फैल गई, तो लाखों और बच्चों के लिए स्थिति बेहद भयावह हो सकती है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, उन्होंने बताया कि मारे गए लोगों में 206 बच्चे ईरान में, 118 लेबनान में, चार इजरायल में और एक कुवैत में शामिल हैं। उन्होंने बताया कि युद्ध शुरू होने के बाद से हर दिन औसतन 87 बच्चे या तो मारे जा रहे हैं या घायल हो रहे हैं। मौत और चोटों के अलावा, लगातार हो रही बमबारी और लोगों को जगह खाली करने के आदेशों के कारण कई देशों में बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। ईरान में संयुक्त राष्ट्र शरणार्थी एजेंसी के अनुमान के मुताबिक करीब 32 लाख लोग विस्थापित हुए हैं, जिनमें लगभग 8 लाख 64 हजार बच्चे शामिल हैं। वहीं लेबनान में 10 लाख से ज्यादा लोग अपने घर छोड़ चुके हैं, जिनमें करीब 3 लाख 70 हजार बच्चे हैं। चैबन ने कहा कि इस संघर्ष के बढ़ने से पहले ही मध्य पूर्व में लगभग 4 करोड़ 48 लाख बच्चे ऐसे हालात में रह रहे थे, जो पहले से ही संघर्ष से प्रभावित थे। हाल ही में लेबनान के अपने दौरे का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि वहां की स्थिति बेहद चिंताजनक है और पूरे क्षेत्र में जो हो रहा है, उस पर दुनिया का पूरा ध्यान और मिलकर कार्रवाई जरूरी है। लेबनान में 350 से ज्यादा सरकारी स्कूलों को राहत शिविर बना दिया गया है, जिससे करीब 1 लाख बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई है। इसके अलावा पानी की व्यवस्था खराब हो गई है और लोगों की मदद करते समय कई स्वास्थ्यकर्मियों की मौत भी हुई है। यूनिसेफ ने अब तक 250 से ज्यादा शिविरों और दूर-दराज के इलाकों में 1 लाख 51 हजार विस्थापित लोगों तक जरूरी सामान पहुंचाया है। साथ ही 188 शिविरों में करीब 46 हजार लोगों को पानी और साफ-सफाई की सुविधा दी जा रही है। लेकिन उन्होंने चेतावनी दी कि जरूरतें बहुत तेजी से बढ़ रही हैं और उपलब्ध संसाधन कम पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, 'हम सभी पक्षों को अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून के तहत उनके दायित्वों की याद दिलाते हैं। जैसा कि महासचिव ने संकेत दिया है हमें इस युद्ध को रोकने और आगे बढ़ने के लिए एक राजनीतिक रास्ते की जरूरत है।

ईरान और अमेरिका के बीच दूरी मिटाने में जुटे ये मुस्लिम देश, इस्लामाबाद में हो सकती है मध्यस्थता बैठक

इस्लामाबाद, एजेंसी। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव को खत्म करने की कोशिशें लगातार जारी हैं। इस बीच रॉयटर्स की एक रिपोर्ट में दावा किया गया है कि इस सप्ताह इस्लामाबाद में अमेरिका और ईरान के वरिष्ठ अधिकारियों की बैठक होने की संभावना है।

रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से ईरान के ऊर्जा संयंत्रों पर हमले रोकने के एलान के बाद कूटनीतिक गतिविधियों में तेजी आई है। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि ईरान के साथ सकारात्मक बातचीत की वजह से हमलों को पांच दिन के लिए रोका गया है।

कौन से मुस्लिम देश कर रहे जंग खत्म करने के कूटनीतिक प्रयास : रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि पाकिस्तान, तुर्किये और मिस्र पर्दे के पीछे रहकर दोनों देशों को बातचीत की मेज पर लाने की कोशिश कर रहे हैं। एक वरिष्ठ इस्राइली अधिकारी ने बताया कि इस्लामाबाद में बैठक आयोजित करने के लिए संपर्क जारी हैं, जिसमें अमेरिका और ईरान के शीर्ष प्रतिनिधि शामिल हो सकते हैं।

एक पाकिस्तानी अधिकारी और एक अन्य सूत्र ने बताया कि युद्ध समाप्त करने के लिए बातचीत इसी सप्ताह इस्लामाबाद में हो सकती है। पाकिस्तानी अधिकारी ने बताया कि अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस के साथ स्टीव विटकॉफ और ट्रंप के दामाद जेरेड कुशनर के इस्लामाबाद में ईरानी अधिकारियों से मिलने की उम्मीद है। रिपोर्ट में दावा- ईरानी संसद के अध्यक्ष के संपर्क में

अमेरिका इस्राइल को मध्यस्थता के लिए की जा रही इन कोशिशों की जानकारी थी, लेकिन ट्रंप के इस दावे से वह हैरान है कि बातचीत काफी आगे बढ़ चुकी है और कई मुद्दों पर सहमति बन चुकी है। हाल के दिनों में तुर्किये, मिस्र और पाकिस्तान के विदेश मंत्रियों ने अलग-अलग बैठकों में व्हाइट हाउस के दूत स्टीव विटकॉफ और ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची से चर्चा की है। इस्राइली मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर ने ईरान की संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ से भी संपर्क किया है, जो इस संघर्ष के दौरान अहम निर्णयकर्ता के रूप में उभरे हैं। एक सूत्र ने बताया कि मध्यस्थता जारी है और प्रगति हो रही है, जिसका उद्देश्य युद्ध को समाप्त करना और बाकी मुद्दों का समाधान निकालना है। ट्रंप ने किया ईरान पर सैन्य कार्रवाई रोकने का एलान इस बीच ट्रंप ने कहा कि बातचीत काफी मजबूत रही है और कई अहम बिंदुओं पर सहमति बन चुकी है। उन्होंने बताया कि कूटनीति के लिए पांच दिनों तक सैन्य कार्रवाई रोकी गई है। उन्होंने कहा कि अगर बातचीत सफल रहती है तो हम समझौते तक पहुंच जाएंगे, वरना हम फिर से कार्रवाई करेंगे। ट्रंप ने यह भी दावा किया कि ईरान ने खुद बातचीत के लिए संपर्क किया है।

टेक्सास की तेल रिफाइनरी में विस्फोट से हड़कंप, स्थानीय लोगों को घरों के अंदर रहने की सलाह

टेक्सास, एजेंसी। अमेरिका में टेक्सास तट के पास सोमवार को एक तेल रिफाइनरी में विस्फोट हुआ। इस धमाके के बाद मौके पर हड़कंप मच गया और आसमान में धुएं का भारी गुबार छा गया। प्रशासन ने एहतियात के तौर पर स्थानीय निवासियों को घरों के भीतर ही रहने का आदेश जारी किया है।

राहत बचाव कार्य जारी : यह विस्फोट ह्यूस्टन से लगभग 145 किलोमीटर पूर्व में स्थित पोर्ट आर्थर की वैलेरो रिफाइनरी में हुआ। पोर्ट आर्थर की मेयर चार्लोट एम. मोसेस ने जानकारी दी कि इस घटना में कोई भी घायल नहीं हुआ है सभी सुरक्षित हैं। उन्होंने बताया कि दमकलकर्मी मौके पर पहुंच चुके हैं और जल्द से जल्द आग पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। मेयर ने शहर के पश्चिमी हिस्से के लोगों से अपील की है कि वे घरों से बाहर न निकलें।

क्या बोले स्थानीय निवासी : सोशल मीडिया पर साझा किए गए वीडियो और तस्वीरों में रिफाइनरी से आग की लपटें और काला धुआं निकलता दिखाई दे रहा है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, धमाका इतना जोरदार था कि उनके घरों की खिड़कियां तक हिल गईं। प्रशासन ने फेसबुक के जरिए संदेश दिया है कि जब तक आपातकालीन सेवाओं की ओर से खतरा टलने की घोषणा का संकेत न मिल जाए, तब तक लोग सुरक्षित स्थानों पर ही रहें।

लोगों से सतर्क रहने की अपील : टेक्सास के राज्य प्रतिनिधि क्रिश्चियन मैनुअल ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में बताया कि 'टेक्सास कमीशन ऑन एनवायर्नमेंटल क्वालिटी' की टीम वायु निगरानी उपकरणों के साथ रिफाइनरी पहुंच गई है। उन्होंने निवासियों को सलाह दी है कि वे बाहरी गतिविधियों को सीमित करें और अपने घरों के खिड़की-दरवाजे बंद रखें।

वैलेरो की वेबसाइट के अनुसार, इस

रिफाइनरी में लगभग 770 कर्मचारी काम करते हैं और इसकी क्षमता प्रतिदिन लगभग 4,35,000 बैरल तेल संसाधित करने की है। यह प्लांट कच्चे तेल से गैसोलीन, डीजल और जेट ईंधन तैयार करता है। गौरतलब है कि यह विस्फोट ऐसे समय में हुआ है जब ईरान युद्ध के कारण वैश्विक तेल आपूर्ति में अनिश्चितता बनी हुई है और गैस की कीमतों में पहले से ही भारी उछाल देखा जा रहा है। फिलहाल वैलेरो कंपनी की ओर से इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

अमेरिका की सबसे बड़ी रिफाइनरी में से एक : वालेरो पोर्ट आर्थर रिफाइनरी टेक्स्सा गल्फ कोस्ट से लगभग 90 मील की दूरी पर स्थित है। यहां लगभग 770 कर्मचारी का मकरते हैं। एक दिन में यहां 435000 बैरेल गैसोलीन, डीजल और जेट फ्यूल रिफाइन किया जाता है। जानकारों का कहना है कि इस रिफाइनरी में आग लगने के बाद ऑपरेशन रुक सकता है। इसका असर क्षेत्रीय फ्यूल सप्लाई पर भी पड़ सकता है। एक जानकार ने अनुमान लगाया है कि हीटिंग यूनिट में विस्फोट आग लगने की वजह हो सकती है। बता दें कि ईरान से युद्ध के बीच अफवाह यह भी फैल रही है कि ईरान ने ही यह हमला किया है। हालांकि अगर ईरान की सैन्य क्षमता देखें तो उसकी मिसाइलें अमेरिका तक पहुंचने में सक्षम नहीं हैं।

उपाय जिनसे बालों में लाये जान

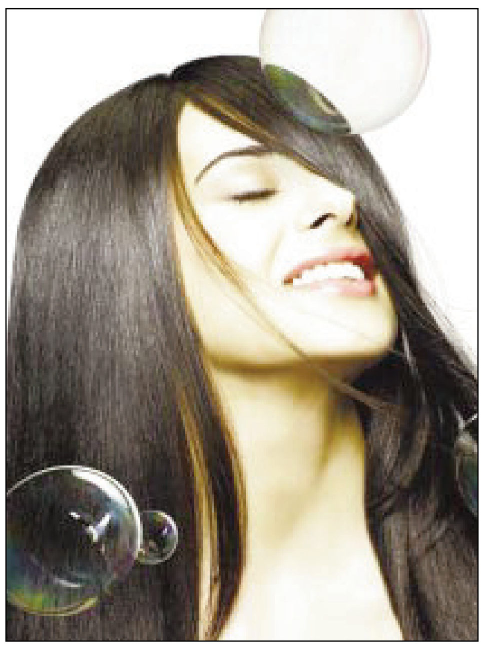

हेयर थैरेपी – आज आधुनिकता के नाम पर अनेक विकृतियां उत्पन्न हो गई हैं। जिसका सीधा असर हमारे स्वास्थ्य पर पड़ता है। बाल भी इससे अछूते नहीं है। विभिन्न शोधों से यह साबित हो चुका है कि बालों का असमय सफेद होना, झड़ना आदि समस्याओं की उत्पत्ति हमारे दोषपूर्ण आहार–विहार के फलस्वरूप स्वास्थ्य पर पड़ने वाले कुप्रभाव के कारण होती है। बालों की इन समस्याओं से मुक्ति पाने के लिए निम्न प्राकृतिक थैरेपी आजमाकर देखिए।

रिफ्लेक्सोलॉजी – मानसिक तनाव, प्रदूषण, असंतुलित हार्मोन्स, विटामिन 'बी' और 'सी' की कमी, प्रोटीन की न्यूनता, पित्त प्रकृति, अनिद्रा आदि कारणों से बाल असमय सफेद होने लगते हैं। लगातार बालों के झड़ने से अंत में सिर गंजा हो जाता है। आहार में दूध, फल, शाक, सब्जियां आदि उचित आहार लेने से बालों की इन समस्याओं से बचा जा सकता है। आवश्यक हो, तो योग्य चिकित्सक की सलाह से औषधियों द्वारा उपचार करें। दोनों हाथ के नाखूनों को आपस में पांच मिनट तक रगड़ें। प्रतिदिन रात को सोने से पहले नाक के दोनों छिद्रों में दो–दो बूंद गाय का घी डालने से बालों की जड़ें मजबूत होंगी तथा बालों का झड़ना बंद हो जाएगा।

ध्यान – ध्यान मानसिक तनाव दूर करने में मदद करता है। ध्यान साधना करने वाले कभी भी विचलित नहीं होते। इसके लिए प्रात: का समय सबसे उपयुक्त रहता है। सुखासन में शांत चित्त से बैठकर दोनों हथेली खुली आकाश की ओर करके घुटनों पर रखें। आंखें बंदकर मांसपेशियों को ढीला छोड़ दें फिर आई ब्रो को पूरी ताकत से ऊपर उठायें 20 सेकण्ड बाद पूरी ताकत से नीचे लाये। प्रतिदिन 40 बार करें धीरे–धीरे अपनी क्षमतानुसार समय बढ़ाते जायें।

मालिश – बालों के लिए जितने जरूरी पोषक तत्व है उतना ही आवश्यक है तेल द्वारा मालिश। सप्ताह में कम से कम दो बार नारियल तेल, जवाकुसुम तेल या किसी आयुर्वेदिक तेल से बालों की जड़ों में अच्छे से मालिश करें। इससे रक्त संचार सुचारू होगा। बालों को काला, घना मजबूत और चमकीला बनाए रखने के लिए यह उपयोगी उपचार है। हमेशा स्वयं की कंघी इस्तेमाल करें। सीधी दिशा में कंघी करके विपरीत दिशा में भी कंघी करें। जाड़े में सरसों के तेल से और ग्रीष्म में तिल के तेल से मालिश करें।

योग – शीर्षासन और सर्वांगासन जैसे आसन नियमित करने से सिर के बालों को चमत्कारिक लाभ होता है। इन आसनों से रक्त संचरण की क्रिया में त्वरित गति आती है और बालों तथा सिर के स्नायुओं को पोषण मिलता है। अगर युवावस्था में उपर्युक्त दोनों आसन नियमित रूप से किए जाएं तो बालों को भरपूर पोषण और स्वास्थ्य प्राप्त होता है।

बालों को मजबूत बनाने के उपाय – बालों को धीमें हाथों से मसलकर व्यायाम दें, इससे आप ऊबेंगे नहीं, बालों को थोड़ा विभाजित करते जाएं। विभाजित बालों को पकड़कर धीरे–धीरे खींचे। धीमें हाथों से सिर के बालों को ठोकिए, थपथपाइए। ऐसा करने से बाल की जड़ों के रोम छिद्र खुल जाते है। रक्त संचरण की गति तेज हो जाने से बालों की जड़ों के, समीपवर्ती सूक्ष्म अवयवों में पर्याप्त रक्त प्रवाह होता है और उनकी रोग प्रतिकारक शक्ति बढ़ जाती है।

गेहूं की खीर

सामग्री : 1 कप गेहूं, 1/2 कप गुड़, 1/2 लीटर दूध, 1 चम्मच घी, इलायची पाउडर और ड्राईफ्रूट।

विधि : सब से पहले गेहूं 4 घंटे पानी में भीगने दें। उस के बाद गेहूं पानी से निकाल कर कपड़े पर सुखाएं। (थोड़ा सा गीला ही रहने दें।) गेहूं मिक्सी में दरदरे पीस लें। इस से गेहूं के छिलके निकल जाएंगे।

इस के बाद कड़ाही में घी डाल कर गेहूं भून लें। फिर इस में 2 कप गरम पानी डाल तक पका लें। गेहूं के पकने पर इस में गुड़ और दूध डाल कर चलाते रहें। खीर गाढ़ी होने पर आंच से उतारें और उस में ड्राईफ्रूट मिलाएं।

अधिक उम्र पर भी बचें झुर्रियों से

प्रदूषण, धूल–मिट्टी, तनाव, धूप और दौड़भाग न जाने कितनी चीजों का सामना हमारी त्वचा को प्रतिदिन करना पड़ता है। ऐसे में समय रहते उचित देखभाल न करने से उम्र के पहले ही चेहरे पर झुर्रियों पड़ जाती हैं। चिरयुवा बने रहने तथा सौंदर्य कायम रखने में सबसे बड़ी बाधा हैं झुर्रियों की समस्या। बढ़ती उम्र के निशान सबसे पहले चहरे पर ही नजर आते हैं। यदि त्वचा की उचित तरीके से देखभाल की जाए तो वर्षो तक चेहरा स्निग्ध व कमनीय बना रहेगा।

नैसर्गिक रूप से महिलायें अपने सौंदर्य के प्रति सचेत रहती हैं, कभी–कभी असमय ही झाईयां–झुरियां होने की समस्या उत्पन्न हो जाती है। आमतौर पर झुर्रियां बढ़ती उम्र की निशानी मानी जाती है लेकिन जिस तरह से हमारे खानपान व जीवनशैली में बदलाव आया है, उम्र में ही चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगी है। झुर्रियां अक्सर शरीर के भागों में होती हैं जो अक्सर खुला, नाजुक और कोमल रहता है।

कैसे पड़ती है झुर्रियां –

झुर्रियों का प्रमुख कारण त्वचा की खुश्की है। त्वचा की प्राकृतिक चिकनाई होने लगती है। जिसके कारण त्वचा और आंखों के आसपास लकीरें होने लगती है। क्रोध, चिंता, शोध, झुंझलाहट, तनाव आदि का असर त्वचा पर पड़ता है। तनावयुक्त रहने पर हमारे माथे पर सलवटें पड़ती है जिससे वहां की त्वचा में ढीलापन आकर त्वचा लटक जाती है और झुर्रियां पड़ने लगती है।

अधिक धूप आंतरिक त्वचा के लिये नुकसानदायक है। तीव्र धूप त्वचा की स्कीन को सोखकर उसे सिकोड़ देती है जो अंखों के नीचे झुर्रियों का कारण होते हैं। ठंड के प्रकोप से भी त्वचा कठोर हो जाती है और झुर्रियां नजर आने लगती है।

साबुन में मौजूद कॉस्टिक सोडा त्वचा के रहे– सहे तेल को भी सोख लेता है। जिससे कम उम्र में ही हमारे चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगती हैं। कॉस्मेटिक का अधिक उपयोग भी त्वचा के लिए हानिकारक है।

कॉस्मेटिक्स त्वचा के भीतर जाकर उसके रोमछिद्रों को अवरूद्ध कर देते है। जिससे त्वचा की सही तरीके से सफाई नहीं हो पाती और धीरे–धीरे हमारे चेहरे पर झुर्रियां नजर आने लगती है।

कहां होती है झुर्रियां –

झुर्रियां अक्सर हमारे चेहरे और गर्दन पर होती है। चूँकि ये शरीर के वे भाग हैं, जो सबसे ज्यादा धूप व बाहरी वायु के सम्पर्क में होते है। आंखों के नीचे से शुरू होकर झुर्रियां गर्दन के आसपास भी होने लगती है।

झुर्रियों से बचाव तथा उपचार–

झुर्रियों से मुक्ति पाने का एकमात्र व सर्वश्रेष्ठ उपाय है, इससे बचाव। झुर्रियों से त्वचा को बचाने के लिए हमें अपने खानपान व जीवनशैली पर विशेष ध्यान देना होगा।

- प्रोटीन तथा तैलीय तत्वों से युक्त भोजन लें, किन्तु वह गरिष्ठ न हो इसका भी ध्यान रखें। बादाम, गाजर व आंवले का सेवन अत्यंत लाभप्रद है।
- नियमित व्यायाम करें। योग अभ्यास से भी त्वचा कसावदार व कांतिपूर्ण होती है।
- त्वचा को रूखा न रहने दें मलाई या माइश्चराइजर का प्रयोग करें। चेहरे के लिए हमेशा ग्लिसरीनयुक्त साबुन का प्रयोग करें।
- नियमित रूप से चेहरे की मालिश झुर्रियां रोकने में सहायक है।
- तनाव चिंता से दूर रहें दैनिक व्यवहार में सौम्य व प्रसन्न रहें।
- पानी भरपूर पिएं।

झुर्रियां समाप्त करने के नुस्खे:

- कच्चे दूध से चेहरा साफ करने तथा फेस पैक में शहद और संतरे का रस मिलाकर लगाने से त्वचा में निखार आता है।
- नीम, पुदीना, तुलसी की पत्ती का पाउडर और मेथी पाउडर एंटीसेप्टिक का काम करता है। लाल चंदन शीतलता और चिकनाहट प्रदान करता है।
- टमाटर और नीबू का रस मिलाकर शरीर पर लगाएं। नहाते समय इस लेप को रगड़कर छुड़ा दें। कुछ सप्ताह तक ऐसा करने से त्वचा कोमल हो जाती है।
- शहद में मलाई और नीबू का रस मिलाकर अच्छी तरह मिक्स कर चेहरे व आंखों के नीचे लगाएं। इससे आंखों के नीचे का कालापन दूर होकर झुर्रियां समाप्त होती है।
- मूली कसकर रस निकालें व समान मात्रा में मक्खन मिलाकर चेहरे व गर्दन पर लगाएं, एक घण्टे बाद कुनकुने पानी से धो लें।
- गरम पानी में संतरे के छिलके डाल दें, रात भर पड़ा रहने दें। सुबह इसी पानी से चेहरा धोएं । ऐसा करने से त्वचा में कसाव आता है।
- पपीते का गुदा मसलकर चेहरे पर लगाएं। कुछ देर बाद चेहरा साफ कर लें। कुछ दिन लगातार ऐसा करने से झुर्रियों से मुक्ति मिलती है।
- आधा चम्मच मलाई में नींबू की चार– पांच बूंदे मिलाकर सोने से पहले चेहरे पर अच्छी तरह मलें। दोनों हाथों से मलाई तब तक मलते रहें जब तक कि मलाई घुलकर त्वचा में एकसार न हो जाए।
- खीरे को कद्दूकस कर चेहरे पर लगाने से त्वचा कांतिमय होती है।
- त्वचा की झुर्रियां मिटाने के लिए गाजर, टमाटर और चुकंदर का रस नियमित पिएं।
- ई और ओ बोलते हुये एक बार चेहरे को फैलाएं और फिर सिकोड़ें। इससे गालों का अच्छा व्यायाम होता है। जिसमें गालों की पुष्टि होती है और झुर्रियों से बचाव।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष – चू चे चो ला ली लू ले लो आ
कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान–सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। मेल–मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक–5–6–9

वृष – इ उ ए ओ वा वी वू वे वो
अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें। वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा। किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव। सुख आरोग्य प्रभावित होगा। प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आय–व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक–2–6–8

मिथुन – का की कू घ ड छ के को हा
यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा। शुभांक–4–7–9

कर्क – ही हू हे हो डा डी डू डे डो
लेन–देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन–देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक–1–3–5

सिंह – मा मी मू मे मो टा टी टू टे
दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे। आलस्य का त्याग करें। पुरुषार्थ का सहारा लें। मेल–मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। शुभांक–2–6–8

कन्या – टो पा पी पू ष ण ठ पे पो
विवाद समाप्त होंगे। शुभ संदेशों से मन खिला–खिला रहेगा। परेशानीयां स्वत: ही दूर होती प्रतीत होगी। अध्ययन में रुचि पैदा होगी। अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे। समाज में मान–सम्मान बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करे। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। शुभांक–3–7–8

तुला – रा री रु रे रो ता ती तू ते
शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभांक–3–5–7

वृश्चिक – तो ना नी नू ने नो य यी यू
आवेश में आना आपके हित में नही होगा इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियत्रंण रखें। पठन–पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी। सलाह उपयोगी सिद्ध होगी। विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी। शुभांक–5–6–8

धनु – ये यो भा भी भू धा फा ढा भे
व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। आलस्य का त्याग करें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन–देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। स्त्री–संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक–2–6–8

मकर – भे जा जी खी खू खे खो गा गी
समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन–देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक–4–6–7

कुंभ – गू गे गो सा सी सू से सो दा
मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक–3–5–8

मीन – दी दू थ झ ञ दे दो चा ची
जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। इच्छित कार्य सफल होंगें। शुभांक–2–5–7

काकुरो पहेली - 2017

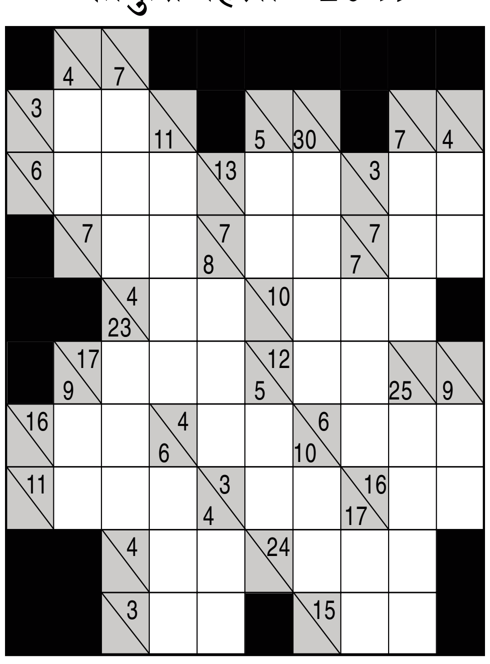

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुन: उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

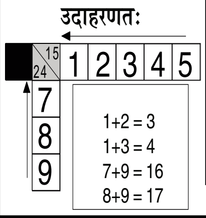

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2016 का हल

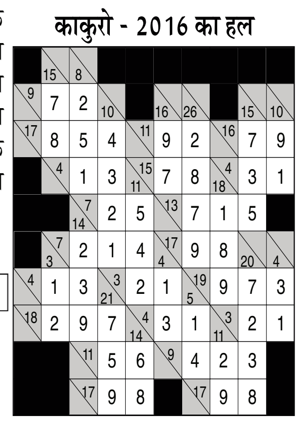

लॉफिंग जोन

एक शराबखोर पति अपने क्लब की मीटिंग में गया हुआ था। आधी रात बितने के बाद घर पहुँचा तो पत्नी ने उसका आदर के साथ स्वागत किया। इससे पति खुश हो गया और बोला– पता है! आज क्लब में शराब की प्रतियोगिता हुई थी।

पत्नी– अच्छा तो पहले नंबर पर कौन रहा?

पति बोला– मेरे अलावा कौन जीत सकता था भला।

❑ ❑ ❑

एक शादीशुदा शायर की मुलाकात अपनी पुरानी गर्लफ्रेंड से हुई। शायर ने कहा– मुलाहिजा फरमाएँ : ये चाँद तारे अब अच्छे नहीं लगते, रोज–रोज के बहाने अब अच्छे नहीं लगते। खुदा करे इस साल हो जाए आपकी शादी, क्योंकि अब आप कुँवारे अच्छे नहीं लगते।

गर्लफ्रेंड ने कहा– वाह वा..! वाह वा...! क्या आप करेंगे मुझसे शादी।

❑ ❑ ❑

गीता अपनी सहेली सीता से बोली– पता है मेरे पति के अलावा आज तक किसी गैरपुरुष ने मुझे एक किस तक नहीं किया।

सीता– अरे वा! तो तुम खुद पर गर्व कर रही हो या अफसोस?

❑ ❑ ❑

फिल्म वर्ग पहेली - 2017

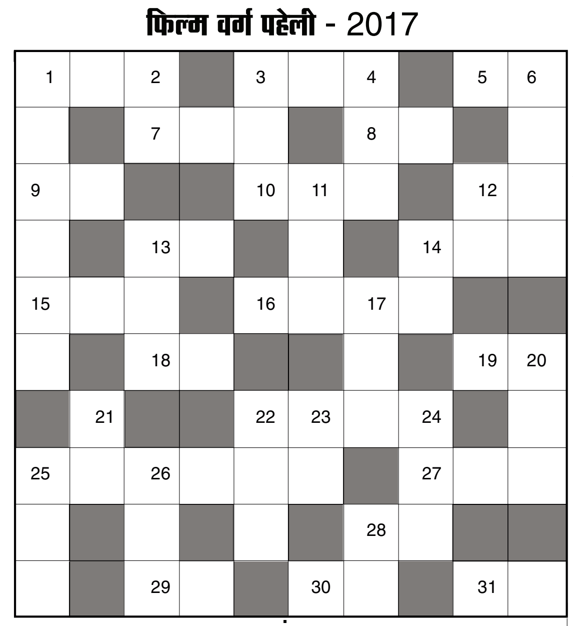

बायें से दायें:–

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म–३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म–३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म–२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म–३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?–२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म–२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म–३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म–२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म–२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म–३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म–३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म–४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म–२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म–२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म–४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म–३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म–३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म–२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी–२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म–२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म–२

ऊपर से नीचे:–

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म–२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका–२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म–३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म–३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म–४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म–१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म–२
१३.'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म–३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म–२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म–३
२०.फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी?–३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था–२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म–३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म–२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म–३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म–३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म–३
२८.'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म–२

फिल्म वर्ग पहेली- 2016

सूडोकु -2017

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2016 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

शब्द पहेली - 2017

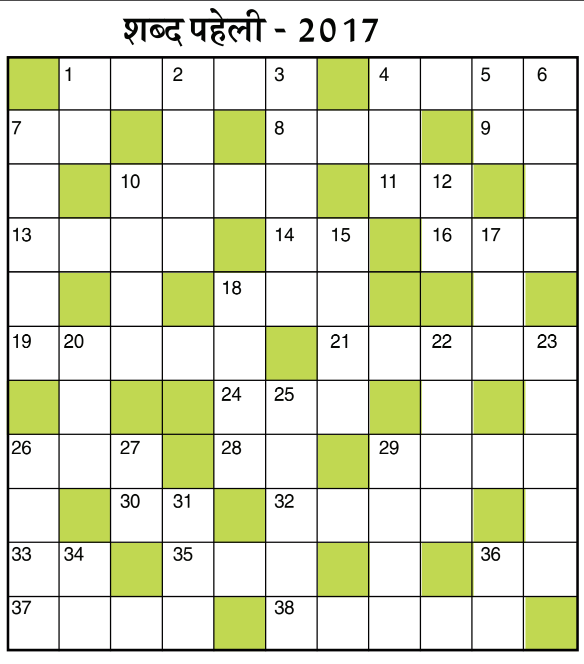

बाएँ से दाएँ

1.फिल्म 'बॉबी' के निर्माता–निर्देशक –2,3
4.आश्चर्य, विलक्षणता–4
7.जीत, फतेह–2
8.आकाश रेखा, छोर–3
9.तल, पैंदा–2
10.थाती, धरोहर–4
11.मोटा आटा–2
13.सलाह, मशवरा–4
14.अन्य, वो, तिन–2
16.घर,गृह–3
18.धावक (अंग्रेजी–3)
19.नाम रखना–2,3
21.परामर्शदाता–5
24.सुनसान, नीरव–3
26.वन, जंगल–3
28.मिट्टी, रेत–2
29.चेतनाहीन–4
30.पराग कण–2
32.भयभीत होना–4
33.छोटी सवारी गाड़ी–2
35.फूलों का हार जो बालों में लगाते हैं,वेणी–3
36.द्वार,किवाड़–2
37.जनता की राय–4
38.नाटक लिखने वाला–5

ऊपर से नीचे

1.मत, सलाह–2
2.करतब–4
3.वह जंगल जो संरक्षित हो–3,2
4.अनश्वर, चिरयुवा–3
5.लीन, मग्न–2
6.जलाऊ लकड़ी–4
7.रनिवास 3,2
10.मूर्ख (उर्दू–4)
12.बांया–2
15.आनंदित होना–4
17.शत्रुघ्न सिन्हा व रीना राय की फिल्म–3
18.योद्धा–4
20.अमिताभ के तिहरे रोल वाली फिल्म–3
22.मुआवजा–4
23.चित्रपट, फिल्मी दुनिया–3,2
25.राज वंश–2,3
26.काम, कार्य–4
27.मादा का विलोम–2
29.उपद्रव फैलाने वाला–4
31.दुनिया, जहान–3
34.क्रिकेट में बनते हैं–2
36.पंख, पराया–2

शब्द पहेली -2016 का हल

उपमुख्यमंत्री पाठक ने उत्तर भारत के सबसे बड़े बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेंटर का किया उद्घाटन

एजेंसी

नोएडा। ग्रेटर नोएडा के नॉलेज पार्क स्थित शारदा केयर हेल्थिसिटी अस्पताल में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने उत्तर भारत के सबसे बड़े बोन मैरो ट्रांसप्लांट सेंटर का उद्घाटन किया। इस मौके पर उपमुख्यमंत्री पाठक ने बॉलीवुड की फिल्म धुरंधर-2 की आलोचना करने पर समाजवादी पार्टी पर प्रहार किया। उपमुख्मंत्री पाठक ने कहा कि साहित्यकारों ने फिल्म बनाई है। अगर निशाना साधा जा रहा है तो यह तुच्छ मानसिकता को दर्शाता है। पाठक ने कहा कि एशिया के सबसे बड़े एयरपोर्ट का प्रधानमंत्री 28 मार्च को उद्घाटन करने आ रहे हैं। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से जनपद के हजारों लोगों को नौकरी मिलेगी। समाजवादी पार्टी (सपा) पर तीखा हमले बोलते हुए कहा कि कुछ भी कर लें, उनका कुछ भी होने वाला नहीं है। सबको याद है कि उनके समय में गुंडों और माफिया का राज रहता था। चार कार्यकाल जनता ने देखे हैं। नोएडा वालों को समाजवादी पार्टी अच्छे से याद होगी।

गंगा नदी के संरक्षण और स्वच्छता के लिए गंगा प्रहरी कैडर गठित: राज भूषण चौधरी

नई दिल्ली। केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने बताया कि गंगा नदी के संरक्षण और स्वच्छता के लिए स्थानीय समुदाय और युवा वर्ग को जोड़ने के लिए नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा के अन्तर्गत गंगा प्रहरी कैडर गठित किया गया है। इस कैडर का मुख्य उद्देश्य आम जन मानस को गंगा नदी के संरक्षण और स्वच्छता के लिए जागरूक किया जाना है ताकि इस मिशन में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जा सके। केंद्रीय मंत्री चौधरी ने यह जानकारी राज्यसभा सांसद इंदु बाला गोस्वामी को उनके पूछे गए सवाल के जवाब में सदन में दी है। केंद्रीय मंत्री चौधरी ने बताया कि इस इस मिशन के अन्तर्गत विभिन्न जागरूकता अभियान चलाये गए हैं और पिछले तीन सालों में इन जागरूकता अभियानों पर कुल 17.68 करोड़ रूपये खर्च किये गए हैं। उन्होंने बताया कि नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा के तत्वावधान में गंगा नदी के संरक्षण और स्वच्छता के लिए स्थानीय समुदाय और युवा वर्ग को जोड़ने के लिए गंगा नदी के तटों पर गंगा उत्सव, स्वच्छता पखवाड़ा, घाट पर योग, विश्व पर्यावरण दिवस और स्वच्छता अभियान आयोजित किये गए हैं। उन्होंने बताया कि इस उदेश्य के लिए नेशनल मिशन फॉर क्लीन गंगा ने सीमा सुरक्षा बल के साथ समवन्य कर देवप्रयाग से गंगा सागर तक आल वीमेन रीवर राफ्टिंग का आयोजन किया। उन्होंने बताया कि इस मिशन ने गंगा नदी के जीर्णोद्धार में बच्चों और छात्रों को जोड़ने के लिए विभिन्न विश्विद्यालयों, कॉलेजों, प्रशिक्षण संस्थानों और सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट के साथ भागीदारी शुरू की है।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले आठवले

नई दिल्ली। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आठवले) के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री रामदास आठवले ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मुलाकात की। इस अवसर पर आठवले ने तीसरी बार राज्यसभा सदस्य के रूप में अवसर प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री का आभार जताया। आठवले ने कहा कि उनके प्रति प्रधानमंत्री के विश्वास और मार्गदर्शन का प्रतीक है, जिसे वे पूर्ण निष्ठा के साथ निभाते रहेंगे। वे भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर देश में सामाजिक न्याय, समावेशी विकास और वंचित वर्गों के सशक्तीकरण के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे। भेंट के दौरान उन्होंने अनुसूचित जाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति में वृद्धि का विषय भी प्रधानमंत्री के समक्ष रखा, जिससे इन वर्गों के युवाओं को शिक्षा एवं रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हो सकें। आठवले ने संविधान निर्माता डॉ. भीमराव आंबेडकर के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षा, समानता और सामाजिक न्याय एक सशक्त राष्ट्र की आधारशिला हैं।

खरगे ने रिजिजू को लिखा पत्र, नारी वंदन अधिनियम पर सर्वदलीय बैठक की मांग

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू को पत्र लिखकर प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि नारी वंदन अधिनियम-2023 के क्रियान्वयन और सरकार द्वारा प्रस्तावित नए संवैधानिक संशोधन पर सभी दलों को चर्चा का अवसर मिलना चाहिए। खरगे ने पत्र में उल्लेख किया कि उन्होंने 16 मार्च 2026 को रिजिजू को पहले ही पत्र लिखकर ऐसी बैठक बुलाने का अनुरोध किया था। उस समय उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में बैठक कर अधिनियम के क्रियान्वयन की रूपरेखा और रोडमैप पर चर्चा होनी चाहिए। अब सरकार द्वारा नए संशोधन की योजना के मद्देनजर विपक्षी दलों ने इस मांग को फिर से उठाया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सरकार अगर संविधान संशोधन में बदलाव करने जा रही है तो बैठक से पहले एक विस्तृत नोट जारी करे, जिसमें प्रस्तावित संशोधन की स्पष्ट जानकारी दी जाए। उन्होंने कहा कि इससे बैठक अधिक उत्पादक होगी और सभी दलों को अपनी राय रखने का अवसर मिलेगा।

राष्ट्रभक्ति सिर्फ नारों से नहीं, अपने कर्तव्यों का ईमानदारी पूर्वक निर्वहन से होती है : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। श्री गुरु गोरखनाथ सेवा न्यास और नेशनल मेडिकोज ऑर्गनाइजेशन के तत्वाधान में हुई श्रीगुरु गोरखनाथ स्वास्थ्य यात्रा 6.0 के अवसर पर कार्यकर्ता सम्मान समारोह का सीएमएस गोमतीनगर विस्तार में आयोजन हुआ। सर्वप्रथम उपस्थित अतिथियों ने भारत माता, भगवान धनवंतरि, स्वामी विवेकानंद और गुरु गोरखनाथ की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन किया।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्य अतिथि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मैं सबसे पहले भारत-नेपाल की मैत्री को प्रगाढ़ करने तथा सफलतापूर्वक उसे छह वर्षों से सुदूर क्षेत्रों में जाकर समाज को जोड़ने का काम करने वाले सभी संगठनों व स्वयंसेवी संगठन के सदस्यों का अभिनन्दन करता हूँ। यह स्वास्थ्य यात्रा उत्तराखंड के चारधाम यात्रा में सहयोग करती है। हमें अभी हरिद्वार में बद्रीनाथ, गंगोत्री, यमुनोत्री एवं केदारनाथ की कठिन धार्मिक यात्रा में स्वास्थ्य सेवा देने वालों को सम्मानित करने का अवसर मिला है। मुख्यमंत्री ने कहा कि, हमें इस कार्यक्रम से शुरु से ही जुड़ने का अवसर मिला है। हमारे सीमावर्ती जिलों के सात जनपदों में यह यात्रा जनजातीय समाज में जाती है। जिनको कोई नहीं पूछता उनको अपनी सेवा व संवेदना से चिकित्सा सेवा उपलब्ध कराकर उनके मन को जोड़ने का काम किया है। यह राष्ट्रीय भावना का काम है। 2007-08 की घटना है कि नेपाल में कई दिनों से खूनी संघर्ष चल रहा था। तब मैंने सीमा जागरण मंच के माध्यम से जानकारी की तो पता चला कि उसमें मधेशी और माओवादी का संघर्ष चल रहा है और थारू जनजाति के लोग माओवादियों की ओर से लड़ रहे थे। तब हमने यूपी के सीमावर्ती जिलों की जानकारी पाटेश्ववरी देवी मंदिर के महंत से लेनी चाही तो उन्होंने हमें वहाँ आने के लिए आमंत्रित किया। वहाँ जाने पर एक कार्यक्रम में थारू समुदाय के आयोजकों ने हमें राणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण हेतु कहा। हमारे पूछने पर उन्होंने बताया कि हम महाराणा प्रताप के वंशज हैं तभी तो स्वाभिमान के साथ सीमावर्ती क्षेत्र में डटे हैं।

पूर्वोत्तर के नागरिकों एवं महिलाओं की सुरक्षा पर मंथन

एजेंसी

नई दिल्ली। राजधानी में पूर्वोत्तर राज्यों के नागरिकों, महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। यह बैठक मोतीबाग स्थित एसपीयूडब्ल्यूएसी भवन में हुई, जिसमें सिक्किम राज्य महिला आयोग और दिल्ली पुलिस की विशेष इकाइयों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में सिक्किम राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष टैन डोमा भूटिया, सदस्य सचिव यौसा लाचेनपा सहित आयोग के अन्य सदस्य मौजूद रहे। वहीं, दिल्ली पुलिस की ओर से संयुक्त पुलिस आयुक्त नबाम गुंगते और पुलिस उपायुक्त अंजिता चेप्याला समेत अन्य अधिकारी शामिल हुए। पुलिस उपायुक्त अंजिता चेप्याला के अनुसार बैठक के दौरान दिल्ली पुलिस की विशेष इकाइयों—महिला उत्पीड़न निरोधक प्रकोष्ठ और पूर्वोत्तर क्षेत्रीय इकाई—के कामकाज पर विस्तृत प्रस्तुति दी गई। इसमें बताया गया कि महिलाओं, बच्चों और पूर्वोत्तर के नागरिकों के खिलाफ अपराधों के मामलों में दिल्ली पुलिस 'शून्य सहनशीलता' की नीति पर काम कर रही है। अधिकारियों ने इन इकाइयों के विभिन्न प्रभागों और उनकी कार्यप्रणाली की भी विस्तार से जानकारी दी। प्रस्तुति के माध्यम से यह समझाया गया कि किस तरह शिकायतों के त्वरित निस्तारण और पीड़ितों को सहायता उपलब्ध कराने के लिए अलग-अलग स्तर पर व्यवस्थाएं की गई हैं। पुलिस उपायुक्त ने बताया कि सिक्किम राज्य महिला आयोग के प्रतिनिधियों ने दिल्ली पुलिस की इन पहलों की सराहना की और कहा कि इस तरह की व्यवस्थाएं अन्य राज्यों के लिए भी प्रेरणादायक हैं।

नवरात्रि के बीच माता वैष्णो देवी मंदिर में भक्तों की भीड़ उमड़ी, 2.4 लाख श्रद्धालुओं ने किये दर्शन

एजेंसी

कटरा। श्री माता वैष्णो देवी के पवित्र मंदिर में भक्तों की भारी भीड़ देखी जा रही है, क्योंकि चल रहे चैत्र नवरात्रि उत्सव में देश भर से भक्तों की लगातार भीड़ उमड़ रही है। नवरात्रि के शुरुआती दिनों में 2.4 लाख श्रद्धालु पहले ही दर्शन कर चुके हैं और कटरा से भवन तक मार्ग पर तीर्थयात्रियों की आवाजाही लगातार बनी हुई है। अधिकारियों ने बड़ी भीड़ को नियंत्रित करने और तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और सुचारू आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए एहतियात के तौर पर पंजीकरण प्रक्रिया को निलंबित कर दिया था। स्थिति में सुधार और बेहतर भीड़ प्रबंधन के साथ पंजीकरण अब बहाल कर दिया गया है। श्री माता वैष्णो देवी की सुरक्षित और परेशानी मुक्त तीर्थयात्रा की सुविधा के लिए सुरक्षा कर्मियों, चिकित्सा टीमों और सहायक कर्मचारियों की पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित की गई है। श्रद्धालुओं को उचित पंजीकरण के बाद ही यात्रा करने और प्रशासन के सभी दिशा-निर्देशों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गई है। श्री माता वैष्णो देवी जी के पवित्र मंदिर की तीर्थयात्रा के लिए पंजीकरण 21 मार्च की पूर्व संध्या पर भक्तों की भारी आमद के कारण अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया था, लेकिन 22 मार्च को सुबह 4 बजे फिर से शुरू हो गया। चूंकि नवरात्रि तीर्थयात्रा के लिए एक शुभ अवधि है, इसलिए आने वाले दिनों में तीर्थयात्रियों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। यात्रा पूरे जोरों पर है और त्रिकुटा पहाड़ियां 'जय माता दी' के जयकारों से गूंजती रहती हैं। नवरात्रि के दौरान बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति भक्तों के बीच मजबूत आस्था को दर्शाती है। चल रहे चैत्र नवरात्रि उत्सव के मद्देनजर श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि हुई है, इसलिए देश भर से हजारों भक्त माता वैष्णो देवी जी का आशीर्वाद लेने के लिए आ रहे हैं।

देश वैश्विक लक्ष्यों से पहले ही टीबी मुक्त होने की दिशा में तेजी से अग्रसर: जेपी नड्डा

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि देश वैश्विक लक्ष्यों से पहले ही टीबी मुक्त होने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।सरकार ने टीबी उन्मूलन के लिए बजट में दस गुना वृद्धि की है, जिससे जांच, उपचार और शोध को मजबूती मिली है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में टीबी उन्मूलन एक 'जन भागीदारी' आंदोलन बन चुका है, जिसमें समाज के सभी वर्ग सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं। विश्व टीबी दिवस 2026 के अवसर पर उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नोएडा में आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए नड्डा ने कहा कि पिछले एक दशक में भारत ने टीबी मामलों में 21 प्रतिशत की कमी और मृत्यु दर में 25 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की है, जो वैश्विक औसत से बेहतर है। इलाज की पहुंच अब 92 प्रतिशत तक पहुंच चुकी है, जबकि बिना पहचान वाले टीबी मरीजों की संख्या 10 लाख से घटकर 1 लाख से भी कम हो गई है।

इस अवसर पर उन्होंने 100-दिवसीय 'टीबी मुक्त भारत अभियान' की शुरुआत की, जो देश के 1.58 लाख गांवों और शहरी वार्डों में लागू किया जाएगा। इस अभियान के तहत माइक्रो-प्लानिंग के जरिए लक्षित हस्तक्षेप किए जाएंगे, जिससे कमजोर और वंचित वर्गों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकें।

केन्द्रीय मंत्री ने बताया कि दिसंबर 2024 से अब तक 20 करोड़ से अधिक लोगों की स्क्रीनिंग की गई है, जिसमें 32.65 लाख टीबी मरीजों की पहचान हुई, जिनमें 10.9 लाख ऐसे मरीज भी शामिल हैं जिनमें कोई स्पष्ट लक्षण नहीं थे।

इसे टीबी नियंत्रण में एक बड़ी सफलता माना जा रहा है। डिजिटल पहल के तहत 'टीबी मुक्त भारत ऐप' भी लॉन्च किया गया, जिसमें 'खुशी' नाम का एआई-आधारित चैटबॉट शामिल है। यह मरीजों को लक्षण, जांच और इलाज से जुड़ी जानकारी आसानी से उपलब्ध कराएगा।

उन्होंने भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद की सराहना करते हुए कहा कि ट्रूनैट जैसी तकनीकें टीबी जांच में क्रांतिकारी बदलाव ला रही हैं।उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि टीबी एक पूरी तरह से रोकी और ठीक की जा सकने वाली बीमारी है, लेकिन इसके लिए समय पर जांच और सामाजिक भेदभाव को खत्म करना बेहद जरूरी है। कार्यक्रम में केंद्रीय राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल, उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रिजेश पाठक सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस दौरान 'निक्षय वाहन' को भी हरी झंडी दिखाई गई, जो दूरदराज क्षेत्रों में टीबी जांच और इलाज की सुविधा पहुंचाने में मदद करेगा।

मध्य प्रदेश अमृत सरोवरों के जल क्षेत्र में 128 प्रतिशत वृद्धि के साथ देश में प्रथम स्थान पर

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश मिशन अमृत सरोवर के तहत देशभर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पहले स्थान पर है। इसकी जानकारी आईआईटी दिल्ली और ग्रामीण विकास मंत्रालय द्वारा संयुक्त रूप से संचालित भू प्रहरी परियोजना की रिपोर्ट से आई है।

रिपोर्ट के मुताबिक राज्य तालाबों के औसत सतह क्षेत्र में वृद्धि के मामले में देश में प्रथम स्थान पर है। पिछले दो वर्षों में प्रदेश में अमृत सरोवरों के जल क्षेत्र में 128.714 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है, जो राष्ट्रीय औसत 11.27 प्रतिशत से कहीं अधिक है।जनसम्पर्क अधिकारी आरआर पटेल ने बुधवार को जानकारी देते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्य प्रदेश में जल संरक्षण को लेकर चलाए जा रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। विगत वर्षों में अभियान के दो चरणों में प्रदेश में 6 हजार 393 अमृत सरोवरों में पहले चरण में 5 हजार 839 अमृत सरोवर बनाए गए हैं। वहीं दूसरे चरण में 554 अमृत सरोवरों का निर्माण कार्य प्रगतिरत है। इस प्रकार अभियान के क्रियान्वयन में मध्य प्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में शामिल हैं। जनसम्पर्क अधिकारी के अनुसार, भारत सरकार ने मध्य प्रदेश में बने अमृत सरोवरों की आधुनिक तकनीकों जैसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (ढ्ढ), सैटेलाइट, स्ह्ढ्ढक्र और स्ढ्ढष्ठक्र के माध्यम से न केवल तालाबों के औसतन सतह क्षेत्र बल्कि जल की कुल मात्रा (वॉल्यूम) का भी आकलन किया गया। जिसमें सामने आया कि मानसून के दौरान जल संचयन क्षमता में सुधार हुआ है और सूखा-प्रवण एवं अर्ध-शुष्क क्षेत्रों में भी गर्मियों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित हुई है। सतह क्षेत्र में वृद्धि का सकारात्मक प्रभाव भूजल पुनर्भरण पर भी पड़ा है, जिससे आसपास के कुओं और ट्यूबवेल का जल स्तर बढ़ा है। साथ ही, सिंचाई के लिए पानी की उपलब्धता बढ़ने से किसानों की आजीविका में सुधार हो रहा है। मध्य प्रदेश राज्य रोजगार गारंटी परिषद के आयुक्त अवि प्रसाद ने बताया है कि जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत प्रदेश में अमृत सरोवरों के निर्माण के लिए स्थानों का चयन वैज्ञानिक पद्धति से किया गया है। इसके लिए सिपरी सॉफ्टवेयर का उपयोग किया गया। जिसके माध्यम से भूविज्ञान, कंटूर, जल निकासी नेटवर्क, मिट्टी के प्रकार और भूमि का उपयोग जैसे विभिन्न डेटा लेयर्स का एकीकृत विश्लेषण किया गया। इस प्रक्रिया के जरिए ऐसे उपयुक्त स्थानों का चयन किया गया।

भारत और अमेरिका का दृष्टिकोण एक-दूसरे से मेल खाता है : कोल्बी

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी युद्ध नीति के अवर सचिव एलब्रिज कोल्बी ने कहा है कि भारत और अमेरिका का वैश्विक मुद्दों पर दृष्टिकोण काफी हद तक एक-दूसरे से मेल खाता है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि यही समानता दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को मजबूत आधार प्रदान करती है।

एलब्रिज कोल्बी ने यहां अनंता सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि मौजूदा समय में दुनिया बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है और इंडो-पैसिफिक क्षेत्र इसका केंद्र बन चुका है। ऐसे में भारत और अमेरिका जैसे देशों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण हो जाती है। उन्होंने भारत को एक उभरती वैश्विक शक्ति बताते हुए कहा कि उसकी भौगोलिक स्थिति, खासकर हिंद महासागर क्षेत्र में, उसे रणनीतिक रूप से बेहद अहम बनाती है। कोल्बी के अनुसार भारत न केवल अपने हितों की रक्षा करने में सक्षम है बल्कि क्षेत्रीय संतुलन बनाए रखने में भी बड़ी भूमिका निभा सकता है। कोल्बी ने कहा कि अमेरिका भारत के साथ अपने संबंधों को आदर्शवाद के बजाय व्यावहारिकता और साझा हितों के आधार पर आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका ऐसे साझेदार चाहता है जो आत्मनिर्भर हों और अपने राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देते हुए सहयोग करें। उन्होंने भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर की नीतियों की सराहना करते हुए कहा कि 'भारत प्रथम' और 'इंडिया वे' का दृष्टिकोण अमेरिका की सोच से काफी हद तक मेल खाता है। उनके अनुसार, दोनों देश यथार्थवादी नीति, शक्ति संतुलन और राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देने में विश्वास रखते हैं। रक्षा सहयोग पर कोल्बी ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच सैन्य और तकनीकी सहयोग लगातार बढ़ रहा है। संयुक्त सैन्य अभ्यास, सूचना साझेदारी और नई तकनीकों के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच तालमेल मजबूत हुआ है।

किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को समृद्ध बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही सरकार: शिवराज सिंह

सीहोर/भोपाल। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार किसानों की आय बढ़ाने और कृषि को समृद्ध बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान मध्य प्रदेश के सीहोर जिले के बुधनी स्थित केंद्रीय कृषि मशीनरी प्रशिक्षण एवं परीक्षण संस्थान (सीएफएमटीटी) में आयोजित राष्ट्रीय उन्नत कृषि यंत्रीकरण प्रदर्शनी को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बुधनी की यह धरती अद्भुत है। यहाँ के कण-कण में कृषि का कौशल है। यहाँ के खेतों में खुशहाली लहलहाती है। यहाँ सलकनपुर वाली मैया की कृपा बरसती है और हम सबको जीवन देने वाली, मोक्षदायिनी नर्मदा मैया की अमृतधारा हम सबके कंठों की भी और सूखे खेतों की भी प्यास बुझाती है। केन्द्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि बुधनी की इस पावन धरा पर आज जो प्रदर्शनी लगाई गई है, यह हमारे देश की कृषि की तकनीकी से समृद्धि तक की यात्रा का उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हमारा भारत वह देश है, जिसने दुनिया को खेती करना सिखाया है। आज भी कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है और किसान उसकी आत्मा है।

उन्होंने कहा कि यदि किसानों की आय बढ़ाना है तो यह केवल परंपरागत तकनीकों से संभव नहीं है, इसके लिए हमें खेती में उन्नत एवं आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों को अपनाना होगा। उन्होंने कहा कि इस केंद्र को मशीनों के प्रयोग का, प्रदर्शन का और किसानों के लिए प्रशिक्षण का देश का सबसे प्रमुख सेंटर बनाया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह एक ऐसा संस्थान है, जो कृषि यंत्रीकरण के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का उद्देश्य है कि सभी किसानों को खेती के लिए आधुनिक कृषि यंत्र उपलब्ध कराए जाएं, जिससे लागत कम हो और उत्पादन अधिक हो सके।

केन्द्रीय मंत्री चौहान ने कहा कि उत्पादन अधिक हो सके, इसके लिए प्रयोगशालाओं में उच्च गुणवत्ता के बीज तैयार किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बेहतर उत्पादन के लिए बेहतर बीजों की आवश्यकता होती है, इसलिए बुधनी में नेशनल सीड्स कॉर्पोरेशन के माध्यम से एक बीज प्रोसेसिंग सेंटर बनाया जाएगा, जो नए-नए बीज तैयार करेगा और किसानों को उपलब्ध कराएगा।

कार्यक्रम में विधायकगण रमाकांत भार्गव, सुदेश राय व गोपाल सिंह इंजीनियर, अनुसूचित जाति वित्त विकास निगम की अध्यक्ष निर्मला बारेला, भाजपा जिला अध्यक्ष नरेश मेवाड़ा, पूर्व विधायक राजीव सिंह, रघुनाथ भाटी, रवि मालवीय, संयुक्त सचिव भारत सरकार रुक्मणी सुंदरम सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, किसान, स्व-सहायता समूह की दीदियां और गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

नई दिल्ली में जयशंकर ने ईरान के राजदूत से की मुलाकात, पश्चिम एशिया संकट पर हुई चर्चा

एजेंसी

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने नई दिल्ली में ईरान के राजदूत से मुलाकात की, जिसमें पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर चर्चा केंद्रित रही। मुलाकात के बाद विदेश मंत्री जयशंकर ने सोशल मीडि?या प्?लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'मंगलवार दोपहर भारत में ईरान के राजदूत डॉ. मोहम्मद फतहाली से मुलाकात की। पश्चिम एशिया के संघर्ष पर चर्चा की। इन चुनौतीपूर्ण समय में ईरान में भारतीयों को दिए गए समर्थन की सराहना करता हूं।' पिछले सप्ताह, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन से बातचीत की, जिसमें क्षेत्रीय घटनाक्रम और द्विपक्षीय सहयोग पर चर्चा हुई।

प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति पेजेश्कियन को ईद और नवरोज के शुभ अवसरों पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं। बातचीत के दौरान दोनों नेताओं ने आशा व्यक्त की कि यह उत्सव का समय पश्चिम एशिया क्षेत्र में शांति, स्थिरता और समृद्धि लेकर आएगा। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हालिया हमलों की निंदा की और कहा कि ऐसे कदम क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डालते हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करते हैं। प्रधानमंत्री ने नौवहन की स्वतंत्रता की सुरक्षा और अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों को खुले और सुरक्षित बनाए रखने के महत्व को दोहराया। उन्होंने ईरान में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में ईरान के निरंतर सहयोग की सराहना भी की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, 'राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियन से बात की और ईद और नवरोज की शुभकामनाएं दीं। हमने आशा व्यक्त की कि यह त्योहार पश्चिम एशिया में शांति, स्थिरता और समृद्धि लाएगा। क्षेत्र में महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे पर हमलों की निंदा की, जो क्षेत्रीय स्थिरता को खतरे में डालते हैं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं को बाधित करते हैं। नौवहन की स्वतंत्रता और समुद्री मार्गों को खुले और सुरक्षित रखने के महत्व को दोहराया। ईरान में भारतीयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में ईरान के सहयोग की सराहना की। '

प्रधानमंत्री मोदी ने राज्यसभा को संबोधित करते हुए पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से उत्पन्न स्थिति पर सरकार का पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि तीन सप्ताह से अधिक समय से चल रहा यह युद्ध एक गंभीर वैश्विक ऊर्जा संकट पैदा कर रहा है, जिसका भारत पर गहरा प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष से भारत के व्यापार मार्ग प्रभावित हो रहे हैं और पेट्रोल, डीजल, गैस और उर्वरकों जैसी आवश्यक वस्तुओं की नियमित आपूर्ति बाधित हो रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि संघर्ष शुरू होने के बाद से भारत ने सक्रिय कूटनीतिक प्रयास किए हैं। उन्होंने स्वयं पश्चिम एशिया के अधिकांश देशों के राष्ट्राध्यक्षों से दो बार फोन पर बातचीत की है और भारत खाड़ी देशों के साथ-साथ ईरान, इजरायल और अमेरिका के संपर्क में लगातार बना हुआ है। उन्होंने कहा कि उद्देश्य संवाद और कूटनीति के माध्यम से क्षेत्र में शांति बहाल करना है, और तनाव कम करने तथा होर्मुज स?ट्रेट को फिर से खोलने पर विशेष रूप से चर्चा की गई है।

हैदराबाद की मूसी रिवरफ्रंट परियोजना पर देशभर से विरोध, पांच सौ से अधिक लोगों ने मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

एजेंसी

हैदराबाद। राज्य में मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट परियोजना के विरोध में देशभर के पांच सौ से अधिक सामाजिक कार्यकर्ताओं, शिक्षाविदों और पर्यावरणविदों ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी को एक खुला पत्र लिखकर विरोध जताया है। इन लोगों ने राज्य की कांग्रेससरकार से इस परियोजना की व्यापक समीक्षा करने और नदी किनारे रह रहे लोगों के विस्थापन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। यह पत्र कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं को भी भेजा गया है। मूसी जन आंदोलन (एमजेए) ने मूसी रिवरफ्रंट डेवलपमेंट परियोजना के विरोध में सामूहिक हस्ताक्षर अभियान चलाया गया है। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के साथ यह पत्र कांग्रेस के शीर्ष नेता मल्लिकार्जुन खगड़े, राहुल गांधी, जयराम रमेश सहित तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन के अलावा सरकार की ओर से इस परियोजना की निगरानी के लिए गठित कैबिनेट उप-समिति के अध्यक्ष व राज्य के उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क को भी भेजा गया है। इस पत्र में 11 बिंदुओं पर सरकार की परियोजना संबंधी नीति की आलोचना की गई है। पत्र में कहा गया है कि परियोजना की निगरानी के लिए गठित कैबिनेट उप-समिति केवल 'एक त्रुटिपूर्ण मॉडल को लागू करने' तक सीमित न रहे, बल्कि नदी पुनर्जीवन के लिए वैज्ञानिक और लोकतांत्रिक विकल्पों पर गंभीरता से विचार करे। इस पत्र पर हस्ताक्षरकर्ताओं ने विधानसभा में मुख्यमंत्री की ओर से परियोजना के प्रभावित परिवारों के पुनर्वास के आश्वासन का स्वागत करते हुए कहा कि सरकार को पहले बड़े पैमाने पर विस्थापन को न्यूनतम करने पर ध्यान देना चाहिए, न कि अनावश्यक भूमि अधिग्रहण के बाद पुनर्वास की प्रक्रिया अपनानी चाहिए। एमजेए के अनुसार, इस मुद्दे की तात्कालिकता इसलिए भी बढ़ गई है क्योंकि परियोजना के पहले चरण (फेज-ढ्ढ) के तहत 'गांधी सरोवर' की आधारशिला 28 मार्च या 2 अप्रैल, 2026 को रखे जाने की चर्चा है, जिसमें केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के भी भाग लेने की संभावना है। संगठन ने बताया कि 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 12 मार्च को उपमुख्यमंत्री विक्रमार्का से मुलाकात कर अपनी मांगें रखी थीं। इसके बाद 13 मार्च को आयोजित संबंधित कार्यक्रम में उन्होंने भाग नहीं लिया।

दक्षिण अफ्रीका ने जीती टी20 सीरीज, पांचवें मैच में न्यूजीलैंड को 33 रन से हराया

हेग्ले ओवल (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका ने हेग्ले ओवल में खेले गए पांचवें टी20 मुकाबले में न्यूजीलैंड को 33 रन से हराकर न सिर्फ मैच जीता है, बल्कि 3-2 से सीरीज अपने नाम कर ली है।

न्यूजीलैंड को इस मैच और सीरीज को जीतने के लिए 188 रन का लक्ष्य मिला था। बड़े लक्ष्य के दबाव और दक्षिण अफ्रीका की कसी हुई गेंदबाजी के सामने न्यूजीलैंड का टॉप ऑर्डर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सका। अच्छी शुरुआत नहीं मिलने की वजह से न्यूजीलैंड कभी भी जीत की तरफ जाती नहीं दिखी और 20 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 154 रन बना सकी।

कीवी टीम के लिए बेवोन जैकब्स ने 19 गेंदों पर 3 छक्कों और 2 चौकों की मदद से सर्वाधिक 36 रन की पारी खेली। इसके अलावा, टॉम रॉबिनसन ने 25 और डेन क्लिवर ने 22 रन की पारी खेली। कप्तान जिमी निशम ने 24 रन बनाए।

दक्षिण अफ्रीका के लिए गेराल्ड कोएट्ज़ी, ओटनिल बार्टमैन, और वियान मुल्डर ने 2-2, जबकि कप्तान केशव महाराज ने 1 विकेट लिया।

इससे पहले टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी। टोनी डे जॉर्जी 12 रन बनाकर पहले विकेट के रूप में 21 के स्कोर पर आउट हुए थे। दूसरे विकेट के लिए वियान मुल्डर और रूबिन हरमन ने 55 रन की साझेदारी कर टीम को मजबूती दी। मुल्डर 29 गेंदों पर 2 चौकों और 2 छक्कों की मदद से 31 रन बनाकर आउट हुए। तीसरे विकेट के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन ने रूबिन हरमन के साथ 49 रन की साझेदारी की। टीम का स्कोर जब 125 था, हरमन 31 गेंदों पर 39 रन बनाकर आउट हुए।

एस्टरहुइजन और डियान फोरेस्टर ने चौथे विकेट के लिए 27 गेंदों पर 61 रन की तूफानी साझेदारी की। एस्टरहुइजन 33 गेंदों पर 6 छक्कों और 5 चौकों की मदद से 75 रन बनाकर आउट हुए। फोरेस्टर 13 गेंदों पर 21 रन बनाकर नाबाद रहे। दक्षिण अफ्रीका ने 4 विकेट पर 187 रन बनाए थे। दक्षिण अफ्रीका ने न्यूजीलैंड की धरती पर पहली बार टी20 सीरीज जीती है।

मिचेलसन को हराकर मियामी ओपन के क्वार्टरफाइनल में पहुंचे सिनर

मियामी (एजेंसी)। इटली के टेनिस स्टार जैनिक सिनर ने अमेरिका के एलेक्स मिचेलसन को 7-5, 7-6(4) से हराकर मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया है। इस जीत के साथ ही सिनर मियामी ओपन के अपने पहले पांच मुकाबलों में क्वार्टरफाइनल तक पहुंचने वाले तीसरे खिलाड़ी बन गए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि केवल यानिक नोह और स्टीफन एडबर्ग को हासिल हुई थी। सिनर ने दूसरे सेट में 2-5 से पीछे होने के बाद बेहतरीन वापसी करते हुए मुकाबला अपने नाम किया। जीत के बाद

सिनर ने कहा कि अच्छी सर्विस के कारण ही वह जीत हासिल कर पाये हैं। साथ ही कहा कि खिताबी जीत के लिए अभी उन्हें काफी प्रयास करना होगा। इसके लिए उन्हें खेल का स्तर ऊंचा उठाना होगा। इसके लिए वह ब्रेक के दौरान अभ्यास करेंगे। वहीं एक अन्य मुकाबले में स्पेन के युवा खिलाड़ी मार्टन ने भी बड़ा उलटफेर करते हुए अमेरिकी खिलाड़ी सेबेस्टीयन कोर्डा को 2-6, 7-6(6), 6-4 से हराकर क्वार्टरफाइनल में स्थान बनाया। अब उनका सामना जिरी लेलेका से होगा। से होगा। लेलेका ने टेलर फिट्ज को हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

आईपीएल में सबसे अधिक नो बाल हैं बुमराह के नाम

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में मुम्बई इंडियंस के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का लक्ष्य नये रिकार्ड बनाना रहेगा। बुमराह ने आईपीएल में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है पर उनकी गेंदबाजी में एक कमी भी रही है और वह ये कि बुमराह आईपीएल में सबसे अधिक नो बाल फेकने वाले गेंदबाज हैं। बुमराह ने अपने करियर में अब तक कुल 32 नो बॉल किये हैं। वहीं बुमराह के अलावा उमेश यादव 24 और ईशांत शर्मा 23भी इस सूची में शामिल हैं।

बुमराह ने आईपीएल में मुंबई इंडियंस के लिए साल 2013 में पदर्पण के बाद से ही अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। मुबई के लिए डेब्यू के बाद से ही वह इसी फ्रेंचाइजी के साथ हैं और वह टीम के सबसे मुख्य गेंदबाज बने हैं। इस लीग में अच्छे प्रदर्शन के बाद ही वह सबकी नजरों में आये थे। भारतीय टीम में उनके प्रवेश के पीछे भी आईपीएल में किया प्रभावी प्रदरर्शन रहा है।

आईपीएल करियर की बात करें तो बुमराह ने अबतक कुल 145 मैच खेले हैं। इन मैचों में उन्होंने मुंबई के लिए 22.02 की औसत से कुल 182 विकेट लिए हैं। आईपीएल में बुमराह ने 2 बार 5 विकेट लिए है जबकि 3 बार 4 विकेट लिए हैं। मुम्बई की पांच बार की खिताबी जीत में भी उनके अच्छे प्रदर्शन की अहम भूमिका रही है। केवल एक मामले में उनपर दाग लगा है और वह ये है कि उनके नाम सबसे ज्यादा नो बाल हैं। प्रवीण ने 2008 से 2017 के बीच कुल 119 मुकाबले खेल। इस दौरान उन्?होंने 420.4 ओवर गेंदबाजी करते हुए 14 ओवर मेडन फेंके और 90 विकेट अपने नाम किए।

अमेलिया के अच्छे प्रदर्शन से न्यूजीलैंड ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

सीरीज 4-1 से जीती

क्राइस्टचर्च (एजेंसी)। अमेलिया केर के ऑलराउंड प्रदर्शन से न्यूजीलैंड की महिला टीम ने यहं खेले गये पांचवें टी-20 मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 92 रनों से हरा दिया। इस मैच में जीत के साथ ही न्यूजीलैंड की टीम ने पांच मैचों की इस सीरीज को 4-1 से जीता। अमेलिया ने इस मैच में 105 रन बनाने के साथ ही दो विकेट भी लिए। इस मैच में अमेलिया के शतक से कीवी टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 6 विकेट पर 194 रन बनाये। इसके बाद जीत के लिए मिले 195 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका की टीम निर्धारित 20 ओवरों में नो विकेट पर 102 रन ही बना सकी और 92 रनों से हार गई। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज इस मैच में कीवी गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाये। केवल एनरी डकर्सन ही सबसे अधिक 23 रन बनाये। उनके अलावा सुने लूस ने 13 जबकि कायला रेनेके ने 10 रनों रन बनाये। अयाबोंगा खाका ने 12 रन बनाये। वहीं बचे हुए सात बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये।

न्यूजीलैंड की ओर से ताहिलिया तहूहू ने तीन विकेट जबकि सोफी डिवाइन और अमेलिया केर ने दो-दो विकेट लिए। वहीं नेंसी पटेल और फ्लोरा डेवनशायर ने एक-एक विकेट लिया। आउट किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की महिला टीम ने टॉस जीतकर कीवी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। मेजबान टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने पहला विकेट शुरुआत में ही 9 रन के स्कोर पर खो दिया पर अमेलिया एक छोर पर टिकी रहीं। वहीं जॉर्जिया प्लिमर ने 27 जबकि ब्रूक हैलिडे ने 26 रन बनाये। वहीं दक्षिण अफ्रीका की ओर से अयाबोंगा खाका और टुमी सेखुखुने ने तीन-तीन खिलाड़ियों को आउट किया।

कोको गाफ मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची

फ्लोरिडा । अमेरिका की महिला टेनिस खिलाड़ी कोको गाफ मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंच गयी हैं। गाफ ने क्वार्टर फाइनल में स्विटजरलैंड की मेलिंडा बेनसिस को हराया। गॉफ ने इस मुकाबले के बीच में पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। मैच में गाफ ने पहला सेट 6-3 से जीता पर दूसरे सेट में उसे 1-6 से हार का सामना करना पड़ा। वहीं तीसरे सेट में गाफ ने खराब शुरुआत से उबरते हुए जबरदस्त वापसी करते हुए मुकाबला 6-3, 1-6, 6-3 से अपने नाम किया । जीत के बाद गाफ ने कहा, यह एक कठिन मैच था। बेलिंडा काफी अच्छी खिलाड़ी हैं। इस मैच में जीत के लिए मुझे काफी संघर्ष करना पड़ा। अब सेमीफाइनल में गाफ का सामन चेक गणराज्य की केरोलिन मुचोवा से होगा। यह मुकाबला काफी रोमांचक होने की उम्मीद है।

आईपीएल में वापसी को तैयार हैं तेज गेंदबाज मयंक

लखनऊ (एजेंसी)। पिछले काफी समय से फिट नहीं होने के कारण खेल से दूर रहे लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव आईपीएल के इस सत्र में बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हैं। मयंक ने कहा कि पहले वह अपने शरीर पर ज्यादा ध्यान नहीं देते थे पर अब वह करियर को बचाने के लिए काफी सजग हैं। मयंक को कई बार चोट के कारण खेल से दूर होना पड़ा है। आईपीएल 2024 में चोट लगने से उन्हें बड़ा झटका लगा था। इसके बाद वह लगातार चोट से परेशान रहे और आईपीएल 2025 के शुरुआती मैचों के बाद बाहर हो गए।

अब वह बेंगलुरु के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में रिहैबिलिटेशन पूरा करके आईपीएल में वापसी को तैयार हैं। मयंक ने कहा, 'सर्जरी के बाद मेरे लिए सब कुछ बदल गया। पहले मैं अपना ध्यान नहीं रखता था। रिकवरी सत्र से बचता था और कई चीजों को नजरअंदाज करता था पर अब मैं रिकवरी, पोषण और नींद पर पूरा ध्यान देता हूं। जितना मैं अपने शरीर का सम्मान कर रहा हूं, उतना ही मेरा शरीर भी मैदान पर मेरा साथ दे रहा है।' मयंक ने कहा कि एनसीए में उनकी मुलाकात जसप्रीत बुमराह से हुई, जिन्होंने भी ऐसी ही सर्जरी कराई थी। उनके साथ मेरा अच्छा तालमेल है। उन्होंने इसको लेकर मुझे काफी सुझाव दिये जिनका मैं अब पालन कर रहा हूं। तब उन्होंने कहा था कि सर्जरी के बाद वापसी करने पर किन चीजों पर ध्यान देना चाहिए। इस बारे में उनके अनुभवों से मुझे सहायता मिली है। उन्होंने बताया कि रिकवरी के दौरान शरीर कैसा महसूस करेगा और इस कठिन समय का सामना कैसे करना है। मयंक का अब तक का करियर चोटों से प्रभावित रहा है। साल 2022 में आईपीएल में प्रवेश के दौरान लखनऊ सुपर जायंट्स ने उन्हें 20 लाख के बेस प्राइस पर खरीदा था। दो सीजन बाद 2024 में उन्हें डेब्यू का अवसर मिला। इस गेंदबाज ने अपने डेब्यू मैच में ही 150 किमी की गति से गेंदबाजी कर सभी को हैरान कर दिया। उन्होंने सत्र की सबसे तेज गेंद गेंद 156.7 किमी प्रति घंटे रफ्तार से फेंकी।

वैभव के पास अच्छा बल्लेबाजी कौशल : जितेश

मुम्बई । विकेटकीपर बल्लेबाज जीतेश शर्मा ने उभरते हुए युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा की है। जितेश के अनुसार वैभव एक ऐसे बल्लेबाज हैं जो हमेशा आक्रामक बल्लेबाजी पसंद करते हैं। उनके पास अच्छा कौशल है और वह आने वाले समय में विश्व क्रिकेट में छा सकते हैं। वैभव ने केवल 15 साल की उम्र में ही काफी कुछ हासिल कर लिया है। पहले आईपीएल में ही उन्होंने 35 गेंदों में शतक लगाकर सबको हैरान कर दिया था। इसके बाद उन्होंने ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड में भी शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने अंडर-19 विश्व कप में भी शानदार प्रदर्शन किया और फाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ 175 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। इसके बाद भी इस बार आईपीएल में उनकी राह आसान नहीं रहेगी। इस बार उनकी कड़ी परीक्षा होगी। पिछले सीजन में शानदार प्रदर्शन के बाद अब सभी टीमों के गेंदबाज उनकी बल्लेबाजी का आंकलन कर उनाक कमजोर पक्ष निकालने का प्रयास कर रहे हैं और उन सभी का लक्ष्य उस क्षेत्र में गेंदबाजी करना रहेगा जिसमें वह कमजोर हैं। इस बार टीम में संजू सैमसन के नहीं होने से भी वैभव को बड़ी जिम्मेदारी निभानी होगी। ये भी हो सकता है कि उन्हें यशस्वी जायसवाल के साथ पारी शुरु करने का अवसर मिल सकता है। वहीं दक्षिण अफीक के पूर्व कप्तान ए बी डिविलियर्स ने कहा कि वह एक शानदार खिलाड़ी हैं। उन्होंने वैभव को अंडर-19 में बल्लेबाजी करते हुए देखा है। डिविलियर्स ने कहा, जब आपको आईपीएल और बड़ी क्रिकेट लीग का अनुभव मिलता है और आप फिर भी उसी स्तर का प्रदर्शन करते हैं, तो यह आसान नहीं होता। उन्होंने जिस तरह से अंडर-19 विश्व कप में खेला, उससे मैं बहुत प्रभावित हुआ। मैं उनके खेलने के तरीके की बात कर रहा हूं। उन्होंने अपने गेम प्लान पर कायम रहते हुए खेला। जैसे उन्होने आईपीएल में खेला, वैसे ही वहां भी खेला।

हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कारों में दोहरे नामांकन से खुद पर भरोसा मजबूत हुआ : गोलकीपर प्रिंस दीप

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभी तक सीनियर टीम में पदार्पण नहीं करने के बावजूद हॉकी इंडिया सालाना पुरस्कारों में दो नामांकन पाने वाले युवा गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह ने कहा कि इससे उनका खुद पर भरोसा मजबूत हुआ है। सीनियर पुरूष राष्ट्रीय शिविर में अभ्यास कर रहे 21 वर्ष के प्रिंस दीप को हॉकी इंडिया बलजीत सिंह वर्ष 2025 के सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर और हॉकी इंडिया जुगराज सिंह वर्ष 2025 के सर्वश्रेष्ठ उदीयमान खिलाड़ी के पुरस्कार के लिये नामांकन मिला है। ये पुरस्कार शुक्रवार को यहां दिये जाएंगे।

प्रिंस दीप ने कहा, 'मैं बहुत खुश हूं और गर्व महसूस कर रहा है। ऐसे पुरस्कारों के लिये नामांकन पाने में समय लगता है लेकिन मुझे जल्दी मिल गया। टूर्नामेंटों में अच्छे प्रदर्शन और शीर्ष गोलकीपरों के साथ अपना नाम देखकर काफी प्रेरणा मिल रही है।' उन्होंने कहा, 'भारत के पास बेहतरीन गोलकीपर हैं। उनके बीच नामांकन पाना और वह भी सीनियर टीम में पदार्पण से पहले, खास है। इससे मुझे आत्मविश्वास मिला है कि मैं सही रास्ते पर हूं।'

उन्होंने कहा, 'यह इस सम्मान से मिला सबसे बड़ा तोहफा है। इससे खुद पर संशय नहीं रह गया और आगे अच्छा करने की प्रेरणा मिली है। अब मुझे पता है कि मैं सही राह पर हूं और लगातार सुधार करता रहूंगा।' प्रिंस दीप 2024 FIH जूनियर एशिया कप में स्वर्ण, जोहोर कप 2025 में रजत और पिछले साल चेन्नई में FIH जूनियर विश्व कप में कांस्य पदक जीत चुके हैं।

पठानकोट के रहने वाले प्रिंस दीप ने शुरूआत फुल बैक के रूप में बटाला की चीमा हॉकी अकादमी में की थी। उन्होंने बताया, 'मैं फुटबॉल में गोलकीपर के रूप में खेलता था और कुछ अच्छे गोल बचाए। मेरे कोचों ने मेरा कद देखकर हॉकी में गोलकीपिंग का सुझाव दिया। वहीं से शुरूआत हुई।'

लिवरपूल को झटका, सालाह सीजन के आखिर में छोड़ देंगे टीम

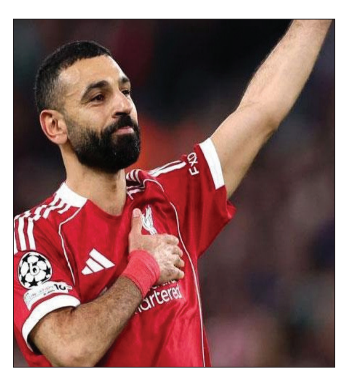

लंदन - मोहम्मद सालाह ने मंगलवार को घोषणा की कि वह सीजन के आखिर में लिवरपूल एफसी छोड़ देंगे, जिससे एनफील्ड में उनका शानदार समय खत्म हो जाएगा। 33 साल के इस खिलाड़ी ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में इस खबर को कन्फर्म करते हुए कहा, 'बदकिस्मती से वह दिन आ गया है। यह मेरे फेयरवेल का पहला हिस्सा है,' और फिर कहा, 'मैं सीजन के आखिर में लिवरपूल छोड़ दूंगा।' सालाह ने अप्रैल 2025 में क्लब के साथ दो साल का नया कॉन्ट्रैक्ट साइन किया था, लिवरपूल ने कहा कि दोनों पार्टियों ने उनके भविष्य को लेकर 'एक एग्रीमेंट' कर लिया है जिससे वह फ्री ट्रांसफर पर जा सकते हैं। उनके अपने ऊंचे स्टैंडर्ड के हिसाब से, पिच पर यह एक मुश्किल कैंपेन रहा है। सालाह ने सभी कॉम्पिटिशन में 34 मैचों में 10 गोल किए हैं, जिससे 2017 में क्लब जॉइन करने के बाद से उनका सीज़न का सबसे कम गोल हो गया है। ऑफ-फील्ड दिक्कतों ने भी इसमें भूमिका निभाई है। दिसंबर में लीड्स के साथ 3-3 के ड्रॉ के बाद सालाह ने कहा कि क्लब ने उन्हें 'बस के नीचे फेंक दिया' था और बताया कि हेड कोच आर्ने स्लॉट के साथ उनका रिश्ता टूट गया था। हालांकि जनवरी में उनके बाहर होने की अटकलें थीं, लेकिन अफ्रीका कप ऑफ नेशंस में शामिल होने के बाद वह टीम में वापस आ गए। यह अभी साफ नहीं है कि सालाह अगले सीजन में कहां खेलेंगे। लिवरपूल ने कहा कि उन्होंने सपोटर्स के लिए 'सम्मान और आभार' दिखाने और अपने भविष्य के बारे में साफ जानकारी देने के लिए यह घोषणा जल्दी करने का फैसला किया।

शाकिब अल हसन की लंबे समय के लिए वापसी चाहते हैं बशर

ढ़ाका। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के नये चयन पैनल के चेयरमैन हबीबुल बशर के आने के बाद टीम में ऑलराउंडर शाकिब अल हसन की वापसी की उम्मीदें जतायी जा रही हैं। बशर ने साफ किया कि वह न्यूजीलैंड सीरीज ही नहीं लंबे समय तक शाकिब को टीम में शामिल करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि फोकस शाकिब अभी देश में नहीं है। इसलिए ये नहीं कहा जा सकता कि वह न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए टीम में रहेंगे या नहीं। साथ ही कहा कि वह ऐसा खिलाड़ी है जो स्वयं भी खेलना चाहेगा पर उसे भी तैयारी की जरूरत है। साथ ही कहा, मुझे नहीं लगता कि शाकिब एक सीरीज के लिए आएंगे और फिर चले जाएंगे। अगर हमें उनकी सेवाएं मिल सकती हैं तो हम चाहेंगे कि वह लंबे समय तक अपनी सेवा द दें। मुझे लगता है कि वह अभी दो साल खेल सकते हैं। उन्होंने साथ ही कहा, कई लोग रिटायरमेंट की बात करते हैं, जैसे, हमने मुशफिकुर रहीम के संन्यास की बातें देखी हैं। मैंने कहा है कि वे जितना ज्यादा समय तक खेलेंगे, हमारे लिए उतना ही अच्छा होगा। हम उन्हें जितना ज्यादा टीम में शामिल कर सकते हैं, टीम के लिए उतना ही अच्छा होगा और जब हम उन्हें चुनते हैं, तो ऐसा नहीं होता कि वे आकर रिटायर हो जाएं। मैं उन्हें लंबे समय के लिए चाहता हूं, कम से कम उनके पास ऐसा प्लान हो कि वे 2027 विश्व कप खेल सकें। इसलिए मेरी योजना केवल एक सीरीज के लिए नहीं हैं। बशर ने कहा है कि उनका पहला ध्यान इस बात पर है कि बांग्लादेश की टीम एकदिवसीय विश्वकप के लिए सीधे क्वालीफाई करे। विश्वकप अगले साल दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाना है।

नेपाल में जन्मे डिफेंडर भारती हांगकांग के खिलाफ एशियाई कप क्वालीफायर से पहले भारतीय शिविर में

नई दिल्ली - नेपाल में जन्मे डिफेंडर अबनीत भारती हांगकांग के खिलाफ एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर से पहले भारतीय सीनियर पुरूष टीम के कोच्चि में चल रहे शिविर में जुड़ गए हैं। इससे एक दिन पहले इसी मुकाबले के लिए ऑस्ट्रेलिया में जन्मे रियान विलियम्स को टीम में शामिल किया गया था। अब भारत के शिविर में पहली बार दो विदेश में जन्मे खिलाड़ी हैं जिन्हें हाल ही में भारतीय पासपोर्ट मिला है। विलियम्स बांग्लादेश के खिलाफ मुकाबला नहीं खेल सके थे क्योंकि फीफा से उन्हें मंजूरी देर से मिली। अब वह हांगकांग के खिलाफ 31 मार्च को भारत के लिए पदार्पण करेंगे। भारत 2027 में सउदी अरब में होने वाले एएफसी एशियाई कप की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुका है। अनुभवी डिफेंडर संदेश झिंगन अपने कैरियर के आखिरी पड़ाव पर हैं, ऐसे में टीम को अनवर अली के साथ भरोसेमंद सेंटर बैक की जरूरत है जो भारती हो सकते हैं। भारती अभी फीफा से मंजूरी मिलने का इंतजार कर रहे हैं। नेपाल में जन्मे भारती ने नाइजीरिया में स्कूली दिनों में गोलकीपर के रूप में शुरूआत की थी। भारत आने के बाद उन्होंने डिफेंडर के तौर पर खेलना शुरू किया और बीजीएस इंटरनेशनल स्कूल तथा शास्त्री एफसी के लिए खेले। सिंगापुर में गेलांग इंटरनेशनल के साथ अभ्यास करने के बाद वह स्पेन में रीयाल वाल्लाडोलिड अकादमी से जुड़े। उन्होंने जर्मनी में भी चयन ट्रायल दिए थे। वह 2019 में केरला ब्लास्टर्स के साथ जुड़े लेकिन करार नहीं हो पाया। इसके बाद से वह चेक गणराज्य में और उधार पर किर्गीस्तान, पनामा, अर्जेंटीना और अब बोलिविया में खेलते रहे हैं।

आईपीएल में प्रशांत वीर सहित इन उभरते हुए खिलाड़ियों पर रहेंगी नजरें

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार प्रशांत किशोर सहित पांच उभरते हुए खिलाड़ियों को खेलने का अवसर मिलेगा। ऐसे में ये सभी खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर अपने को साबित करने के इरादे से उतरेंगे। आईपीएल एक ऐसा मंच है जिसपर उभरती प्रतिभाओं को अवसर मिलता रहा है और ये ही इस बार भी हो रहा है।

प्रशांत वीर : चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने प्रशांत को 14.2 करोड़ रुपये की मोटी रकम में खरीदकर सबको हैरान कर दिया था। प्रशांत निचले क्रम में आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इसके साथ ही वह बाएं के एक अच्छे स्पिनर हैं। जिसकी घूमती हुइ गेंदों का सामना करना बल्लेबाजों के लिए आसान नहीं होता। प्रशांत को ऑलराउडर रविन्द्र जडेजा की कमी करने शामिल किया गया है। ऐमें सभी की नजरें उनपर रहेंगी। यूपी टी20 लीग 2025 में प्रशांत ने 155 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 320 रन बनाए थे, जबकि 6.69 की इकोनॉमी से गेंदबाजी करते हुए 8 विकेट भी निकाले थे।

कार्तिक शर्मा: कार्तिक को चेन्नई सुपर किंग्स ने नीलामी में 14.2 करोड़ की मोटी रकम लगाकर खरीदा है। कार्तिक विकेटकीपर-बल्लेबाज हैं और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण सभी की नजरों में आये। लंबे-लंबे छक्के लगाना कार्तिक की खूबी है।

आकिब नबी डार: तेज गेंदबाज आकिब नबी की शानदार गेंदबाजी से जम्मूकश्मीर पहली बार रणजी ट्रॉफी जीतने में सफल रही। आकिब इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेलते नजर आयें। अब देखना है कि वह इमसें कितना प्रभावित करते हैं।

मुकुल चौधरी: विकेटकीपर-बल्लेबाज मुकुल चौधरी लखनऊ सुपर जायंट्स की ओर से उतरेंगे। मुकुल राजस्थान की तरफ से घरेलू क्रिकेट खेलते हैं और अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए जाने जाते हैं। इस घरेलू सीजन में उन्होंने 5 पारियों में 200 के स्ट्राइक रेट से खेलते हुए 173 रन बनाए थे। वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के कारण मैच विजेता माने जाते हैं।

अशोक शर्मा: अशोक शर्मा ने सैयद मुश्ताक अली में 150 की रफ्तार से गेंदबाजी करते हुए सभी का ध्यान खींचा था। इस टूर्नामेंट में अशोक ने 10 मुकाबलों में कुल 22 विकेट लिए थे। अब वह लीग में गुजरात टाइटंस की ओर से नजर आएंगे। अशोक को अगर मौका मिला, तो वह जरूर इस टूर्नामेंट में अपनी छाप छोड़ना चाहेंगे।

'भूत बंगला' में वामिका गब्बी ने अपने एक्शन सीन खुद किए हैं

फिल्म 'भूत बंगला' को लेकर वामिका गब्बी काफी उत्साहित हैं। इस फिल्म में वह बिल्कुल ही अलग अंदाज में दर्शकों से रूबरू होंगी। हाल ही में फिल्म से जुड़ी एक अपडेट सामने आई, जिससे पता चलता है कि एक्ट्रेस खिलाड़ी कुमार यानी अक्षय कुमार से काफी इंस्पायर है। वह उनके नक्शे-कदमों पर चल रही हैं।

अक्षय कुमार के साथ बिठाया तालमेल

सूत्रों के अनुसार फिल्म 'भूत बंगला' में वामिका गब्बी ने अपने एक्शन सीन खुद किए हैं। एक्ट्रेस ने एक ट्रेन सीक्वेंस शूट किया, जिसमें वह ट्रेन के किनारे पर खड़ी थीं। इस सीन के लिए अक्षय कुमार के साथ एकदम सही तालमेल और टाइमिंग की जरूरत थी। वामिका ने अक्षय कुमार का पूरा साथ दिया।

पिछले दिनों फिल्म 'भूत बंगला' का टीजर रिलीज हुआ। इसमें अक्षय कुमार जहां अपनी कॉमेडी से हंसाते हैं। वहीं डरावना माहौल भी टीजर में दिखता है। अक्षय कुमार का लुक भी टीजर में काफी अलग नजर आया है। कहानी के अलावा बाकी कलाकारों की भी झलक भी टीजर में दिखती है, इसमें वामिका भी नजर आईं। टीजर से ही हिंट मिला है कि इसमें एक रहस्यमयी जीव है जो सबको डराता है।

कब रिलीज होगी फिल्म?

फिल्म 'भूत बंगला' में अक्षय कुमार, वामिका गब्बी के अलावा परेश रावल, तब्बू और राजपाल यादव भी हैं। यह फिल्म 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में असरानी की भी झलक मिलेगी। पिछले साल इस दिग्गज अभिनेता ने दुनिया को अलविदा कह दिया था।

'धुरंधर 2 में' परवीर कौर ने कम स्क्रीन टाइम के बावजूद जीता सबका दिल

'धुरंधर 2' में एक छोटा सा सीन आता है, जहां जसकीरत सिंह रंगी और उनकी छोटी बहन जसलीन से मिलता है। वो सीन काफी इमोशनल होता है। आइए उस एक्ट्रेस के बारे में जानते हैं, जिन्होंने ये किरदार निभाया।

परवीर कौर पंधेर फिल्म में जसलीन कौर रंगी का किरदार निभाती हैं। परवीर पंजाबी सिनेमा की उभरती हुई एक्ट्रेस और सिंगर हैं और इस फिल्म के साथ उनका बॉलीवुड में डेब्यू था। पंजाब की रहने वाली परवीर कौर पंधेर ने पंजाबी म्यूजिक वीडियोज, गानों और फिल्मों के जरिए मजबूत फैनबेस बनाया है। इंस्टाग्राम पर उनके 8.5 लाख से ज्यादा फॉलोअर्स हैं, जहां वह अपने सिंगर से एक्टर बनने के सफर को शेयर करती रहती हैं। भले ही परवीर कौर पंधेर का स्क्रीन टाइम कम था, लेकिन जसकीरत सिंह रंगी और जसलीन के सीन ने सबके दिलों में जगह बना ली। 'धुरंधर 2' में जसकीरत सिंह रंगी की छोटी बहन जसलीन सिंह किडनैप हो जाती है, जिसे बचाने के लिए जसकीरत एक विधायक के घर में घुसकर अपने पिता और बड़ी बहन की मौत का बदला लेने के लिए 12 लोगों को मार देता है। इसके बाद जसकीरत को उसकी बहन जसलीन एक झोपड़ी में काफी बुरी हालत में मिलती है। इसके बाद भाई-बहन के मिलने वाला इमोशनल सीन, सबके दिल में जगह बना लेता है। इसे 'धुरंधर: द रिवेंज' का सबसे इमोशनल सीन भी कहा जा रहा है।

फिल्म का हिस्सा बनकर खुश हूं

हाल ही में परवीर कौर पंधेर ने इंस्टाग्राम पर अपने सीन से जुड़ी पोस्ट शेयर की और अपने अनुभव को शेयर किया। उन्होंने लिखा, 'इस सीन को परफॉर्म करके मुझे सच में अपने आप पर बहुत गर्व महसूस हुआ। खुद को पहचानना मुश्किल था, थोड़ा डर भी लग रहा था। लेकिन वाहीगुरु हमेशा मेरा साथ देता रहा, और इस फिल्म का हिस्सा बनकर मैं बहुत खुश हूं।'

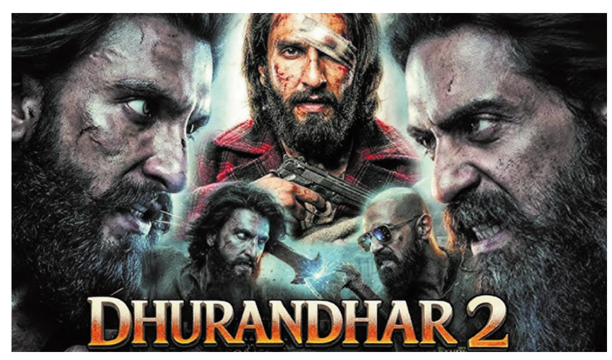

अभिनेता और निर्देशक के बाद निर्माता बने कुणाल खेमू

कुणाल खेमू ने बॉलीवुड में बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट शुरुआत की, फिर लीड एक्टर के तौर पर काम किया। पिछले साल निर्देशक के तौर पर पहली फिल्म बनाई। अब वह अपना प्रोडक्शन हाउस शुरू कर रहे हैं। कुणाल का मकसद अलग किस्म की फिल्में बनाने का है।

सोशल मीडिया पर कुणाल खेमू ने यह जानकारी साझा की है कि वह प्रोडक्शन हाउस शुरू कर रहे हैं। इस प्रोडक्शन हाउस को उन्होंने चिराग निहलानी के साथ शुरू किया है। पिछले साल कुणाल ने मडगांव एक्सप्रेस को निर्देशित किया था, यह उनके डायरेक्शन में बनी पहली फिल्म थी। इस फिल्म को दर्शकों ने सराहा था।

कैसी फिल्में बनाएंगे कुणाल खेमू?

अपने प्रोडक्शन हाउस तले कुणाल और चिराग ऐसी कहानियों को सपोर्ट करना चाहते हैं जो मनोरंजक हो, दिलचस्प और दमदार हों। वह ऐसी फिल्में बनाना चाहते हैं, जो क्रिएटिविटी, एंटरटेनमेंट का बैलेंस बनाकर चलें। कुणाल खेमू भले ही निर्माता बन गए हों लेकिन वह दूसरे प्रोडक्शन हाउस की फिल्मों में अभिनय कर रहे हैं। इस साल वह फिल्म 'गोलमाल 5' में नजर आएंगे। इस फिल्म को रोहित शेट्टी निर्देशित कर रहे हैं। इस फिल्म में अजय देवगन, अक्षय कुमार, अरशद वारसी के अलावा कई उम्दा कलाकार भी नजर आएंगे।

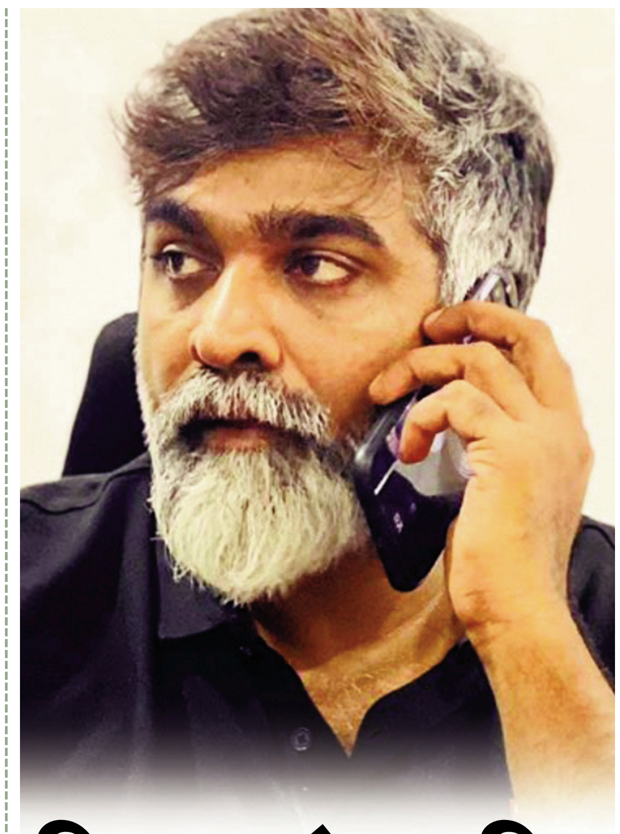

विजय सेतुपति की 'महाराजा' का सीक्वल बनेगा

विजय सेतुपति की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'महाराजा' का सीक्वल बनने जा रहा है। खुद विजय सेतुपति ने कन्फर्म किया है कि फिल्म के डायरेक्टर निथिलन समिनाथन ने दूसरे पार्ट की कहानी पूरी कर ली है। विजय ने कहा कि वे इस फिल्म की कहानी सुनने के लिए बहुत एक्साइटेड हैं। 2024 में रिलीज हुई फिल्म महाराजा ने बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड़ कमाई की थी और अब इसके दूसरे पार्ट की तैयारी शुरू हो गई है।

डायरेक्टर निथिलन ने तैयार की स्क्रिप्ट

हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में विजय सेतुपति ने फिल्म के फ्यूचर प्लान पर खुलकर बात की। उन्होंने बताया कि 'महाराजा 2' की कहानी पर काम पूरा हो चुका है। विजय ने कहा, निर्देशक निथिलन समिनाथन ने महाराजा 2 की कहानी पूरी कर ली है। मैं इसे जल्द ही सुनने के लिए बहुत एक्साइटेड हूं। हालांकि, एक्टर ने अभी यह साफ नहीं किया है कि फिल्म फ्लोर पर कब जाएगी।

2024 की सफल फिल्मों में से एक 'महाराजा'

बता दें कि जून 2024 में रिलीज हुई 'महाराजा' विजय सेतुपति के करियर की 50वीं फिल्म थी। इस फिल्म में विजय ने एक ऐसे साधारण नाई का किरदार निभाया था, जिसकी जिंदगी में एक हादसा सब कुछ बदल देता है। फिल्म की सस्पेंस भरी कहानी और विजय सेतुपति की एक्टिंग ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। 20 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने वर्ल्डवाइड बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपए से ज्यादा का कलेक्शन किया था।

सीक्वल में क्या हो सकता है खास?

'महाराजा' के पहले पार्ट का क्लाइमेक्स और उसकी कहानी की बुनावट फिल्म की सबसे बड़ी ताकत थी। फिल्म में अनुराग कश्यप ने विलेन का रोल निभाया था। अब सीक्वल की खबर आने के बाद सोशल मीडिया पर चर्चा शुरू हो गई है कि क्या कहानी वहीं से आगे बढ़ेगी या विजय सेतुपति किसी नए सस्पेंस के साथ पर्दे पर लौटेंगे।

आउटसाइडर्स को मौका देंगी आलिया

आलिया भट्ट ने हाल ही में अपने नए प्रोडक्शन प्रोजेक्ट 'डोंट बी शाय' को लेकर बड़ा खुलासा किया। उन्होंने बताया कि वह इस फिल्म के जरिए इंडस्ट्री के 'आउटसाइडर्स' यानी नए चेहरों को मौका देने जा रही हैं। यह बात आलिया ने करण जोहर के साथ अमेजन प्राइम के इवेंट के दौरान शेयर की, जहां दोनों के बीच मजेदार बातचीत भी देखने को मिली। करण ने मजाक करते हुए कहा कि आलिया अब एक समझदार प्रोड्यूसर बन चुकी हैं, वहीं आलिया ने जवाब दिया कि उन्होंने 'बेस्ट से सीखा है' कि नए एक्टर्स को कैसे लॉन्च किया जाता है।

'डोंट बी शाय' एक आने वाली फिल्म है, जो एक 20 साल की लड़की की कहानी पर आधारित है, जिसकी परफेक्ट लाइफ अचानक बदल जाती है। इस फिल्म को आलिया अपनी बहन शाहीन भट्ट के साथ मिलकर प्रोड्यूस कर रही हैं। कुल मिलाकर, आलिया अब सिर्फ एक एक्ट्रेस ही नहीं, बल्कि नए टैलेंट को आगे लाने वाली प्रोड्यूसर के रूप में भी अपनी अलग पहचान बना रही हैं।

कोई मुझे किसी चीज के लिए रोकता है तो पसंद नहीं

दिव्या दत्ता आज किसी परिचय की मोहताज नहीं हैं। पंजाबी फिल्मों से लेकर बॉलीवुड और अब ओटीटी तक की दुनिया में वह धूम मचा रही हैं। साल 1994 में एक्टिंग डेब्यू करने के बाद दिव्या दत्ता ने अपने 32 साल लंबे करियर में कई तरह के किरदार निभाए और अपनी पहचान पुख्ता की। 2017 में आई 'इरादा' के लिए नेशनल अवॉर्ड जीत चुकीं दिव्या दत्ता इस वक्त अपनी नई सीरीज 'चिरैया' को लेकर चर्चा में हैं, जो रिलीज हो चुकी है। मैरिटल रेप जैसे संवेदनशील मुद्दे पर आधारित सीरीज 'चिरैया' के साथ-साथ दिव्या दत्ता ने इंटरव्यू में सिस्टरहुड, शादी रूपी संस्था पर बात की। इसके अलावा उन्होंने औरतों को एम्पावर करने की अहमियत, औरतों के बीच इन्सिक्योरिटी, अपनी शादी और पितृसत्तात्मक सोच को लेकर बात की।

आपकी सीरीज में एक जेठानी अपनी देवरानी के लिए खड़ी होती है, जो देखना काफी सुखद है। औरतों का एक-दूसरे को एम्पावर करना, सपोर्ट करना आप कितना जरूरी मानती है?

बहुत जरूरी है क्योंकि हमारे समाज में बहुत सी औरतें अपने लिए बोल नहीं पातीं। ऐसे में, कोई अपना नजरिया साइड में रखकर आपको सुने, एक-दूसरे को थामे तो हमारे समाज के लिए बहुत खूबसूरत बात होगी। मेरे भाई ने एक कविता लिखी थी- 'तुमने कहा था कि हम एक ही हैं तो अपने बराबर कर दो।' उसने लड़का होकर महिलाओं पर लिखी थी, जो बहुत पसंद की गई, बहुत वायरल हुई और मैं सोचती थी कि यह कविता इतनी क्यों हिट हुई? फिर मुझे अहसास हुआ कि बहुत सी महिलाएं बोल ही नहीं पातीं कि अपने बराबर कर दो ना। इस कविता के जरिए उन्हें लगा कि किसी ने तो उनके मन की बात बोली जो वो खुद नहीं बोल पातीं। इसी तरह इस शो में एक महिला दूसरी के लिए खड़ी हुई, वो भी उस रिश्ते में जो खून का नहीं है। वो मां बेटी नहीं, देवरानी जेठानी हैं, जिनके बीच मुकाबले, इनसिक्योरिटी की ही चर्चा होती है तो ये कितनी प्यारी बात है।

निजी जिंदगी में ऐसी कोई पितृसत्तात्मक सोच रही, जिसके खिलाफ विद्रोह करने का मन किया? या आपने उसे तोड़ा हो?

मेरी मां सिंगल मदर थीं। मैंने अपने पिता जी को बहुत कम उम्र में खो दिया था। उन्होंने अकेले ही मुझे पाला और हमें अपने फैसले खुद लेने की आजादी दी। उन्होंने मुझे बताया था कि उन्हें कहा गया था कि तुम्हें डॉक्टर ही बनना है तो वो डॉक्टर बन गईं। वो बहुत अच्छा लिखती थीं और बाद में भी लिखती रहीं। लेकिन उन्हें वो चुनने की आजादी नहीं मिली, तो उन्होंने मुझसे कहा कि अगर तुम एक्टर बनना चाहती हो तो बनो। मैं कल को ये नहीं सुनना चाहती कि तुम कहो कि मैं ये करना चाहती थी पर मेरी मां ने नहीं करने दिया। वो आजादी मेरे पास रही और इस सोच के साथ मैं बड़ी हुई हूं। ऐसे में, अगर कोई मुझे किसी चीज के लिए रोकता है, ऐसा अब भी होता है कि नहीं, नहीं ऐसे नहीं करो, तो मुझे पसंद नहीं और जहां मुझे लगता है कि बोलना चाहिए तो मैं बोल देती हूं।

'चिरैया' मैरिटल रेप जैसे संवेदनशील मुद्दे पर आधारित है। इस पर आपकी निजी राय क्या है?

असल में यह एक महिला की कहानी है, जिसकी जिंदगी में सब कुछ खूबसूरत चल रहा है। हालांकि, उसे जो सही या नॉर्मल लगता है, वो असल में है नहीं, मगर ये फैसला कौन करेगा कि क्या सही है, क्या गलत, क्योंकि हमारे यहां बहुत से लोगों को सही-गलत मालूम ही नहीं होता। एक ढर्रा चलता जाता है। हालांकि, हम कोई आंदोलन नहीं कर रहे हैं, पर यह कहानी इतनी रिलेटेबल है कि आपको लगेगा कि इसके बारे में लोगों को जागरूक करना चाहिए, क्योंकि बहुत से लोगों को पता ही नहीं है कि ऐसा हो रहा है।

शादी रूपी संस्था के बारे में आपकी क्या राय है? सलमान खान समेत बहुत से लोग अब इसे प्रासंगिक ही नहीं मानते ! आपने खुद शादी की अनिवार्यता की धारणा तोड़ी है !

मुझे समझ नहीं आता कि इसे इतना बड़ा मुद्दा क्यों बनाया जाता है? हर कोई मुझसे शादी को लेकर पूछता है। मुझे लगता है कि मुझे इसका जवाब ही नहीं देना है। इसमें धारणा तोड़ने जैसी बात ही नहीं है। यह मेरी जिंदगी है। मैं जैसा चाहूंगी वैसा करूंगी। उस पर बात करना उसे जस्टिफाई करना मुझे जरूरी नहीं लगता। बाकी रही दूसरों की सोच की बात, तो हर किसी का अपना नजरिया है। बहुत से लोग शादी करना चाहते हैं, कई नहीं करना चाहते। दोनों में से कोई भी गलत नहीं है। दोनों का अपना नजरिया है और हमें दोनों का सम्मान करना चाहिए।

कॅरियर में मददगार होंगे यह पॉइंट्स

आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा?

यह एक जांचा परखा तथ्य है कि अगर किसी व्यक्ति ने अपने कॅरियर के शुरुआती दौर में ही सही फैसले लेकर उचित कॅरियर का चुनाव कर लिया, तो उसकी आगे की राह काफी आसान हो जाती है। कहते हैं दुनिया में हर व्यक्ति सफर करता है, किंतु मंजिल पर पहुंचते बहुत कम लोग हैं। आप कह सकते हैं कि सही मंजिल पर कैसे पहुंचा जाए, तो इसमें यही बात समझने योग्य है कि सही मंजिल पर पहुंचने के लिए मंजिल का चुनाव, उसकी पहचान जरूरी है।

कॅरियर रुपी मंजिल का चुनाव कैसे करें?

क्या आप दसवीं में हैं? या फिर आप 12वीं में अथवा ग्रेजुएशन कर चुके हैं? आप शिक्षा के जिस भी स्तर पर हैं, उसी अनुरूप आप अपने कॅरियर के चुनाव में विभिन्न उपायों को आजमा सकते हैं। मान लीजिये कि आप दसवीं में हैं, तो मंजिल के चुनाव के लिए आप अपने टीचर, पेरेंट्स की सहायता ले सकते हैं और जान सकते हैं कि कौन सा कॅरियर आपके लिए किस ढंग से लाभकारी होगा? खासकर दसवीं के बाद आपको साइंस या आर्ट्स में से कोई एक स्ट्रीम चुननी होती है। इसी तरह से अगर आप 12वीं में हैं तो आप साइंस में भी मैथ्स या बायो लेकर चलना होता है अथवा आर्ट्स या कॉमर्स स्ट्रीम को लेकर पढ़ाई करना होता है। वस्तुत: यहां से कॅरियर एक दिशा ले लेता है कि आप किसी प्रोफेशनल कोर्स में जाना चाहते हैं या फिर एनडीए अथवा दूसरे कोर्स की तैयारी करना चाहते हैं। ग्रेजुएशन में तो आपकी समझ पूरी तरह से खुल चुकी होती है और आपको पूरी तरह से पता होता कि हकीकत में करना क्या है। बस कई लक्ष्यों के बीच में खुद को कंफ्यूज ना करें, क्योंकि कन्फ्यूजन आपको आपकी मंजिल से दूर कर देगा। ध्यान रखना चाहिए कि भेड़ चाल से बचना कैसे है और अपने लक्ष्य को पूरी तरह से अपने मन मस्तिष्क के अनुसार चुनना चाहिए। जब आप मंजिल को ठीक से पहचान लेते हैं तब आपका काम काफी आसान हो जाता है।

जुट जाएँ मंजिल तक पहुंचने में

जब एक बार मंजिल की पहचान हो जाती है, फिर आप तब तक ना रूकें, जब तक मंजिल पर पहुंच ना जाएँ। ध्यान रखें, डॉक्टर अब्दुल कलाम कहते हैं कि बैठे रहने वालों को वही मिलता है जो कोशिश करने वाले छोड़ देते हैं। अगर अपनी मंजिल को आपने पहचान लिया है तो आपको तेजी से और मजबूत कदमों से उस और बढ़ने की आवश्यकता होती है। इसके लिए न केवल ट्रेडिशनल कोर्सेज करें, बल्कि ऑनलाइन की दुनिया से अपने आपको लगातार अपडेट करें। केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है कि आपने किसी यूनिवर्सिटी के डिग्री कोर्स में प्रवेश ले लिया है, बल्कि अपनी स्किल को निखारने के लिए आपको ऑनलाइन एजुकेशन, कोर्सेज के माध्यम से तमाम स्किल विकसित करनी होगी। इसके लिए कई फ्री तो कई पेड कोर्सेज उपलब्ध हैं, जिसे आप अपनी रूचि के अनुसार चुन सकते हैं। सबसे इंपोर्टेंट है खुद को लगातार अपग्रेड करना चाहिए। हालांकि रेगुलर पढ़ाई की महत्ता से इनकार नहीं किया जा सकता और इसके लिए आपको बेहतर से बेहतर संस्थान का चुनाव करना चाहिए और उसके प्लेसमेंट रिकॉर्ड को भी अपनी नजर में रखना चाहिए।

इनोवेशन को अहमियत दें

जापान के बारे में हम आप बचपन से सुनते आए हैं कि वहां बच्चे पढ़ाई के दिनों से ही प्रायोगिक चीजों में रूचि लेने लगते हैं और दसवीं तक आते आते तो घड़ी, दूसरी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस इत्यादि विकसित करने लगते हैं। भारत में अभी इस तरह का माहौल पूरी तरह से विकसित नहीं हुआ है, किंतु एक सच यह भी है कि भारत में ही कई सारे छोटे बच्चे कोडिंग के माध्यम से तमाम प्रोग्राम लिखते हैं, तो कई अपनी क्रिएटिव थॉट से वीडियो एडिटिंग, फोटोग्राफी, राइटिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्य करते हैं। ऐसे कई यूट्यूब चैनल आप देखते ही होंगे, जिसमें छोटे-छोटे बच्चों ने कितना कमाल किया है। तो आप भी अपने स्तर पर कुछ इनोवेटिव कर सकते हैं। इसकी अपॉर्चुनिटी ढूंढें और हां इसका इंतजार ना करें कि अब अमुक पढ़ाई करने के बाद आपको नौकरी मिलेगी तो आप अपने कॅरियर को सेट करेंगे। इसकी बजाय पढ़ाई के कोर्सेज के दौरान ही आप खुद को स्टेबल करने की कोशिश करें। आप एक एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट के साथ काम करेंगे, तो भविष्य में आपके लिए यह काफी अच्छा रहेगा। आप जॉब करें या फिर अपना बिजनेस करें, एंटरप्रेन्योरशिप माइंडसेट से आप खुद को सफल इंसान बनाने की दिशा में आगे बढ़ा सकते हैं।

भटकाव से बचें

आज के समय में तमाम एक्सपर्ट और रिसर्च इस बात के प्रति जागरूक करते हैं कि ऑनलाइन दुनिया में आपका समय बहुत खराब होता है। छोटे-छोटे बच्चे यूट्यूब और दूसरी ऑनलाइन साइट्स पर, गेम्स पर अपने जीवन का कीमती समय नष्ट करते हैं। यह धीरे-धीरे उनकी आदत बन जाती है और जो इंटरनेट अच्छी जानकारियों का सोर्स हो सकता है, उसे वह समय नुकसान करने का माध्यम बना लेते हैं। ना केवल बच्चे, बल्कि युवा भी इस पर अपना अच्छा खासा समय बर्बाद करते हैं, तो यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि आज के समय में समय बर्बाद करने का सबसे महत्वपूर्ण साधन भी इंटरनेट ही बन गया है। इसके लिए आप अतिरिक्त सावधानी बरतेंगे तो आपका कॅरियर सही दिशा में अवश्य ही आगे बढ़ेगा। पहले समय पास करने का काम नालायक दोस्त किया करते थे, लेकिन कइयों की लाइफ में अब यह स्थान इंटरनेट में ले लिया है। हालाँकि, कई लोग इंटरनेट को 'सच्चा दोस्त' बनाकर अपनी जिन्दगी में बड़े बड़े मुकाम इसी की सहायता से प्राप्त कर रहे हैं, इसीलिए इस के सकारात्मक पक्ष पर फोकस करें और भटकाव से बचने के लिए इंटरनेट पर पर अतिरिक्त सावधानी बरतने की जरूरत है।

रिव्यू और इम्प्रूवमेंट करना जरूरी है

अपनी यात्रा और अपनी अब तक की जिंदगी का रिव्यू अवश्य करें। अब तक आपने क्या किया है। अब तक कौन से अच्छे कार्य किए हैं, कौन सी छोटी गलतियां की हैं, तो कौन सी बड़ी मिस्टेक्स की हैं, इसका विचार करें। जितना अधिक आप खुद की एनालिसिस करेंगे, सार्थक दिशा में बढ़ने की संभावना भी उतनी ही अधिक बढ़ेगी। सच कहा जाए तो रिव्यू करना किसी परीक्षा की तरह होता है, जो एक परीक्षार्थी को बतलाता है कि उसका जीवन किस रास्ते पर आगे बढ़ रहा है। जैसे आज की दुनिया में किसी प्रोडक्ट का रिव्यू किया जाता है, वैसे ही खुद का रिव्यू करने से ना चूकिए। कैरियर चूज करने में, प्रोफेशनल लाइफ में, पर्सनल लाइफ में, सोशल रिलेशंस में, फैमिली रिलेशंस में आप किस ढंग से चलते हैं, इस पर सार्थक मन से अवश्य विचार करें और जो भी आपकी उलझन होती है उन उलझनों को खुद सुलझाने की कोशिश करें। अगर किसी मोड़ पर आपको लगता है कि कॅरियर चुनने में कोई गलती हुई है तो रिव्यु से वह पकड़ में आ जाएगी। पुराने गलत निर्णय को झेलने की बजाय, ठोस आधार होने पर, अपने निर्णय में समय रहते तब्दीली लाई जा सकती है।

ब्लॉकचेन डेवलपर कैसे बनें, जानिये इसके प्रकार भूमिकाएं और कौशल

ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है।

ब्लॉकचेन क्या होता है?

ब्लॉकचेन एक विकेन्द्रीकृत डिजिटल लेजर होता है जो दुनिया भर के हजारों कंप्यूटरों पर लेनदेन को सेव करता है। ब्लॉकचेन तकनीक सुरक्षा को बढ़ाती है और सूचना के आदान-प्रदान को इस तरह से गति देती है जो लागत प्रभावी और अधिक पारदर्शी होता है। ब्लॉकचेन के महत्व ने विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों का ध्यान आकर्षित किया है जिसमें बैंकिंग क्षेत्र सबसे अधिक सक्रिय है। ब्लॉकचेन के परिणामस्वरूप हजारों नई नौकरी की स्थिति और मोबाइल भुगतान समाधान से लेकर स्वास्थ्य देखभाल अनुप्रयोगों तक के नए स्टार्टअप का विकास हुआ है। वास्तव में ब्लॉकचैन आईटी दुनिया के वर्तमान परिदृश्य में शीर्ष उभरते प्रौद्योगिकी डोमेन में से एक है। ब्लॉकचेन प्रौद्योगिकी का वैश्विक बाजार वर्ष 2025 तक लगभग 20 बिलियन डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। सैमसंग, आईबीएम, कैपजेमिनी जैसे विभिन्न आईटी जायंट हैं जो ब्लॉकचैन पेशेवरों के लिए शानदार कैरियर के अवसर प्रदान कर रही हैं और आप एक सार्थक और सफल कॅरियर बनाने के लिए ब्लॉकचेन डेवलपर बनने पर विचार कर सकते हैं।

ब्लॉकचेन डेवलपर कौन होता है?

ब्लॉकचेन डेवलपर्स वे तकनीकी पेशेवर होते हैं जो ब्लॉकचेन तकनीक पर काम करते हैं और संबंधित कार्यों के लिए जिम्मेदार होते हैं, जैसे कि ब्लॉकचेन प्रोटोकॉल को डिजाइन करना, स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट बनाना आदि। एक ब्लॉकचेन डेवलपर के पास ब्लॉकचेन के साथ-साथ ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर और प्रोटोकॉल के आधार पर स्मार्ट अनुबंधों को विकसित और अनुकूलित करने के लिए ज्ञान और कौशल का एक सेट होता है। वे 3डी मॉडलिंग, 3डी डिजाइन, 3डी सामग्री विकास को भी डील करते हैं जैसे कि गेम डेवलपमेंट में होता है। ब्लॉकचैन डेवलपर्स को मुख्य रूप से दो प्रकारों में बांटा जा सकता है - ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर और कोर ब्लॉकचेन डेवलपर।

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स

ब्लॉकचेन सॉफ्टवेयर डेवलपर्स कोर डेवलपर द्वारा योजना के अनुसार डिजाइन का विकास और कार्यान्वयन करते हैं, जैसे -

- वे डीएपी विकसित करते हैं।
- वे कोर डेवलपर्स द्वारा डिजाइन के अनुसार स्मार्ट अनुबंध लागू करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि डीएपी योजना के अनुसार चले।
- अन्य सेवाओं और ऐप्स के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण पर रिसर्च और देखभाल।

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स

कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स आर्किटेक्चर के विकास और अनुकूलन के लिए जिम्मेदार होते हैं। डेवलपर ब्लॉकचेन समाधान का समर्थन करने वाले प्रोटोकॉल को डिजाइन, विकसित और अनुकूलित करता है। एक अच्छा उदाहरण कंसेंसस प्रोटोकॉल है जो परिभाषित करता है कि ब्लॉकचेन और संसाधनों का उपयोग करने वाले सदस्य कैसे इन संसाधनों को साझा करने और उपयोग करने पर सहमत होते हैं।

- कोर ब्लॉकचेन डेवलपर्स ब्लॉकचेन की कार्यक्षमता और विशेषताओं को लागू करते हैं और यह सुनिश्चित करते हैं कि वे इच्छित कार्य करें।
- वे नेटवर्क की सुरक्षा को डिजाइन और कार्यान्वित करते हैं।
- वे सुनिश्चित करते हैं कि नेटवर्क चालू है।
- वे अन्य सेवाओं के साथ ब्लॉकचेन नेटवर्क के एकीकरण की योजना, डिजाइन और कार्यान्वयन करते हैं।
- वे एक ब्लॉकचेन नेटवर्क की सुविधाओं और कार्यक्षमता का विस्तार करने की योजना बनाते हैं।

आवश्यक तकनीकी कौशल

सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपके पास कंप्यूटर साइंस / इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी क्षेत्र में ऐकडेमिक बैकग्राउंड चाहिए। आप किसी विशेष स्ट्रीम में स्नातक या मास्टर डिग्री हासिल करने का विकल्प चुन सकते हैं। हालांकि ब्लॉकचेन डेवलपर बनने के लिए किसी विशिष्ट शैक्षणिक पृष्ठभूमि का होना अनिवार्य नहीं है, लेकिन यह आपको बुनियादी बातों को समझने में मदद करेगा और ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी को प्रभावी ढंग से सीखने के लिए आपकी फाउंडेशन रखेगा। डिग्री प्रोग्राम्स के अलावा आप विशेष तकनीक में अधिक अनुभव प्राप्त करने के लिए कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विकल्प चुन सकते हैं। ब्लॉकचेन प्रोफेशनल बनने का कॅरियर इतना आसान नहीं होता है, इसके लिए आपको बहुत डेडिकेशन, कड़ी मेहनत और कंसिस्टेंसी की आवश्यकता होती है। लेकिन आज ब्लॉकचेन टेक्नोलॉजी के तेजी से विकास को देखते हुए ब्लॉकचेन डेवलपर्स के कॅरियर का दायरा बहुत ही शानदार और उज्ज्वल होता जा रहा है।

प्रमुख स्किल्स

ब्लॉकचेन आर्किटेक्चर को समझना

यह समझना सुनिश्चित करें कि ब्लॉकचेन क्या है, जैसे कि उन्नत ब्लॉकचेन सुरक्षा, ब्लॉकचेन एप्लिकेशन, ब्लॉकचेन एकीकरण और ब्लॉकचेन के फायदे और सीमाएं और साथ ही इनकी चुनौतियां। ब्लॉकचेन डेवलपर्स को ब्लॉकचेन सर्वसम्मति, हैश फंक्शन और वितरित लेजर तकनीक को समझने की आवश्यकता होती है। व्हाइट पेपर ब्लॉकचेन की वास्तुकला और कार्यप्रणाली को परिभाषित करता है। उन्हें विभिन्न ब्लॉकचेन और उनके कामकाज को समझने की जरूरत होती है जिनमें एथेरियम, बिटकॉइन, नियो और हाइपरलेगर सबसे महत्वपूर्ण हैं।

डेटा स्ट्रक्चर और डेटाबेस

एक डेवलपर को ब्लॉकचेन नेटवर्क को आवश्यकता के अनुसार उचित रूप से कॉन्फिगर करना चाहिए और इसलिए टारगेट नेटवर्क के लिए विभिन्न और इस प्रकार सर्वश्रेष्ठ डेटाबेस और डेटा संरचनाओं को समझना चाहिए।

स्मार्ट कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट

एक डेवलपर को स्मार्ट अनुबंधों के प्रकार और उन्हें विकसित करने के तरीके को समझना चाहिए।

विकेंद्रीकरण को समझना

जैसा कि ब्लॉकचेन और विकेंद्रीकृत अनुप्रयोगों में लागू होता है। इन डीएपी को विभिन्न प्रोटोकॉल और प्रक्रियाओं का उपयोग करके विभिन्न ब्लॉकचेन प्लेटफॉर्म पर बनाया जा सकता है।

क्रिप्टोग्राफी को समझना

क्रिप्टोग्राफी और डिजिटल लेजर ब्लॉकचेन के कामकाज का आधार होते हैं। डेवलपर को यह समझना चाहिए कि क्रिप्टोग्राफी क्या होती है, क्रिप्टोग्राफी में लागू होने वाले एल्गोरिदम और कौन से एल्गोरिदम किस प्रकार के ब्लॉकचेन नेटवर्क के लिए सबसे अच्छा काम करते हैं। उन्हें पता होना चाहिए कि ये एल्गोरिदम कैसे विकसित किए जाते हैं।

क्रिप्टोनॉमिक्स को समझना

यह समझना जरूरी है कि क्रिप्टोकरेंसी में ब्लॉकचेन पर कैसे कोडित किया जाता है। ब्लॉकचेन डेवलपर प्रशिक्षण और पाठ्यक्रम गेम थ्योरी, मॉडलिंग क्रिप्टोनॉमिक्स के लिए गणितीय ढांचे और मॉडलिंग में शामिल मुश्किलों को सिखा सकते हैं। उन्हें यह भी समझना चाहिए कि क्रिप्टोनॉमिक्स और संबंधित मौद्रिक नीतियों को प्रभावित करने वाले फैक्टर्स कौन कौन से हैं।

कंप्यूटर कोडिंग

कंप्यूटर प्रोग्रामिंग किसी भी उन्नत और प्रभावी विकेन्द्रीकृत ऐप या डीएपी के विकास के लिए आवश्यक होता है, हालांकि कुछ मामलों में आप इस कौशल के बिना शुरुआती डीएपी विकसित करने में सक्षम हो सकते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपर्स प्रोग्रामिंग लैंग्वेज या कोडिंग सीखकर इसे शुरू करते हैं और फिर ब्लॉकचेन विकास में विशेषज्ञता के लिए इसका इस्तेमाल करते हैं। अधिकांश ब्लॉकचेन डेवलपमेंट के लिए मेनस्ट्रीम की प्रोग्रामिंग या कोडिंग भाषाओं की आवश्यकता होती है, लेकिन कुछ ब्लॉकचेन जैसे एरेम को एक विशिष्ट कोडिंग भाषा में ज्ञान की आवश्यकता होती है जिस पर वे कुछ भी डेवेलप करने के लिए आधारित होते हैं।

कैसे बनें वॉयस ओवरआर्टिस्ट

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है।

क्या आपकी आवाज मधुर और प्रभावशाली है? क्या आपको अपनी आवाज से प्यार है? यदि हाँ, तो आप नि:सन्देह वॉयस-ओवर फील्ड में अपना कॅरियर आजमा सकते हैं और वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट होकर कुछ बड़ा पैसा कमाने के लिए इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। तो आइये इसके बारे में कुछ महत्वपूर्ण जानकारी हासिल करते हैं।

वॉयस-ओवर क्या है?

वॉयस-ओवर, जिसे ऑफ-कैमरा या ऑफ-स्टेज कमेंट्री के रूप में भी जाना जाता है, एक उत्पादन तकनीक है, जहां एक आवाज- जो कि कहानी का हिस्सा नहीं है- एक रेडियो, टेलीविजन उत्पादन, फिल्म निर्माण, थिएटर या फिर किसी और प्रेजेंटेशन में उपयोग किया जाता है। वॉयस-ओवर प्राय: किसी मौजूदा संवाद के अलावा जोड़ा जाता है। यह पेशेवर ऑडियो के एक भाग के रूप में आवाज प्रदान करने के लिए उपयोग में लाया जाता है। यह गेमिंग, वीडियो, कार्टून, विज्ञापनों आदि के लिए इस्तेमाल किया जाता है। तकनीकी रूप से कहा जाए तो वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट की मुख्य जिम्मेदारी लिखित शब्द को ऑडियो या वॉइस में बदलना है। इसके लिए बोलने और संवाद की कला प्रमुख है।

वॉयस-ओवर आर्टिस्ट कौन होते हैं?

हम पूरे दिन आवाजें सुनते हैं, चाहे वह मेट्रो रेल घोषणाएं हों, विज्ञापन अभियान हो या रेडियो सुन रहे हों या फिर फोन पर हेल्पलाइन पर कॉल करते समय हो। लेकिन क्या आपने नोटिस किया है कि ये शांत और सुरीली आवाज किसकी है? वे वॉइस-ओवर-आर्टिस्ट हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड फिल्मों, वृत्तचित्रों और टेलीविजन शो के लिए आवाज प्रदान करते हैं और टेलीविजन और रेडियो विज्ञापनों में वॉयस-ओवर करते हैं। वॉयस-ओवर कलाकार एनिमेटेड पात्रों के लिए आवाजें प्रदान करते हैं, जिनमें फीचर फिल्में, टेलीविजन कार्यक्रम, एनिमेटेड लघु फिल्में और वीडियो गेम शामिल हैं। ये ऐसे लोग हैं जो अपने दैनिक जीवन में एक बदलाव लाने के लिए अपनी मेहनत और प्रयास इन आवाजों को दर्ज करने के लिए करते हैं। जिस डिजिटल समय में हम रहते हैं, उसमें वॉयस-ओवर कलाकारों का महत्व और प्रभुत्व बढ़ रहा है। इसमें कोई आश्चर्य नहीं है कि आजकल वॉइस-ओवर-कलाकार के रूप में कॅरियर को युवाओं के लिए एक शानदार विकल्प माना जाता है।

सामान्यतया, वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए अच्छी आवाज ही एकमात्र पात्रता मानदंड होता है। हालांकि, यह बहुत आसान लग सकता है, लेकिन जब यह वास्तव में एक वीडियो या एक चरित्र के लिए वॉइस-ओवर करने की बात आती है, तो कई चीजें हैं जो सामने आती हैं। लेकिन, मुख्य रूप से एक अच्छी आवाज और विभिन्न प्रकार के वॉयस मॉड्यूलेशन पर नियंत्रण वॉयस-ओवर आर्टिस्ट बनने के लिए प्राथमिक आवश्यकताएं होती हैं। साथ ही साथ आपको भाषा और व्याकरण का अच्छा ज्ञान होना चाहिए और उच्चारण पर उचित नियंत्रण। इसके लिए आप कुछ अभिनय पाठ्यक्रम का चुनाव कर सकते हैं, जहाँ से आपको एक अभिनय की डिग्री प्राप्त हो सके, क्योंकि वॉइस-ओवर काम का एक बड़ा हिस्सा अनिवार्य रूप से अभिनय कार्य ही है।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट बनने के लिए टॉप कॉलेज और पाठ्यक्रम

नए जमाने के कॅरियर विकल्प के रूप में, जो अब भी धीरे-धीरे बढ़ रहा है, कोई स्थापित कॉलेज तो नहीं हैं जो वॉइस-ओवर-कलाकारों के लिए प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। लेकिन, पिछले कुछ वर्षों में कई निजी संस्थानों ने वॉइस-कोचिंग पाठ्यक्रम पेश करना शुरू कर दिया है, जो छात्रों को मूल बातें सीखने में मदद करते हैं। उनमें से कुछ हैं:

- इंडियन वॉयस ओवर, मुंबई
- फिलमिट अकादमी, मुंबई
- वॉयस बाजार, मुंबई

इसके अलावा, कई स्थापित वॉयस-ओवर-कलाकारों ने भी इसके लिए अपने स्वयं के ट्रेनिंग क्लासेज शुरू किए हैं। आप गूगल सर्च के द्वारा अपने इलाके में ऐसे संस्थानों की पहचान कर सकते हैं।

वॉयस-ओवर-आर्टिस्ट के लिए सबसे लोकप्रिय कॅरियर

विकास क्षमता और विभिन्न पहलुओं को देखते हुए, आजकल हम देख रहे हैं कि मनोरंजन, विज्ञापन, कॉर्पोरेट, ई-लर्निंग, एनीमेशन, प्रशिक्षण, विपणन, शिक्षा, रेडियो और अन्य कार्यक्षेत्रों में आत्मविश्वास से भरी और समृद्ध आवाजों के साथ वॉयस-ओवर कलाकारों की मांग बढ़ रही है। इसके अलावा, उन्नत प्रौद्योगिकी ने वीडियोगेम, ऐप, जीपीएस, टेक्स्ट टू स्पीच, इंटरनेट जैसे कई क्षेत्रों में इनकी मांग को और अधिक बढ़ा दिया है। अपेक्षाकृत अज्ञात कॅरियर विकल्प होने के बावजूद, वॉयस-ओवर-कलाकारों को दी जाने वाली भूमिकाएं और जिम्मेदारियां भिन्न भिन्न हैं। यह वीडियो के लिए बुनियादी वॉइस-ओवर गतिविधियों से शुरू होता है या रेडियो जिंगल्स के लिए आपकी आवाज की पेशकश करता है। एक बार सफल और स्थापित होने के बाद आप फिल्मों और टीवी शो या कार्टून शो के लिए डबिंग जैसे उच्च मूल्य वाले प्रोजेक्ट भी ले सकते हैं। एक पेशेवर कॅरियर विकल्प होने के नाते वॉयस-ओवर कलाकार बाजार में एक सम्मानजनक पारिश्रमिक प्राप्त करते हैं। अपेक्षाकृत नया डोमेन और एक छोटा उद्योग होने के नाते, गुणवत्ता वाले वॉयस-ओवर-कलाकारों की मांग बहुत अच्छी है और इसलिए भुगतान भी काफी अच्छा है।